आर.एन.आई. नं. 013178/68, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

दैनिक अवन्तिका

नं. 1 क्षेत्रीय अख़बार

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 59 अंक 163 | उज्जैन, रविवार 28 जून, 2026 | ज्येष्ठ शुक्ल 14 संवत् 2083 | पृष्ठ-12 मूल्य-5.00 | www.awantika.com

देश विदेश

अगले साल की शुरूआत में भारत आ सकते हैं ट्रम्प

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प साल 2027 की शुरूआत में भारत आ सकते हैं। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने ये बयान दिया। ये ट्रम्प की राष्ट्रपति रहते हुए दूसरी भारत यात्रा हो सकती है। इससे पहले ट्रम्प साल 2020 में पहली बार भारत यात्रा पर आए थे। वे अहमदाबाद में 'नमस्ते ट्रम्प' कार्यक्रम में शामिल हुए थे। रूबियो से पूछा गया कि वे भारत की प्रगति, विकास और वैश्विक स्तर पर प्रधानमंत्री मोदी की भूमिका को कैसे देखते हैं, तो अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा, हम पीएम मोदी और उनके द्वारा किए गए कार्यों के बहुत बड़े प्रशंसक हैं।

जापान में दो तूफानों का असर 200 उड़ानें रद्द, एक्सप्रेसवे बंद

टोक्यो। जापान में मौसम काफी खतरनाक मोड़ ले रहा है। यहां दो ट्रॉपिकल तूफानों ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। मौसम विभाग ने भूस्खलन और बाढ़ को लेकर भी चेतावनी जारी की है। सरकारी की तरफ से जारी एडवाइजरी के मुताबिक, जापान में भारी तूफान के चलते करीब 200 उड़ानें रद्द कर दी गई। कई ट्रेनों को भी स्थगित कर दिया गया है। तूफान की वजह से ट्रांसपोर्ट सिस्टम पर काफी ज्यादा असर पड़ा है। जापान में भारी तूफान से अस्त-व्यस्त हुआ जीवन जापान के मौसम विभाग की चेतावनी के बाद 10 लाख लोगों से सुरक्षित जगहों पर जाने की अपील की गई है। यहां के कई इलाके इमरजेंसी अलर्ट पर हैं।

भड़काऊ बयान पर घर में ही घिरे पाक रक्षा मंत्री

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ फिर एक बार अपने विवादित बयान के चलते घिर गए हैं, लेकिन इस बार अपने घर में ही उन्हें लोगों की नफरत का सामना करना पड़ रहा है। ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में पाकिस्तान में ही दिए एक टीवी इंटरव्यू में कहा था, 'पीओके के रावलकोट और मीरपुर के निवासी असली कश्मीरी नहीं हैं।' पाक रक्षा मंत्री के इस बयान के साथ ही बवाल खड़ा हो गया। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के 'प्रधानमंत्री' फैसल मुमताज राठौर ने शुक्रवार को पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के बयान की कड़ी आलोचना की। राठौर ने आसिफ को जवाब देते हुए कहा, 'जम्मू-कश्मीर के लोगों को अपनी पहचान के लिए पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ या किसी और से पुष्टि की जरूरत नहीं है।'

ज्यादा करीब आने पर पैपराजी पर भड़कीं मलाइका अरोड़ा

मुंबई। मलाइका अरोड़ा का हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में वह किसी से बात करती नजर आ रही हैं। इस दौरान पैपराजी उनके काफी करीब आ जाते हैं, जिससे वे नाराज हो गईं। मलाइका पैपराजी से कहती हैं, बाबा, आप इधर आ जाओ। जिसके बाद यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि, अब तक यह जानकारी सामने नहीं आ पाई कि यह वीडियो कब और कहां का है। बता दें कि मलाइका अरोड़ा ने कहा था कि उन्हें सबसे ज्यादा परेशानी तब होती है, जब पैपराजी उनकी बिना जरूरत वाली तस्वीरें क्लिक करते हैं। दिसंबर 2022 में कॉमेडियन भारती सिंह से बातचीत के दौरान मलाइका ने कहा था, मैंने कभी किसी को नहीं डांटा, जब तक किसी ने मुझे धक्का न दिया हो या गलत व्यवहार न किया हो, लेकिन मुझे सबसे ज्यादा गुस्सा तब आता है, जब फोटोग्राफर्स मेरे चेहरे की बजाय मेरे शरीर के अलग-अलग हिस्सों की तस्वीरें लेने लगते हैं।

घूमने गए थे 8 दोस्त, नदी में नहाने के दौरान तीन की डूबने से मौत

जबलपुर। तिलवारा थाना क्षेत्र में शनिवार को दोपहर तीन लोगों की डूबने से मौत हो गई। गढ़ा के मुजावर मोहल्ला निवासी मोइन खान, राजा खान और साहिल खान सहित आठ दोस्तों ने शनिवार को दोपहर घूमने की योजना बनाई। सभी लोग दोपहर को लगभग दो बजे मोटरसाइकिल से तिलवारा के पास दद्दा घाट पहुंचे। सभी वहां नर्मदा नदी में नहाने लगे। इसी दौरान तीनों गहरे पानी में चले गए। उनके साथ गए दोस्तों ने बचाने का प्रयास किया, लेकिन वे देखते ही देखते उनकी आंखों से पानी में ओझल हो गए। घटना से घबराए बाकी पांच दोस्त घर आ गए। उसमें से एक ने हिम्मत करके घटना के बारे में बताया। तब स्वजन और परिचित मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी गई।

पुणे मर्डर में दावा- केतन का सिर कुचला हुआ था

पुणे। पुणे के केतन अग्रवाल मर्डर केस में नया दावा सामने आया है। केतन का शव रेस्क्यू करने वाले सुनील गायकवाड़ ने बताया है कि केतन के सिर पर गंभीर चोटें थीं, खोपड़ी कुचली हुई थी और हाथ-पैरों पर भी कई जगह चोट थीं। अन्य लोग रो रहे थे और मदद के लिए चिल्ला रहे थे, लेकिन सिया गोयल शांत खड़ी थी। सुनील ने कहा- शव को जंगल के रास्ते बाहर लाया गया। पुलिस को 18 जून की सुबह करीब 10.30 बजे घटना की सूचना मिली थी। बचाव अभियान दोपहर 12.30 बजे तक चला और करीब 1.30 बजे शव एंबुलेंस में पहुंचाया गया था। इधर, पुणे पुलिस ने शुक्रवार को सिया के भाई साहिल गोयल से करीब 10 घंटे पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक, साहिल चेतन चौधरी को जानता है। उसने बताया कि चेतन और सिया की दोस्ती क्रिकेट मैच के दौरान हुई थी।

मुंबई के भायकुला में मुहर्रम जुलूस में दर्द की दवा बताकर जहरीले कैप्सूल बांटे

14,900 कैप्सूल के साथ युवक को पकड़ा

एजेंसी ▸▸ मुंबई

मुंबई के भायकुला में मुहर्रम जुलूस में पुलिस ने एक शख्स को चूहे मारने वाले जहर से भरे 14,900 कैप्सूल के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि मुहर्रम जुलूस में एक संदिग्ध लोगों को कैप्सूल बांटने की फिराक में घूम रहा था, वह लोगों को बता रहा था कि यह हर प्रकार के दर्द को जड़ से खत्म करने की दवा है।

इसी जुलूस में एक शख्स का पेट दर्द और उल्टी होने लगी। शख्स ने बताया कि उसने एक व्यक्ति से कैप्सूल लेकर खाया था। इसके बाद पुलिस ने कैप्सूल बांट रहे संदिग्ध को पकड़कर पूछताछ की। उसने माना कि वह मुहर्रम के जुलूस में सारे कैप्सूल बांटने वाला था। आरोपी की पहचान फैयाज प्रेमजी के रूप में हुई है, जो पुणे का रहने वाला है और पेंट का कारोबार करता है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने हर कैप्सूल में करीब एक ग्राम जहर भरा था। उसने करीब 50 किलो जिंक फॉस्फाइड मंगाया था। इसका इस्तेमाल चूहे मारने के जहर के रूप में होता है। आरोपी करीब 30 हजार जहरीले कैप्सूल बनाने की तैयारी में था।

बिना परमिशन बेच रहा था कैप्सूल

डीसीपी जयंत मीणा ने बताया कि पूछताछ में पता चला कि आरोपी बिना किसी परमिशन के ये कैप्सूल बांट और बेच रहा था। जांच में उसने स्वीकार किया कि उसका उद्देश्य मुहर्रम जुलूस को निशाना बनाना था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी साल 2025 में ईरान और इराक गया था। इन यात्राओं का उद्देश्य क्या था और क्या इनका इस मामले से कोई संबंध है, इसकी भी जांच की जा रही है।

जिंक फॉस्फाइड कितना खतरनाक, कैसे करता है असर

जिंक फॉस्फाइड का इस्तेमाल मुख्य रूप से चूहों को मारने के लिए किया जाता है। यह गहरे भूरे या काले रंग का केमिकल होता है, जिसे दुनिया के सबसे खतरनाक रोडेंटिसाइड में गिना जाता है।
जिंक फॉस्फाइड आमतौर पर खेती में और चूहों को मारने के लिए इस्तेमाल होता है, लेकिन इसकी आसान उपलब्धता और ज्यादा जहरीले होने के कारण सुरक्षा एजेंसियां इसके बड़े पैमाने पर अवैध स्टोरेज या संदिग्ध खरीद को बेहद गंभीरता से लेती हैं।

कम मात्रा भी हो सकती है जानलेवा

मेडिकल रिसर्च के मुताबिक जिंक फॉस्फाइड की बहुत कम मात्रा भी शरीर में जहर बना सकती है। इसकी घातकता व्यक्ति की उम्र, वजन और शरीर में पहुंची मात्रा पर निर्भर करती है। जिंक फॉस्फाइड का कोई विशेष एंटीडोट (प्रतिरोधी दवा) नहीं है। मरीज को केवल सपोर्टिव ट्रीटमेंट देकर बचाने की कोशिश की जाती है।

स्वच्छ सिंहस्थ, स्वस्थ सिंहस्थ ही हमारा संकल्पः सीएम यादव

करीब 40 करोड़ श्रद्धालु आएंगे, हर दिन 4 करोड़ श्रद्धालु कर सकेंगे अमृत स्नान

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

शनिवार को उज्जैन में 'सिंहस्थ-2016 के अनुभव, 2028 का संकल्प' विषय पर हुई एक वृहद प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन निजी होटल में किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव ने कहा कि सिंहस्थ : 2028 के दौरान करीब 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं का उज्जैन आने का अनुमान है। शिप्रा के नवीन घाटों और मौजूदा घाटों पर 24 घंटे में लगभग 4 करोड़ श्रद्धालु अमृत स्नान कर सकेंगे। सभी श्रद्धालु मां शिप्रा के जल से ही स्नान कर सकें, इसके लिए हमारी सरकार हर तरह के प्रबंध कर रही है।

उन्होंने कहा है कि हर 12 साल में होने वाला सिंहस्थ भारत का ही नहीं, विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक मेला है। यह हमारी अपनी समृद्ध भारतीय संस्कृति, दर्शन, पीढ़ियों से चली आ रही विरासत, अटूट आस्था और हमारी आध्यात्मिक परम्पराओं का महासंगम है। इस धार्मिक उत्सव में मां शिप्रा के जल में स्नान करने से मोक्ष प्राप्त होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सिंहस्थ : 2028 को नव्य प्रारूप में भव्य, दिव्य और आध्यात्मिक बनाने की ओर बढ़ रहे हैं। इसके लिए हमारी सभी तरह के प्रबंधन एवं तैयारियां तेजी से जारी हैं। हम सब मिलकर पूरी निष्ठा, लगन और समर्पण से काम करेंगे, तभी सिंहस्थ : 2028 एक नई मिसाल कायम करेगा।

महाराष्ट्र में टीईटी पेपर लीक

आज एग्जाम होना थी, सरकार ने परीक्षा रद्द की

एजेंसी ▸▸ मुंबई

महाराष्ट्र में शिक्षक पात्रता परीक्षा का प्रश्न पत्र करीब 24 घंटे पहले लीक हो गया। एग्जाम रविवार को होना थी। महाराष्ट्र स्टेट एग्जामिनेशन काउंसिल ने इसके बाद परीक्षा स्थगित कर दी है। नई तारीखों का ऐलान बाद में किया जाएगा।

पुलिस के मुताबिक, क्वेश्चन पेपर लीक की सूचना के बाद ठाणे के भिवंडी इलाकों के कई जगहों पर छापेमारी की। इसके बाद एग्जामिनेशन काउंसिल के अफसरों को बुलाया और जब्त पेपर को वेरिफाई कराया गया। पुलिस ने बताया कि इस मामले में कई लोगों को हिरासत में लिया है।

हालांकि संख्या नहीं बताई है। यह कार्रवाई एग्जाम के 24 घंटे पहले की गई। परीक्षा में 4.28 लाख से ज्यादा उम्मीदवार शामिल होने वाले थे। महाराष्ट्र में टीचर बनने के लिए या जो पहले से सरकारी टीचर हैं, उनके लिए भी टीईटी कंपलसरी है।

पीएम मोदी ने सेशेल्स में कछुओं को पत्तियां खिलाईं

एजेंसी ▸▸ विक्टोरिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को तीन दिवसीय दौरे पर सेशेल्स पहुंचे। राजधानी विक्टोरिया में राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी ने उनका स्वागत किया। दोनों नेताओं ने नेशनल बोटैनिकल गार्डन में एल्डाब्रा जाइंट कछुओं को पत्तियां खिलाईं। मोदी 29 जून को सेशेल्स के 50वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि भी होंगे। हिंद महासागर में बसे इस छोटे से द्वीपीय देश का भारत से रिश्ता सिर्फ रणनीतिक नहीं, बल्कि 256 साल पुराना भी है। साल 1770 में जब यहां पहली स्थायी बस्ती बसाई गई, तब वहां पहुंचने वाले 27 लोगों में 5 भारतीय भी शामिल थे।

अमेरिका ने ईरान पर करीब एक घंटे तक हमले किए

ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया

कहा- सीजफायर तोड़कर पछताएगा अमेरिका

एजेंसी ▸▸ तेल अवीव

अमेरिका ने शुक्रवार को ईरान पर करीब एक घंटे तक हमले किए। अमेरिकी सेना ने मिसाइल-ड्रोन ठिकानों और तटीय रडार साइट्स को निशाना बनाया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरान ने सीजफायर तोड़ा, इसलिए जवाबी कार्रवाई की गई।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, 25 जून को ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में सिंगापुर के कार्गो शिप एमवी एवर लवली पर ड्रोन से हमला किया था। दूसरी ओर, ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी के मुताबिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स की नौसेना ने दावा किया है कि उसने जवाब में क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है ईरान की संसद के सदस्य इब्राहिम अजीजी ने एक्स पर लिखा कि अमेरिका ने एक बार फिर बातचीत के बीच ईरान पर हमला किया है। युद्धविराम का यह उल्लंघन अमेरिका के लिए पीछे हटने और पछतावे की वजह बनेगा।

वेनेजुएला में फिर भूकंप के झटके

अब तक 920 मौतें, 51 हजार लापता

एजेंसी ▸▸ कराकस

दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में 25 जून को आए दो भूकंप के बाद स्थानीय समयानुसार शुक्रवार दोपहर को एक और भूकंप आया। देश के उत्तरी तट के पास आए इस भूकंप की तीव्रता 4.9 मापी गई है। रॉयटर्स के मुताबिक, राजधानी कराकास और माराके में भी झटके महसूस किए गए।

इधर, पिछले भूकंप के तीन दिन बाद मरने वालों की संख्या बढ़कर 920 हो गई है। 3360 से ज्यादा घायल हैं, जबकि 51,700 से ज्यादा लोग लापता हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि अब तक 243 लोगों को जिंदा बचाया गया है। मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। कई इलाकों में राहत टीमों की कमी के कारण लोग परिजन को ढूंढ़ने के लिए खुद मलबा हटा रहे हैं।

आज कॉकरोच जनता पार्टी का जंतर-मंतर पर राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने शुक्रवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने की घोषणा की। उन्होंने छात्रों, किसानों और नागरिक से 28 जून को जंतर-मंतर पर जुड़ने का आह्वान किया। यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, दिपके ने कहा कि कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी रविवार को जंतर-मंतर पर प्रधान गो बैक (प्रधान वापस जाओ) अभियान में शामिल होंगे।

जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में विस्फोट, एक की मौत, कई घायल

एजेंसी ▸▸ श्रीनगर

उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गुलमर्ग के फॉरवर्ड एरिया में आशा पोस्ट के पास आज एक विस्फोट होने की घटना सामने आई। इस हादसे में एक नागरिक की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए। सूत्रों के अनुसार यह शेल कथित तौर पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इलाके में गिरा हुआ था, जो आज अचानक फट गया। विस्फोट के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया जहां उनका इलाज जारी है।

पूर्व मुख्यमंत्री सिंह का बड़नगर में ऐतिहासिक स्वागत

दिग्विजय सिंह ने केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार पर तीखे राजनीतिक हमले किए

दैनिक अवन्तिका ▸▸ बड़नगर

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के बड़नगर आगमन पर भव्य और ऐतिहासिक स्वागत किया गया। ऊँकार-लीला पैलेस, बड़नगर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अपने चहेते नेता की अगवानी की व पूर्व विधायक मुरली मोरवाल ने पूर्व मुख्यमंत्री का स्वागत सुत की माला पहनाकर व पगड़ी पहनाकर व शाल ओढ़ाकर किया। इसके साथ ही ग्राम इंगोरिया, बलेडी, दंगवाड़ा, नरसिंगा, दौलतपुर, पीरझालार और बिरगोदा रणधीर, भैसला कलां, में भी पूर्व विधायक मुरली मोरवाल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने अभूतपूर्व उत्साह के साथ दिग्विजय सिंह का आत्मीय स्वागत किया।

इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह एवं पूर्व विधायक मुरली मोरवाल ने स्व. राधेश्याम मुंडेल के निवास स्थान पर पहुंचकर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया।

दिग्विजय सिंह ने अपने संबोधन में भाजपा की नीतियों पर उठाए गंभीर सवाल उठाए। केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार पर तीखे राजनीतिक हमले किए। उन्होंने देश और प्रदेश के ज्वलंत मुद्दों को उठाते हुए कहा कि आज पूरे देश की आस्था के केंद्र अयोध्या के राम मंदिर में अव्यवस्था और चोरी की खबरें आ रही हैं, वह बेहद चिंताजनक और शर्मनाक है।

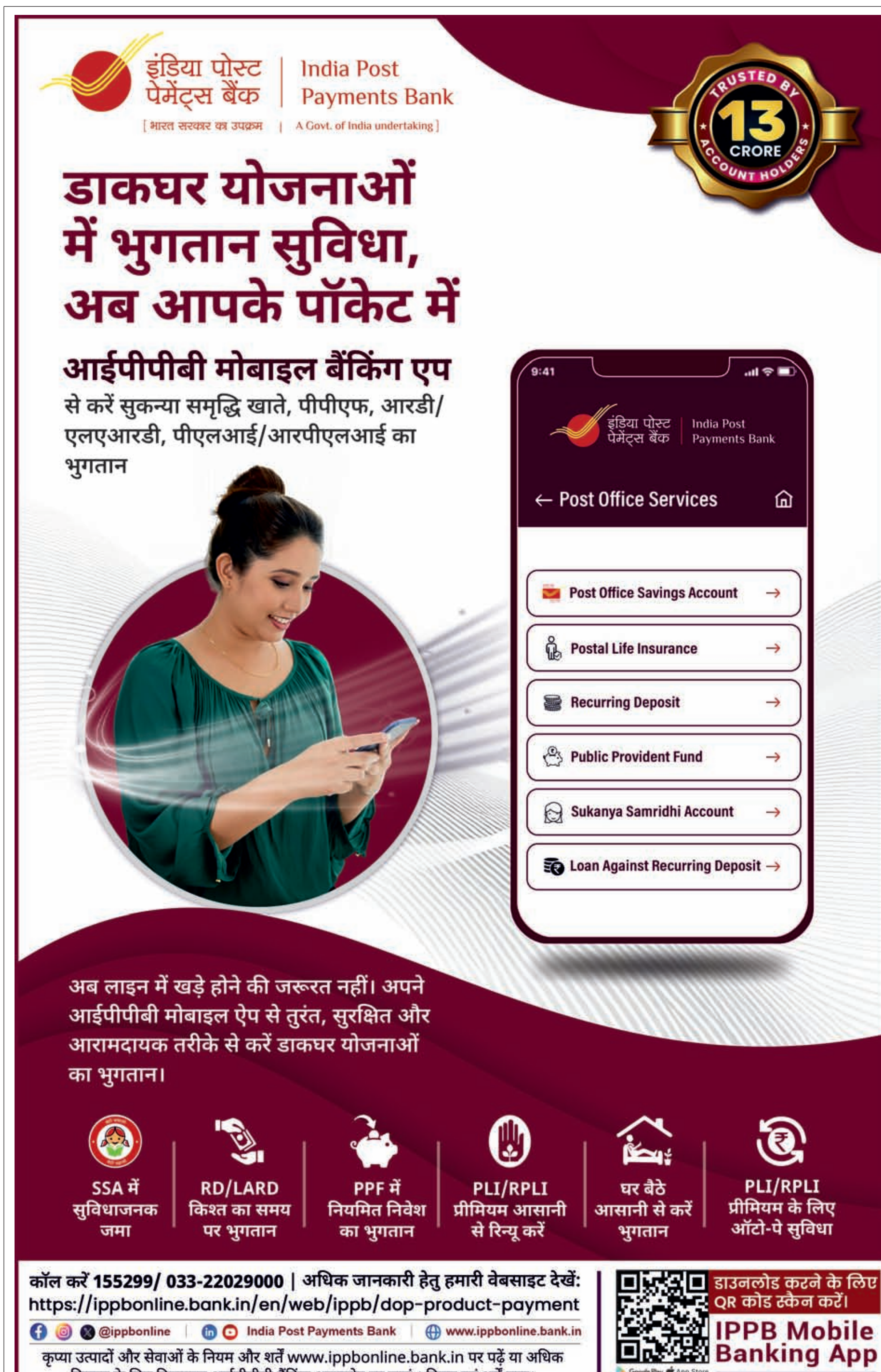

महाकाल श्रृंगार

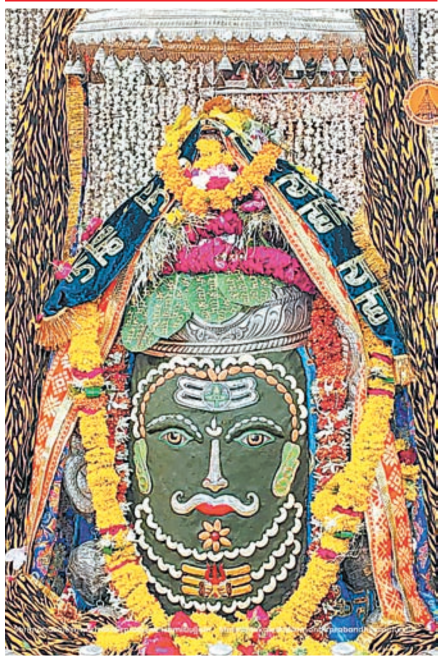

ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर का शनिवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

खरी स्वीकारोक्ति

ऐसा कम ही होता है जब किसी सुविधा की बात होती है तो वर्तमान स्थिति और कमियों की स्वीकारोक्ति कम ही सामने आती है। इसे ही खरी स्वीकारोक्ति कहा जाता है। ऐसा ही कुछ नगर की संस्था के युवा तुर्क प्रशासनिक अफसर ने किया है। वर्तमान संसाधनों के बारे में भी उन्होंने इस दौरान साफगोई से स्वीकार किया। उन्होंने अपने शब्दों में कहा अग्नि सुरक्षा केवल महापर्व की आवश्यकता नहीं, बल्कि वर्तमान समय में पूरे शहर की प्राथमिक जरूरत है। आधुनिक तकनीकों और नवीन उपकरणों के उपयोग से संकरी गलियों, घाट क्षेत्रों तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों पर भी त्वरित एवं प्रभावी अग्निशमन सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। जिस तरह से महाआयोजन को लेकर में आवागमन के लिए प्रमुख मार्गों को नए रूप में संवारा जा रहा है।

पेयजल की व्यवस्था के लिए नई योजनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। सिवरेज के लिए नई तैयारी की जा रही है, लेकिन इन सब में वर्तमान हालातों को खुले रूप से स्वीकार नहीं किया जा रहा है। सिर्फ महाआयोजन के नाम पर ही यह सब किया जा रहा है। मूल यह भी है कि धार्मिक नगरी की अपनी भी मूलभूत जरूरतें बन पडी थी और उन्हें लंबें समय से दरकिनार किया जा रहा था। अगली बार अगली बार का फेर बना हुआ था। पेयजल के मामले में दशकों पूर्व की व्यवस्था पर ही हम निर्भर हैं और उसी से काम चल रहा है। कुल जमा कई सारे मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के काम में दशकों पूर्व की व्यवस्था ही चल रही है। खासकर हमने सुरक्षात्मक साधनों को भी इसी मायने में रख लिया था लेकिन कदापि इसे ठीक नहीं कहा जा सकता है। शहर की योजनाकारों ने समयबद्ध रूप से ऐसे कई मामलों को नजरअंदाज भी किया है जिसका खामियाजा वक्त आने पर शहर के आमजन ने भूगता भी है। युवा तुर्क अफसर का सुरक्षात्मक स्थितियों को मजबूती देने एवं शहर की संरचना के मान से इसकी तैयारी को लेकर चिंतन बहुत ही वाजिब और समय की मांग कहा जाएगा। खुसूर-फुसूर है कि अब शहर की संस्था को धार्मिक नगरी के नाते अपनी सुरक्षात्मक तैयारी करना चाहिए। इसमें आधुनिकता का समावेश किया जाना चाहिए। उसमें सवारी एवं अग्निशमन, बाढ़ सहित कई मौकों पर आधुनिक तकनीक के उपयोग से इंतजामों में सहुलियतें ली जा सकती है। इसमें मानव संसाधन का उपयोग भी कम होगा और तकनीक से समस्याओं का निदान किया जा सकेगा। शहर की संस्था को आधुनिक तकनीक के संसाधनों के लिए अब तैयार होना चाहिए और अपने अमले को इन संसाधनों से लैस किया जाना ही समय की मांग हैं।

न्यूज कॉलम

पीपीए की पाक्षिक बैठक में पेंशनर्स की समस्याओं पर हुई चर्चा

उज्जैन। प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन जिला उज्जैन की पाक्षिक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अशोक दुबे ने की। मुख्य अतिथि के रूप में रामसिंह मंडलोई तथा विशेष अतिथियों के रूप में सुमेर सिंह ठाकुर, श्रीमती संध्या दीक्षित, सजन व्यास एवं बिहारीलाल यादव का स्वागत किया गया। बैठक का संचालन संजय सोनी ने किया। बैठक में पेंशनर्स एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। संगठन द्वारा पेंशनर्स की 13 सूत्रीय मांगों से संबंधित ज्ञापन प्रदेश के सभी सांसदों एवं विधायकों को सौंपने का निर्णय लिया गया, ताकि लंबित समस्याओं का शीघ्र समाधान हो सके। पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री की "एक पौधा माँ के नाम" योजना के अंतर्गत पौधारोपण किया गया। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता अभियान के आह्वान के अनुरूप संगठन के सदस्यों ने स्वच्छता अभियान में भी सहभागिता निभाई।मीडिया प्रभारी डॉ. स्वामीनाथ पाण्डेय ने बताया कि बैठक में 100 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया।

महाकाल मंदिर में सामान्य दर्शनार्थियों को दो द्वारों से दिया जाएगा प्रवेश

उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में श्रावण मास की तैयारी शुरु हो गई है। मंदिर प्रशासन ने भक्तों की सुविधा के लिए पहले से ही पर्याप्त इंतजाम कर लिए हैं। इस बार सामान्य दर्शनार्थियों को द्वारों से प्रवेश दिया जाएगा। मंदिर प्रशासन ने श्री महाकाल महालोक के अलावा हरसिद्धि चौराहा से नया एंट्री गेट तैयार कर लिया है।

ट्रेंडिंग

The new safety-gear for romantic excursions...

सिंहस्थ-2016 की सेवा वाले अधिकारियों ने अनुभव साझा कर सुझाव दिए

आगामी सिंहस्थ के लिए सभी समितियों का गठन होना है: मुख्यमंत्री

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

शनिवार को उज्जैन में 'सिंहस्थ-2016 के अनुभव, 2028 का संकल्प' विषय पर हुई एक वृहद प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन निजी होटल में किया गया। इस दौरान सिंहस्थ 2028 के आयोजन को और बेहतर बनाने के लिए सिंहस्थ 2016 में संभागायुक्त रहे डॉ. रविंद्र पस्तोर, कलेक्टर रहे कविंद्र कियावत, पुलिस अधीक्षक रहे मनोहर सिंह वर्मा तथा सभी विभागों के अधिकारी जिन्होंने सिंहस्थ 2016 और उसके पूर्व के सिंहस्थ में अपनी सेवाएं दी, उन्होंने अपने सुझाव दिए। सुझावों के आधार पर आगामी कार्ययोजना को मूर्त रूप दिया जाएगा।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने अपेक्षा व्यक्त की कि इस कार्यशाला के जरिए पिछले सिंहस्थ आयोजनों में उज्जैन में सेवाएं दे चुके सभी अनुभवी अधिकारियों और नागरिकों से जो भी सुझाव मिलेंगे, हम उन पर बेहतर अमल कर सिंहस्थः 2028 का सफल आयोजन सुनिश्चित करेंगे। कार्यशाला का संचालन प्रज्ञा गीते ने किया। आभार प्रदर्शन एडीजी राकेश गुप्ता ने किया।

- **सभी समितियों का गठन होना है-** मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 1980 के सिंहस्थ में उन्होंने स्वयं भी स्काउट एंड गाइड वॉलेंटियर के रूप में श्रद्धालुओं की सेवा की थी। वर्ष 1992 में सिंहस्थ समिति की बैठकों में शामिल होने का अवसर भी मिला। सिंहस्थ समितियों में हर वर्ग के अनुभवी लोगों को शामिल कर उनके सुझाव लिए जाते हैं। आगामी सिंहस्थ के लिए सभी समितियों का गठन होना है। उन्होंने कहा कि यह हम सभी का सिंहस्थ है।
- **अधोसंरचना के कई काम हुए-** मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले के सिंहस्थ में साधु-संतों और श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था कराने की चुनौती थी। वर्ष 2022 के बाद उज्जैन शहर में होटल निर्माण, सड़क चौड़ीकरण और अधोसंरचना विकास के अनेक कार्य शुरू हुए। श्रद्धालुओं के सुविधाजनक आवागमन के लिए अब कोई सड़क ऐसी नहीं बच रही है, जिसे चौड़ा न किया गया हो। शिप्रा नदी पर घाटों का निर्माण कार्य जारी है। सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी जल परियोजना शिप्रा में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करेगी। राज्य सरकार ने देवस्थानों पर सुविधाएं विकसित करने का काम कर रही है। शिप्रा में पक्के घाटों के निर्माण से मिट्टी का कटाव थमेगा, साथ ही नदी की धारा अविरल और एक जैसी बनी रहेगी।

संभागायुक्त ने पीपीपी से दी जानकारी- संभागायुक्त एवं मेला अधिकारी आशीष सिंह ने कार्यशाला में स्वागत भाषण देते हुए सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के संबंध में पावर पाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सिंहस्थ महापर्व 2028 के अंतर्गत लगभग 40 करोड़ श्रदालुओं के आने की संभावना है। बाहर से आने वाले वाहनों के लिए 03 हजार हेक्टेयर में नये पार्किंग क्षेत्र विकसित किए जा रहे हैं जिनमें कुल 30 पार्किंग सेक्टर बनाये जाएगें। सिंहस्थ मेला क्षेत्र 3054 हेक्टेयर में लगाया जाएगा। इसमें 07 झोन और 19 सेक्टर बनाये जाएंगे। इसका लेआउट जीआईएस पर तैयार किया जा रहा है।

लघु फिल्म का प्रदर्शन- कार्यशाला मे सिंहस्थ 2028 को ध्यान में रखते हुए अधोसंरचना विकास के कार्यों पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यशाला में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों और झोनल अधिकारी व सेक्टर अधिकारियों द्वारा पूर्व के सिंहस्थ आयोजन के अपने अनुभव भी साझा किए गए और आगामी सिंहस्थ महापर्व 2028 को और बेहतर बनाने के लिए अपने सुझाव भी दिए गए।

अब बेहतर रोड कनेक्टिविटी- मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन आने-जाने के लिए आसपास के सभी शहरों तक बेहतर रोड कनेक्टिविटी विकसित की जा रही है। पड़ोसी राज्यों से भी चर्चा कर श्रद्धालुओं के लिए सुगम आवागमन के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए जाएंगे। दूसरी ओर रेलवे लाइन के विकास कार्य भी आवागमन के लिए महत्वपूर्ण हैं। अब फतेहाबाद का ट्रैक चालू हो गया है और नागदा जाने के लिए रेलगाड़ियों को अब उज्जैन आने की आवश्यकता नहीं है।

तैयारियों को सिलसिलेवार बताया

मुख्यमंत्री ने कार्यशाला में सिंहस्थ 2028 को लेकर की जा रही तैयारियों की जानकारी दी।

- 778 करोड़ की लागत से शिप्रा के दोनों तटों पर 29 किमी से अधिक नवीन घाटों का निर्माण।
- 120 करोड़ रुपए राशि से मौजूदा 7.8 किमी के स्थायी घाटों का उन्नयन।
- उज्जैन की चारों दिशाओं में 6 लेन 4 लेन सड़कों का जाल बिछाया जा रहा।
- करीब 1692 करोड़ रुपए की लागत से उज्जैन-इंदौर 6 लेन रोड तो लगभग पूर्ण हुआ।
- आंतरिक मार्गों पर यातायात अवरुद्ध ना हो इसके लिए 853.46 करोड़ रुपए राशि से 22 नवीन पुलों का निर्माण। वर्तमान पुलों का चौड़ीकरण।
- 17 पुल नदी पर और 5 रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण प्रगतिरत है।
- केंद्रीय डिजिटल कमांड सेंटर का विकास 139 करोड़ रुपए राशि से।
- सुरक्षित सिंहस्थ के लिए एकीकृत आपदा प्रबन्धन, मानव संसाधन प्रशिक्षण और अग्नि सुरक्षा प्रबंधन।
- 5,017 करोड़ रुपए से उज्जैन-जावरा मार्ग।
- 2,935 करोड़ रुपए की लागत से उज्जैन-इंदौर ग्रीनफील्ड मार्ग।
- 2,523 करोड़ रुपए की लागत से उज्जैन-झालावाड़ 2 लेन से फोरलेन।
- 351 करोड़ रुपए से उज्जैन-मक्सी 2 लेन से फोरलेन।
- 2,660 करोड़ रुपए से उज्जैन-गरोठ मार्ग।
- 7.02 करोड़ रुपए से सिंहस्थ बाईपास निर्माण।
- सिंहस्थ में सुगम और निर्बाध रेल कनेक्टिविटी, 236 स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।
- 7 रेलवे स्टेशन उज्जैन, नई खेड़ी, चिंतामन, पंवासा, मोहनपुरा, पिंगलेश्वर और विक्रम नगर का उन्नयन एवं आधुनिकीकरण।
- उज्जैन-देवास रोड पर करीब 457 एकड़ भूमि पर नवीन हवाई अड्डे का निर्माण किया जा रहा है।
- करीब 13.45 करोड़ रुपए से सदावल में 4 आधुनिक हेलीपैड का निर्माण किया जा रहा है।

पेट्रोल पंपों पर इलेक्ट्रिक वाहनों में हवा भरने को लेकर मना कर रहे कर्मचारी

ईवी वाहनों के टैक्स में छूट, हवा भरने में लूट

पंप संचालकों का वाहन मालिकों से कहना आप हमारे ग्राहक नहीं

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

केंद्र सरकार के इलेकिट्रक वाहनों के पंजीयन में दी जा रही छूट धरातल पर झोंके खा रही है। पेट्रोल पंपों पर इलेक्ट्रिक वाहनों में हवा भरने में सीधे तौर पर वसूली की जा रही है,जबकि यहां वाहनों में हवा फ्री भरने का प्रावधान है। इसे लेकर पेट्रोल पंप संचालकों एवं प्रबंधकों का इलेक्ट्रिक वाहन संचालकों को साफ कहना है कि आप हमारे ग्राहक नहीं है।

केंद्र के साथ ही राज्य सरकार भी इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने में लगी है। हालिया युद्ध के दौर में राज्य सरकार ने अपने बेड़े में इलेक्ट्रिक वाहनों को जगह देना शुरू कर दिया है। इन वाहनों के लिए चार्जिंग पॉइंट भी शहरों में बनाए जा रहे हैं। इसके साथ ही तमाम सुविधाएं इलेक्ट्रिक वाहन संचालकों एवं मालिकों को दी जाने लगी है। इसके विपरीत पेट्रोल पंपों पर इलेक्ट्रिक वाहन संचालकों एवं मालिकों के साथ दूसरे तरह का व्यवहार किया जा रहा है।

अधिकांश पेट्रोल पंपों पर आपत्ति

इधर इलेक्ट्रिक वाहनों के संचालनकर्ता एवं मालिकों का कहना है कि इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए शहर ही नहीं हाईवे के पेट्रोल पंपों पर हवा भरने को लेकर आपत्ति ली जाती है या फिर पैसों की मांग की जाती है। अगर चौपहिया वाहन से हाईवे के पेट्रोल पंप पर रूकने के दौरान पानी एवं शौचालय की सुविधा का उपयोग किया जाए तो वहां पर भी आपत्ति की जाती है। शहर के भी कई पेट्रोल पंपों पर यही हाल सामने आ रहे हैं। इलेक्ट्रिक वाहन संचालनकर्ता से भेदभाव का व्यवहार किया जाता है। उन्हें दोयम दर्जे पर रखा जाता है। सालों तक फ्यूल का वाहन संचालन के दौरान जब इन्हीं पंपों से पेट्रोल/डीजल लिया गया तो ऐसे में उपभोक्ता फ्री हवा सुविधा लेने का अधिकार रखता है।

न हवा न पानी न अन्य सुविधा

इलेक्ट्रिक वाहन संचालकों एवं मालिकों को पेट्रोल पंपों पर जाने और हवा के लिए आग्रह करने पर कर्मचारी ही सीधे तौर पर मना कर रहे हैं। अगर ऐसे वाहनों के संचालक एवं मालिक इसे लेकर पंप संचालक एवं प्रबंधक से आग्रह कर रहे हैं तो वे भी इसके लिए साफ तौर पर मनाही करते हुए कह रहे हैं कि आप हमारे ग्राहक नहीं हैं। वाहन के पहिए में हवा तो ठीक न तो वहां पानी और शौचालय सुविधा के उपयोग को लेकर भी हाईवे के पेट्रोल पंपों पर आपत्ति ली जा रही है।

कोई साफ निर्देश नहीं

इधर पेट्रोल पंप संचालकों से चर्चा करने पर उनका कहना है कि पेट्रोल एवं डीजल उपभोक्ताओं के लिए कंपनियों की तरफ से मूलभूत सुविधाएं देने के लिए निर्देश हैं न कि इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए। इसके लिए अलग से न तो कंपनी स्तर पर और न ही जिला प्रशासन के कलेक्टर खाद्य शाखा से अलग से कोई निर्देश नहीं मिले हैं। ऐसे में पेट्रोल पंप संचालक एवं कर्मचारी इलेक्ट्रिक वाहनों में हवा भरने के लिए बाध्य नहीं हैं। ऐसे ग्राहक चार्जिंग पॉइंट की सेवा लें। वहां पर भी हवा और मूलभूत सुविधाएं देने का प्रावधान लागू हैं।

उज्जैन आए पूर्व मुख्यमंत्री दिग्वजयसिंह बोले

ट्रस्टियों ने चोरी पकडकर देने वाले ईमानदार को ही हटा दिया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

उज्जैन प्रवास पर आए पूर्व मुख्यमंत्री दिग्वजयसिंह ने यहां सर्किट हाउस में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट में सभी ट्रस्टी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से जुडे हुए हैं। उन्होंने ही इसे बनवाया था ऐसे में पूरे मामले की जिम्मेदारी उनकी बनती है। उन्होंने नाम लेते हुए कहा कि ट्रस्टियों को चोरी की जानकारी देने वाले ईमानदार दीनानाथ को ही हटा दिया गया।

उन्होंने कहा कि मामले की शिकायत होने पर जब लोगों के घरों से पैसा नकदी वैसा वसूल हुआ, तब भी एफआईआर नहीं लिखी गई। जब एसआईटी की रिपोर्ट आ गई, तब जाकर गिरफ्तारी हुई। और गिरफ्तारी कैसे हुई? पुलिस ने रिमांड नहीं लिया। सीधा ज्यूडिशियली रिमांड भेज दिया। इसका मतलब यह है कि तुमको हमारे... हम तुमको परेशान नहीं करेंगे, बहुत आराम से आप जेल में जाइए। सरकार उनकी है, जेल उनकी है, आराम से बिताइए समय और हम आपको कैसे बचा सकते हैं उस पर चर्चा करेंगे। आज पूरा आरएसएस और वीएचपी इस काम में लगा हुआ है, कैसे इन लोगों का बचाव किया जाए। यह मेरा आरोप है, फिर आरोप है और इसके लिए प्रधानमंत्री और गृहमंत्री इसमें इनको बचाने में लगे हुए हैं, मोहन भागवत के कहने से। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री एवं उनके परिवार के भूमि मामले को लेकर उनका कहना था कि अभी तक जो अध्ययन हुआ है, वो इंडियन एक्सप्रेस के पत्रकार ने किया है जिसका उजागर हमारे अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कर दिया है। अब उसके आगे क्या होगा, मुझे थोड़ा जांच-पड़ताल अभी करनी पड़ेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को परामर्श देते हुए कहा कि मोहन यादव, आपने 12-12 विभाग, आपने विभाग रख रखे हैं। बहुत गलती कर रहे हो, फंस जाओगे। गलती करेगा अधिकारी, पैसा खाएगा अधिकारी और आप फंसोगे, तो मैं राय-मशविरा देने के लिए मोहन यादव को आया हूँ, ऐसा मत करो।

पर्याप्त नमी आने से किसानों ने खरीफ फसलों की बुआई तेज की

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

प्रदेश में दक्षिण-पश्चिम मानसून अब तेजी से सक्रिय हो रहा है। शुक्रवार को प्रदेश के 15 से अधिक जिलों में झमाझम बारिश हुई, जिससे गर्मी और उमस से लोगों को राहत मिली। कई शहरों में सड़कों पर पानी भर गया, जबकि खेतों में पर्याप्त नमी आने से किसानों ने खरीफ फसलों की बुआई तेज कर दी। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 48 घंटे में मानसून भोपाल और उज्जैन संभाग तक पहुंच सकता है। वहीं ग्वालियर-चंबल, सागर, रीवा और शहडोल संभाग में मानसून सबसे अंत में पहुंचेगा।

शुक्रवार को सिवनी में करीब दो इंच बारिश दर्ज की गई। उज्जैन में डेढ़ इंच से ज्यादा पानी गिरा, जबकि शाजापुर जिले के शुजालपुर, अकोदिया और आसपास के क्षेत्रों में दो घंटे तक तेज बारिश हुई। नर्मदापुरम और शाजापुर में भी करीब दो-दो इंच वर्षा रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा आगर-मालवा, मंदसौर, खंडवा और अन्य जिलों में भी अच्छी बारिश हुई। लगातार बारिश के कारण प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में दिन के तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई।

कैलाशवासी जगदीश नारंग की स्मृति में एक पौधा पिता के नाम कार्यक्रम

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

अर्ली मॉर्निंग वॉकिंग ऑगेर्नाइजेशन द्वारा समाजसेवी कैलाशवासी जगदीश नारंग की स्मृति में विक्रम विश्वविद्यालय क्षेत्र में भव्य हरियाली महोत्सव के अंतर्गत 101 आम, पीपल, नीम आदि पौधों का पौधारोपण किया गया। साथ ही ट्री गार्ड भी रक्षा हेतु लगाये गये। समारोह के मुख्य अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता मिश्रीलाल चौधरी थे। अध्यक्षता पाणिनि संस्कृत वैदिक विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉक्टर दिलीप सोनी ने की। एक पौधा पिता के नाम के अंतर्गत

संस्था के संरक्षक सुमित नारंग ने कहा कि श्रद्धा के सनातन भाव से पर्यावरण की रक्षा का संकल्प ही प्रकृति की हरीतिमा है। मुख्य अतिथि हाई कोर्ट एडवोकेट मिश्रीलाल चौधरी ने कहा कि लोक जीवन की शैली में नदी मन है, पहाड़ मित्र है, चिरैया सहेली है, धरती मां है तो अन्य देवता है और वन हमारी मुस्कुराहट के आधार है।हर व्यक्ति को अपने पिताश्री के नाम एक पौधा अवश्य लगाकर हरियाली की रक्षा करनी चाहिए। इस अवसर पर अर्ली मॉर्निंग वॉकिंग आगेर्नाइजेशन के प्रातः कालीन भ्रमण प्रेमी राजेश भदोरिया बंटी, योगेश जोशी, अनिल बारोड, दयाल वाधवानी, डॉ. संदीप तिवारी, महिपाल सिंह, मनोहर राव जाधव, कुमुद शर्मा, सत्य प्रकाश पाटीदार, सोनू हरभजनका, धर्मेंद्र लालवानी, रमेश चंद्र सिरवेया, जुझार सिंह, रामचंद्र मंडोर, कैलाश पांचाल, वीरेंद्र दभाड़े, राकेश तिवारी, सुभाष पाटीदार, राम सहाय ठाकुर ने किया।

रेलवे स्टेशन पर बैग स्कैनर मशीन का नहीं हो रहा उपयोग

बिना सामान चेक कराए ही अंदर प्रवेश कर रहे यात्री, सुरक्षा की अनदेखी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

उज्जैन के रेलवे स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था इन दिनों राम भरोसे ही बनी हुई है। रेलवे स्टेशन पर बैग स्कैनर मशीन तो है लेकिन उसका उपयोग नहीं हो रहा है इस कारण बिना सामान चेक कराए ही यात्री अंदर एंट्री कर रहे हैं। कई महीने से यह स्थिति बनी हुई है। ऐसे में प्लेटफार्म पर प्रवेश करने वाले संदिग्ध व्यक्ति और वस्तुओं की पहचान नहीं हो पा रही है। महाकाल लोक बनने के बाद बाहर से आने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। लेकिन उसके बाद भी सुरक्षा की दृष्टि से लगेज स्कैनर मशीन का उपयोग नहीं हो पा रहा है।

उज्जैन रेलवे स्टेशन की सुरक्षा के तहत मुख्य भवन के प्रवेश द्वार पर लगेज

स्कैनर मशीन लगाई गई थी। रेलवे स्टेशन पर इस आधुनिक मशीन का उपयोग काफी कारगर रहा। लेकिन पिछले कई महीने से इस मशीन का उपयोग नहीं हो रहा है।इस कारण बिना सामान चेक कराए ही यात्री अंदर एंट्री कर रहे हैं।

संवेदनशील स्थान होने से उज्जैन रेलवे स्टेशन की सुरक्षा बढ़ाई गई थी। लेकिन यहां किए गए सुरक्षा के प्रबंध का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। आलम यह है कि रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म एक पर लगेज स्कैनर मशीन सिर्फ शोपीस बनकर रह गई है।साथ ही यात्री इस मशीन का बैठने में इस्तेमाल कर रहे हैं। महाकाल लोक बनने के बाद बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ गई है। रेलवे स्टेशन के मुख्य द्वार पर लगाई गई लगेज स्कैनिंग मशीन काफी दिनों से शोपीस बनकर रखी हुई है।

रेलवे स्टेशन की सुरक्षा भगवान भरोसे

महाकाल मंदिर दर्शन के लिए बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे स्टेशन की भी सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद करने के लिए प्लेटफार्म पर प्रवेश से पहले लगेज स्कैनर मशीन को लगाया गया था। शुरू के दिनों में सुरक्षा कड़ी होने की वजह से स्टेशन परिसर में हाइटेक व्यवस्था रही और स्कैनर मशीन का बेहतर प्रयोग भी किया गया। कुछ समय तक इस मशीन का उपयोग हुआ लेकिन इसके बाद इस मशीन का उपयोग बंद कर दिया गया। इस कारण यात्री बिना सामान चेक कराए ही रेलवे स्टेशन के अंदर एंट्री कर रहे हैं इस कारण यहां की सुरक्षा व्यवस्था भगवान भरोसे है। पिछले दिनों सोमवती अमावस्या पर बाहर से आने वाले लोगों की इतनी भीड़ देखी गई थी कि उज्जैन रेलवे स्टेशन पर पैर रखने की भी जगह नहीं थी। ट्रेन में जगह नहीं मिल रही थी। लेकिन ऐसे में रेलवे स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था भगवान भरोसे थी उस दौरान भी लगेज स्कैनर मशीन का उपयोग नहीं किया गया था।

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

इंदौर | उज्जैन | रविवार 28 जून, 2026 | www.awantika.com

न्यूज ब्रीफ

हाउसिंग बोर्ड ने लगाया समस्या समाधान शिविर

इंदौर। मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल, वृत्त इंदौर द्वारा गुरूवार को विभिन्न कॉलोनियों के निवासियों की समस्याओं के निराकरण के लिए समस्या समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मंडल के अध्यक्ष ओम जैन की उपस्थिति रही। वृत्त कार्यालय, प्रेस कॉम्प्लेक्स के सामने आयोजित इस शिविर में लगभग 300 हितग्राहियों की समस्याएं सुनी गईं। शिविर के दौरान नामांतरण, लीज नवीनीकरण, रजिस्ट्री, फ्रीहोल्ड, अनापत्ति प्रमाण-पत्र सहित विभिन्न विषयों से संबंधित शिकायतों एवं आवेदनों पर सुनवाई की गई। प्राप्त 105 आवेदनों का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया गया तथा 5 हितग्राहियों को नामांतरण एवं फ्रीहोल्ड प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए।

कैशलेस स्वास्थ्य योजना में शामिल होने का दिया एक और अवसर

इंदौर। मध्य प्रदेश शासन के उपक्रम मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) द्वारा संचालित अंशदायी कैशलेस स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत अब तक शामिल होने से वंचित रह गए कार्मिकों, पेंशनरों एवं परिवार पेंशनरों को योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु एक और अवसर प्रदान किया गया है। एमपी ट्रांसको के मुख्य अभियंता मानव संसाधन एवं प्रशासन धीरेंद्र सिंह ने बताया कि पात्र कार्मिकों, पेंशनरों एवं परिवार पेंशनरों से 25 जून 2026 से 20 जुलाई 2026 तक पुनः आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से स्वीकार किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जो पात्र हितग्राही वर्तमान में योजना का लाभ नहीं ले रहे हैं और अब इसमें शामिल होना चाहते हैं, उन्हें योजना के प्रारंभ होने की तिथि से अब तक देय सभी अंशदान किस्तों का भुगतान एकमुश्त करना होगा।

700 रुपए में खरीदी फ्रेंच बुक पड़ी-पड़ी हुई रद्दी

इंदौर। पहले से ही महंगी कॉपियों-किताबों के बोझ तले दबे सीबीएसई स्कूलों के अभिभावकों को एक और झटका लगा है। नया सत्र शुरू होने के बाद बोर्ड ने ₹ थर्ड लैंग्वेज पॉलिसी' अनिवार्य रूप से इसी सत्र से लागू कर दी है। इस नए नियम ने स्कूलों से 'फ्रेंच' को इस कदर बाहर किया कि पैरेंट्स द्वारा 400 से 700 रुपए में खरीदी गई महंगी किताब रद्दी हो गई। दरअसल, नए फॉर्मूले में अंग्रेजी को ₹विदेशी भाषा' माना गया है, जिससे अब छात्रों के लिए फ्रेंच की जगह ₹संस्कृत' पढ़ना अनिवार्य हो गया है। विडंबना यह है कि बुक डिपो वालों ने भी इन किताबों को वापस लेने से साफ मना कर दिया है, क्योंकि पब्लिशर्स को माल वापसी की डेडलाइन निकल चुकी है। नतीजा यह कि अब अभिभावकों की जेब पर जबरन दोबारा संस्कृत की महंगी किताबें खरीदने की दोहरी मार पड़ रही है।

आईटीआई में प्रवेश लेकर संवारा जा सकता है भविष्य

इंदौर। तकनीकी शिक्षा और रोजगारपरक कौशल के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर सामने आया है। शासकीय संभागीय आईटीआई, नंदानगर, इंदौर में सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न ट्रेडों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन और चॉइस फिलिंग की प्रक्रिया जारी है। इच्छुक अभ्यर्थी 30 जून 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। प्राचार्या ने बताया कि 8वीं, 10वीं और 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी आईटीआई में प्रवेश लेकर तकनीकी दक्षता हासिल कर सकते हैं। आईटीआई का प्रशिक्षण युवाओं को न केवल रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराता है, बल्कि उन्हें उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप कुशल बनाता है। आईटीआई में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद युवाओं को प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार मिलने की संभावना बढ़ जाती है। साथ ही अप्रेंटिसशिप के माध्यम से उद्योगों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर वे अपने कौशल को और अधिक निखार सकते हैं। इसके अलावा स्वरोजगार के जरिए अपना व्यवसाय शुरू कर आत्मनिर्भर बनने का रास्ता भी खुलता है। प्राचार्या ने यह भी बताया कि आईटीआई प्रशिक्षण अग्निवीर भर्ती सहित विभिन्न प्रतियोगी अवसरों में भी युवाओं के लिए उपयोगी साबित होता है।

इंदौर के आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा जप्त

इंदौर। कलेक्टर शिवम वर्मा के निदेशानुसार एवं सहायक आबकारी आयुक्त अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरूद्ध लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। इस क्रम में कंट्रोलर श्री देवेश चतुवेर्दी एवं डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल के नेतृत्व एवं एडीईओ जहांगीर खान तथा वृत्त- बालदा कॉलोनी उप-निरीक्षक प्रियंका रानी चौरसिया एवं टीम के गत दिवस दशहरा मैदान रोड से दो पहिया वाहन क्रमांक-MP09-UD-6294 एक्टिवा स्कूटर गाड़ी को रुकवा कर तलाशी लेने पर 12 बोतल बैक वेंचर की विदेशी मदिरा व्हिस्की (कुल 9 बल्क लीटर) बरामद किया गया, जो अवैध रूप से परिवहन कर ले जाई जा रही थी। आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा को जप्त किया गया।

मध्यप्रदेश के पेंशनर्स ने मुख्यमंत्री से मांगों पर शीघ्र निर्णय की मांग की

उज्जैन। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर राज्य के करीब 5 लाख पेंशनर्स की लंबित मांगों का शीघ्र निराकरण करने की मांग उठाई है।संगठन ने कहा कि समस्याओं का समाधान न होने से पेंशनर्स और उनके परिवारों में निराशा और असंतोष बढ़ रहा है। केंद्र की देय तिथि से न तो महंगाई राहत मिल रही है और न ही स्वास्थ्य संबंधी लाभ, जिससे पेंशनर्स को अभावग्रस्त जीवन जीना पड़ रहा है।ज्ञापन में धारा 49(6) को तत्काल समाप्त करने की मांग करते हुए संगठन ने राज्य सरकार की घोषित केशलैस बीमा योजना में प्रीमियम व्यवस्था पर भी आपत्ति जताई। कर्मचारियों से 1 प्रतिशत और पेंशनर्स से 4 प्रतिशत प्रीमियम लेने की बात है, जिसे असमान और अन्यायपूर्ण बताया गया है।

गैस पाइपलाइन हादसा जिम्मेदारी किसकी ?

अधिकारी और पार्षद के दावों के बीच दो दिन में सामने आएगा सच

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

शहर के चर्चित गैस पाइपलाइन हादसे के बाद अब पूरे मामले में जिम्मेदारी तय करने को लेकर जांच निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। नगर निगम की जांच समिति अगले दो दिनों में अपनी रिपोर्ट निगम प्रशासन को सौंपेगी। इस बीच नगर निगम के अपर आयुक्त एवं जांच समिति के प्रमुख आशीष पाठक और क्षेत्रीय पार्षद बालमुकुंद सोनी के बयानों से मामले में अलग-अलग पक्ष सामने आए हैं।

वहीं हादसे में गंभीर रूप से झुलसी कंटेंट क्रिएटर राजकुमारी उर्फ जिनी झाला ने बेहतर इलाज के लिए अहमदाबाद रवाना होने से पहले दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

अपर आयुक्त बोले- सूची में नहीं था स्थान, रिपोर्ट में तय होगी जिम्मेदारी

नगर निगम के अपर आयुक्त एवं जांच समिति के प्रमुख आशीष पाठक ने बताया कि घटना स्थल पर बोरिंग नहीं बल्कि वाटर रिचार्जिंग का कार्य किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि जिस स्थान पर यह कार्य हुआ, वह नगर निगम की निर्धारित सूची में शामिल नहीं था। अब जांच का मुख्य विषय यही है कि उस स्थान का चयन किसने किया और किस स्तर पर वहां कार्य कराने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि घटना दुर्भाग्यपूर्ण है तथा जांच समिति अगले दो दिनों में अपनी रिपोर्ट सौंप देगी। रिपोर्ट में स्पष्ट होगा कि गलती किसकी थी और वास्तविक जिम्मेदार कौन है।

पार्षद सोनी का दावा- सब इंजीनियर ने दी थी जानकारी

क्षेत्रीय पार्षद बालमुकुंद सोनी ने कहा कि घटना से एक दिन पहले संबंधित सब इंजीनियर ने उन्हें फोन कर बताया था कि उक्त स्थान पर वाटर रिचार्जिंग का कार्य होना है। उनके अनुसार, वहां पहले से मौजूद दो बोरवेल के बेहतर रिचार्ज के उद्देश्य से इस स्थान का चयन किया गया था। उन्होंने कहा कि जिस ठेकेदार ने यह कार्य किया, उससे उनकी कभी मुलाकात नहीं हुई और न ही वे उसे पहचानते हैं। केवल ठेकेदार का फोन आया था कि उसे यह कार्य मिला है और वह निर्धारित स्थान पर काम कर रहा है। पार्षद ने बताया कि घटना वाले दिन उनके यहां सुंदरकांड पाठ का आयोजन था, जिसकी जानकारी उन्होंने पहले ही सब इंजीनियर को दे दी थी कि संभवत वह इस रिचार्जिंग के काम में उपस्थित नहीं हो पाएंगे।

उनका कहना है कि यह नगर निगम का कार्य था और जल संरक्षण की दृष्टि से वाटर रिचार्जिंग कराया जा रहा था।

अहमदाबाद रवाना होने से पहले पीड़िता ने उठाए सवाल

हादसे में गंभीर रूप से झुलसी कंटेंट क्रिएटर राजकुमारी उर्फ जिनी झाला को शुक्रवार को हाईकोर्ट के निर्देश पर एयर एम्बुलेंस से अहमदाबाद के जाइडस अस्पताल भेजा गया। रवाना होने से पहले उन्होंने मीडिया से कहा कि केवल ठेकेदार और वाहन चालक पर कार्रवाई पर्याप्त नहीं है, बल्कि जिन अधिकारियों और जिम्मेदार लोगों की लापरवाही से यह हादसा हुआ, उनकी जिम्मेदारी भी तय कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

अब रिपोर्ट पर टिकी हैं शहरवासियों की निगाहें

गैस पाइपलाइन हादसे में एक आम नागरिक गंभीर रूप से घायल हुई है। ऐसे में शहरवासियों का सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि जांच में किसी अधिकारी, कर्मचारी, ठेकेदार या अन्य संबंधित पक्ष की लापरवाही सामने आती है, तो क्या उनके खिलाफ निष्पक्ष और ठोस कार्रवाई होगी? अब पूरे मामले की सच्चाई नगर निगम की जांच रिपोर्ट से सामने आने की उम्मीद है, जिसका इंतजार प्रशासन के साथ-साथ आम जनता भी कर रही है।

उज्जैन में हर माह पकड़े जा रहे नशा बेचने वाले.. पुलिस कर रही कार्रवाई

3 सालों में 200 पर कार्रवाई, अधिकांश राजस्थान के

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

शहर में ड्रग्स का कारोबार तेजी से फलफुल रहा है। इसका प्रमाण है। पिछले तीन साल के पुलिस के आंकडे। पुलिस ने तीन सालों में 200 से अधिक तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह सिलसिला हर साल बढ़ता जा रहा है।ड्रग्स का कारोबार शहर में किस तरह प्रथम 5 माह में पुलिस ने शहर में ड्रग्स के साथ 70 लोगों को पकड़ा है।

जिसमें कुछ ऐसे है जो खुद नशे के लिए ड्रग्स लाते है तो बाकी के पैडलर है। पिछले कुछ सालो से शहर के लगभग हर थाना क्षेत्र में ड्रग्स का कारोबार चल रहा है। शहर में ऐसा कोई नशा नहीं है जो नहीं आ रहा है। एमडी ड्रग्स, ब्राउन शुगर, चरस, अफीम, कोकीन, गांजा और सभी प्रकार की सिंथेटिक ड्रग्स शहर में इस साल पकड़ी जा चुकी है। सब से अधिक कार्रवाई क्राइम जाँच ने की है। इसमें अधिकांश राजस्थान के है। पुलिस जहाँ नशे पर अंकुश लगाने के लिए जागरूकता अभियान चला रही है। वहीं तस्करों पर कार्रवाई भी कर रही है। पुलिस आधा दर्जन तस्करो की संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई की चुकी है जो आधा दर्जन से अधिक लोगों के खिलाफ पिट एनडीपीएस की कार्रवाई कर चुकी है। अलावा क्राइम ब्रांच अब तस्करों के डोजियर भी भरवा रही है जो एक से अधिक बार पकड़े जा चुके है और जमानत पर छुट चुके है लेकिन इसके बावजूद शहर में बड़ी मात्रा में नशा आ रहा है। इस साल उज्जैन में पुलिस ने अब तक करीब 80 लोगों को ड्रग्स के साथ पकड़ा है।

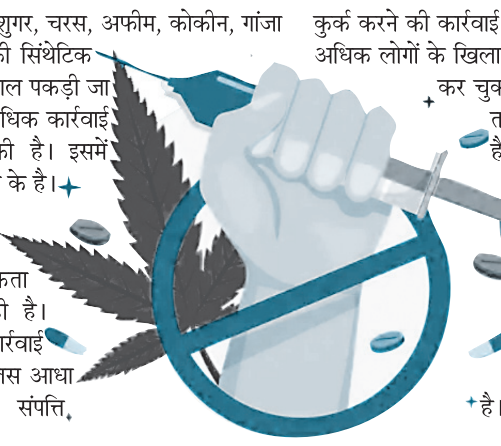

खजराना में खूनी विवाद, साउण्ड की बात को लेकर हुआ झगड़ा

युवक पर चाकू से वार करने वाला गिरफ्तार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

खजराना थाना क्षेत्र में चाकूबाजी की घटना सामने आई है। इस वारदात का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, आरोपी आरिफ बरकाती पूरी घटना को अंजाम देता हुआ दिखाई दे रहा है।

घटना को लेकर बताया जा रहा है कि आरोपी आरिफ बरकाती के घर के पड़ोस में रहने वाले युवक शहनवाज से पिछले कुछ दिनों से लगातार विवाद चल रहा था। घटना वाले दिन शहनवाज अपने घर में तेज आवाज में गाने सुन रहा था, जिस पर आरिफ बरकाती ने आपत्ति जताई। इसके बाद दोनों के बीच जमकर विवाद हुआ। विवाद बढ़ने पर आरिफ बरकाती ने शहनवाज पर चाकू से हमला कर दिया। घटना के सीसीटीवी फुटेज में आरोपी आरिफ बरकाती युवक शहनवाज पर एक-दो बार चाकू से वार करता हुआ दिखाई दे रहा है। लोगों ने बीच-बचाव करने का भी प्रयास किया, लेकिन आरोपी ने बेखौफ होकर पूरी वारदात को अंजाम दिया।

आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने आरोपी आरिफ बरकाती के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि आरोपी आरिफ बरकाती क्षेत्र में एक यूट्यूब चैनल से भी जुड़ा हुआ था, जिसके चलते खजराना थाने के कई पुलिसकर्मियों से उसकी नजदीकी थी। वहीं, पूर्व थाना प्रभारी के साथ उसकी एक तस्वीर भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। फिलहाल, घटना सामने आने के बाद पुलिस आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कर रही है।

बंबई बाजार क्षेत्र में आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

कलेक्टर शिवम वर्मा के निदेर्शानुसार एवं सहायक आबकारी आयुक्त अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरूद्ध लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। सी क्रम में कंट्रोलर देवेश चतुवेर्दी, डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल तथा सहायक जिला आबकारी अधिकारी धर्मेंद्र जोशी के नेतृत्व में अवैध मदिरा के विरुद्ध विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी अभियान के अंतर्गत बंबई बाजार वृत्त प्रभारी एवं आबकारी उप निरीक्षक मीरा सिंह ने अपनी टीम के साथ गत 24 जून 2026 को रात्रि गश्त के दौरान मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर तेज बारिश के बीच भोलेनाथ मंदिर के पास, लोहा मंडी मार्केट में पुल पर घेराबंदी कर कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान एक जुपिटर स्कूटर की तलाशी लेने पर आरोपी के पैरों के पास सफेद रंग की बोरी में 72 केन, पिट्ठू बैग और स्कूटर की डिक्की में 24-24 केन बियर , कुल 120 केन (500 एमएल प्रत्येक) और कुल लगभग 60 बल्क लीटर अवैध मदिरा बरामद की गई।

200 कार्यकर्ताओं को मिलेगा प्रशिक्षण

भाजपा नगर के बूथ कार्यकर्ताओं का होगा डिजिटल प्रशिक्षण

सफल प्रतिभागियों को मिलेगा डिजिटल प्रमाण-पत्र

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण वर्ग महाअभियान के तीसरे चरण के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी बूथ समितियों एवं प्राथमिक सदस्यों के लिए डिजिटल प्रशिक्षण वर्ग आयोजित करेगी। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती स्मरण कार्यक्रम के तहत यह प्रशिक्षण डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम के माध्यम से संचालित किया जाएगा। प्रत्येक बूथ पर लगभग 200 कार्यकताओं को इस अभियान से जोड़कर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इस संबंध में भाजपा कार्यालय पर नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, महामंत्री सुधीर कोल्हे, महेश कुकरेजा, कैलाश पीपले एवं हरप्रीत सिंह बक्षी की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई।

नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने बताया कि प्रशिक्षण पूरी तरह डिजिटल माध्यम से होगा। कार्यकर्ता अपने मोबाइल फोन पर सरल एवं संगठन ऐप के डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रशिक्षण में शामिल होंगे। यह प्रशिक्षण अभियान 23 जून से 6 जुलाई तक चलेगा।

उन्होंने बताया कि डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म पर चार विषयों पर विशेषज्ञ वक्ताओं के वीडियो उपलब्ध रहेंगे, जिनके माध्यम से कार्यकर्ता प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। प्रशिक्षण के दौरान ऑनलाइन टेस्ट एवं प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की जाएगी।

आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश

भाजपा नगर संगठन द्वारा बूथ स्तर पर इस डिजिटल प्रशिक्षण अभियान को व्यापक रूप से सफल बनाने के लिए सभी मंडलों एवं बूथ समितियों को आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। इस अभियान के सफल संचालन के लिए भाजपा नगर की ओर से विशेष टोली का गठन किया गया है। इसमें सुधीर कोल्हे को नगर संयोजक तथा भारत पारख एवं विक्की मित्तल को सदस्य बनाया गया है।

फर्जी डेथ सर्टिफिकेट से जमीन बेचने का खेल

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में धोखाधड़ी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां रहने वाली बुजुर्ग द्रोपदी बाई ने पुलिस के समक्ष उपस्थित होकर शिकायत दर्ज कराई कि राजेंद्र नगर क्षेत्र में उनकी करोड़ों रुपये की जमीन है, लेकिन कुछ रिश्तेदारों ने उन्हें कागजों में मृत घोषित कर फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाकर उनकी जमीन अपने नाम कराने और उसे दूसरे लोगों को बेचने का प्रयास किया। बुजुर्ग महिला को जब इस पूरे फर्जीवाड़े की जानकारी मिली तो उन्होंने तत्काल पुलिस से शिकायत की। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने विभिन्न स्तरों पर जांच-पड़ताल की। जांच में प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए जाने पर पुलिस ने द्रोपदी बाई की शिकायत के आधार पर 13 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया।

ईवी में नवाचार के लिए इंदौर में जुटे देशभर के दिग्गज

कॉन्क्लेव में देश भर के 200 से अधिक निवेशकों, स्टार्टअप्स और विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर में शुक्रवार को आयोजित एक भव्य कॉन्क्लेव ने इलेक्ट्रिक व्हीकल, स्वच्छ ऊर्जा और सस्टेनेबल डेवलपमेंट के क्षेत्र में नए निवेश और विकास की संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं। शेराटन ग्रैंड पैलेस में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में देशभर से आए निवेशकों, स्टार्टअप संस्थापकों, उद्योग विशेषज्ञों, कॉरपोरेट प्रतिनिधियों और नीति निर्माताओं ने हिस्सा लिया। सभी हितधारकों ने मिलकर भविष्य के लिए एक टिकाऊ और हरित विकास मॉडल तैयार करने की दिशा में गहन विचार-विमर्श किया। ह्युन्स ऑफ ईवी द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित कॉन्क्लेव में 200 से अधिक वरिष्ठ अधिकारी, निवेशक और उद्योग जगत से जुड़े प्रमुख प्रतिनिधि शामिल हुए। इस पूरे आयोजन में इंदौर नगर निगम ने सिटी होस्ट पार्टनर के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भविष्य की चुनौतियों और तकनीकी समाधानों पर चर्चा

कॉन्क्लेव के विभिन्न सत्रों में ईवी इकोसिस्टम, बैटरी एवं ऊर्जा प्रबंधन, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स टेक्नोलॉजी, क्लाइमेट टेक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सर्कुलर इकोनॉमी जैसे अत्याधुनिक विषयों पर विशेषज्ञों ने विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में उपस्थित उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और वैश्विक निवेशकों ने इन उभरते हुए क्षेत्रों में आने वाली भविष्य की चुनौतियों और निवेश की असीम संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए।

लवकुश चौराहे पर बन रहे प्रदेश के पहले डबल डेकर ब्रिज का निर्माण अंतिम चरण में

अगस्त में एक भुजा ट्रैफिक के ट्रायल के लिए खुलेगी, 90 प्रतिशत काम पुरा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर के लवकुश चौराहे पर बन रहे प्रदेश के पहले डबल डेकर ब्रिज का काम 90 प्रतिशत पूरा हो चुका है। अगस्त माह में इसकी एक भुजा पर ट्रायल के तौर पर ट्रैफिक शुरू किया जाएगा। यह प्रदेश का पहला डबल डेकर ब्रिज है, जिसकी जमीन से अधिकतम ऊंचाई 70 फीट है।

यह ब्रिज मेट्रो ट्रैक और सुपर कॉरिडोर पर बने ब्रिज को पार करते हुए उज्जैन रोड की ओर उतरेगा। ब्रिज के मध्य हिस्से में दोनों ओर स्पैन रखे जा चुके हैं। इसके लिए विशेष तौर पर क्रेन और अन्य आधुनिक उपकरणों का सहारा लिया गया।

इस ब्रिज के नीचे से मेट्रो ट्रैक और सुपर कॉरिडोर की ओर जाने वाला ब्रिज गुजरता है। अगले माह उज्जैन से इंदौर की ओर आने वाली भुजा को ट्रैफिक ट्रायल के लिए कुछ दिनों के लिए खोला जा सकता है। इसके बाद ब्रिज का लोड टेस्ट किया जाएगा। डबल डेकर ब्रिज के बनने से हर दिन करीब एक लाख लोगों की राह आसान होगी। सिंहस्थ के समय भी यह ब्रिज ट्रैफिक व्यवस्था में मददगार साबित होगा।

इंदौर-उज्जैन रोड पर यह दूसरा ब्रिज है। पिछले सिंहस्थ से पहले बाणगंगा में चार लेन का ब्रिज बनाया गया था। इस ब्रिज की लंबाई जहां समाप्त होगी, वहीं से इंदौर-उज्जैन सिक्स लेन सड़क निर्माण का काम शुरू होगा। इस ब्रिज की अधिकतम ऊंचाई जमीन से 70 फीट है। अपनी ऊंचाई के कारण इसकी लंबाई भी शहर के अन्य ब्रिजों से अधिक है। यह ब्रिज करीब डेढ़ किलोमीटर लंबा है और इसके निर्माण पर 300 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं।

मेट्रो के 17 किमी हिस्से के संचालन और ब्रिज का लोकार्पण एक साथ हो सकता

ब्रिज की एक भुजा तैयार हो चुकी है, जबकि दूसरी भुजा पर डामरीकरण का कार्य किया जा रहा है। ब्रिज के नीचे सर्विस रोड का निर्माण भी जारी है। इसके अलावा ब्रिज के विद्युतीकरण और सौंदर्यीकरण का काम भी चल रहा है। जल्द ही यह कार्य पूरा हो जाएगा। ब्रिज का निर्माण 20 जुलाई तक पूरा होने की संभावना है। इसका निर्माण इंदौर विकास प्राधिकरण ने कराया है। प्राधिकरण इस ब्रिज का लोकार्पण करेगा। हालांकि, इसकी तिथि अभी तय नहीं हुई है। मेट्रो के 17 किलोमीटर हिस्से के संचालन और डबल डेकर ब्रिज के लोकार्पण की शुरूआत एक साथ हो सकती है।

यात्रियों को बेहतर सुविधा

यात्रियों को बेहतर सुविधा देने के लिए इस ब्रिज को ध्यान में रखकर निर्माण किया जा रहा है। बारिश का पानी ब्रिज पर न रूके इसके लिए दोनों तरफ की ढलानों के कुछ हिस्सों में डामर से मैस्टिक की जाएगी ताकी बारिश का पानी ब्रिज को खराब न करें और एकत्रित भी ना हो। इस ब्रिज के बनने से इंदौर का भंवरकुआं, खजराना, फूटीकोठी के बाद लवकुश चौराहा भी सिग्नल फ्री हो जाएगा, यानी शहर में यातायात सुगम रहेगा गाड़ियों की लंबी कतार से मुक्ति मिलेगी।

न्यूज कालम

ऑल इज वेल हॉस्पिटल का नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर, 58 मरीज लाभान्वित

बुरहानपुर। ऑल इज वेल हॉस्पिटल बुरहानपुर द्वारा गुरुवार २६ जून को भीकनगांव तहसील के ग्राम रोडिया में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। शिविर में 58 से अधिक मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में हॉस्पिटल के जनरल फिजिशियन अकरम खान ने मरीजों को उनकी बीमारियों से संबंधित परामर्श दिया। सभी मरीजों का जनरल चेकअप और ब्लड प्रेशर की निःशुल्क जांच की गई। डॉक्टरों ने मौसमी बीमारियों से बचाव के उपाय भी बताए और सुरक्षित रहने की सलाह दी। ऑल इज वेल हॉस्पिटल के संचालक कबीर चौकसे के दिशा निर्देशन में आयोजित इस शिविर में मंदिर अध्यक्ष गोविंद निंदावले और मोरवीनन्दन मेडिकल का सहयोग रहा।

विधिक जागरूकता शिविर न्यायालय परिसर सनावद मे आयोजित होगा

सनावद। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंडलेश्वर न्यायालय के आदेशानुसार एवं तहसील विधिक सेवा समिति न्यायालय सनावद के निर्देशानुसार नशा मुक्ति अंतर्गत विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया न्यायालय परिसर सनावद में इस अवसर पर न्यायधीश मो असलम दहलवी साहब एवं योगेश चालीसा साहब आकांक्षा गर्ग न्यायाधीश महोदय ने कहा कि आमजन को नशा न करने के संबंध में सलाह दी एवं कहा कि नशे से स्वयं का एवं अपने परिवार का नुकसान होता है एवं इंसान पूरी तरह से बर्बाद हो जाता है नशे से सेवन करने से इंसान अपराधिक प्रवत्ति में लिप्त हो जाता है नशे के कारण इंसान जुर्म भी कर देता है तो नशा नहीं करना चाहिए और स्वयं भी नशे से दूर रहे अपने परिचित लोगो को भी इससे दूर रखे कई बार नशे में इंसान अपनो को एवं लोगो को क्षति पहुंचा देता है जो जुर्म हे नशा नास कारण हे एजीपी गोपाल चौहान साहब ने कहा कि आजकल बच्चे नशे की गिरफ्त में आ रहे तरह तरह के नशे कर रहे है जिससे उनके शरीर को नुकसान हो रहा हे अपितु अपराध के ओर भी बढ़ रहे है बच्चों को समझाए दूसरों को भी प्रेरित करे अपने बच्चों को का ध्यान रखें शिविर में न्यायालय खंड पीठ सदस्य रविन्द्र अम्बिया मौजूद थे।

बेसहारा मृतक का विधि-विधान से किया अंतिम संस्कार

सेंधवा। शहर में मानव सेवा समिति ने एक बार फिर सेवा और मानवता की अनूठी मिसाल पेश की है। किले के अंदर मांगकर अपना गुजारा करने वाले एक बेसहारा व्यक्ति की दुखद मृत्यु के बाद, समिति के सदस्यों ने आगे बढ़कर पूरे विधि-विधान से उसका अंतिम संस्कार संपन्न कराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, किले के अंदर रहने वाले कुंवरसिंह पिता वेस्ता, उम्र 45 वर्ष की बीती रात अचानक मृत्यु हो गई थी। रात करीब 10 बजे सजग नागरिक शिवम जोशी ने इस दुखद घटना की सूचना मानव सेवा समिति सेंधवा के संचालक नीलेश जैन को दी। सूचना मिलते ही तत्काल प्रभाव से शहर थाना पुलिस और एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। शव को तुरंत सिविल अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित करते हुए बताया कि मृत्यु कुछ देर पहले ही हुई थी। मृत्यु के समय मृतक की नेत्रहीन पत्नी रेखा बाई बेसुध हालत में शव के पास बैठी हुई थी, जिसका कोई अन्य सहारा नहीं था। पुलिस प्रशासन द्वारा मृतक के भाई, जो पोरबंदर (गुजरात) में रहता है, से संपर्क किया गया, किंतु उसने सेंधवा आने में असमर्थता जताई। शनिवार दोपहर को सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों द्वारा शव का पोस्टमार्टम किया गया। इसके बाद दोपहर ३ बजे मानव सेवा समिति के संचालक नीलेश जैन के नेतृत्व में मृतक कुंवरसिंह का अंतिम संस्कार हिंदू रीति-रिवाज और पूरे विधि-विधान के साथ परिजनों की उपस्थिति में संपन्न कराया गया।

6 दिन से बिजली गुल, महिलाओं का एमपीईबी दफ्तर पर हंगामा

खंडवा। शहर के न्यू राजेंद्र नगर और महादेवी नगर क्षेत्र में पिछले छह दिनों से बिजली आपूर्ति बंद रहने से नाराज महिलाओं ने शुक्रवार को कहारवाड़ी (मछली बाजार) स्थित एमपीईबी कार्यालय का घेराव कर दिया। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने कार्यालय के दरवाजे पीटे और गुस्से में बिजली मीटर बोर्ड पर लगे कट-आउट निकाल दिए। वहीं, महिलाओं का आरोप है कि उन्हें देखकर अधिकारी और कर्मचारी कार्यालय का गेट बंद कर अंदर ही छिप गए। महादेवी नगर निवासियो ने बताया कि छह दिन पहले आए आंधी-तूफान के बाद उनके क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बंद हो गई थी। शुरूआत में लोगों को उम्मीद थी कि एक-दो दिन में समस्या दूर हो जाएगी, लेकिन शहर के अन्य इलाकों में बिजली बहाल होने के बावजूद उनके क्षेत्र में अब तक सप्लाई शुरू नहीं हुई। महिलाओं का कहना है कि लगातार अंधेरा रहने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रात में सांप और अन्य जीव-जंतु निकल रहे हैं। दो दिन पहले एक सांप भी घर के पास निकल आया था। बिजली नहीं होने से पानी की टंकियां नहीं भर पा रही हैं, जिससे पेयजल संकट भी गहरा गया है।

पुलिस ने नगर में फ्लैग मार्च निकाला

खंडवा/पंधाना। नगर में एसडीएम दिनेश सांवले के नेतृत्व और थाना प्रभारी दिलिप सिंह देवड़ा के मार्गदर्शन में नगर के प्रमुख मार्गों से पुलिस का फ्लेग मार्च निकालकर सभी ताजियों के स्थानो और रुक को चेक किया गया , साथ ही थाना प्रभारी दिलीप सिंह देवड़ा ने बताया की मोहर्रम त्योहार शांति से मनाने की अपिल करते हुए कहा की किसी ने भी शांति भंग और हुड़दंग करने की कोशिश की गई तो शख्त कार्यवाही होगी, इस अवसर पर एसडीएम दिनेश सांवले, तहसीलदार दिवाकर सुलिया, थाना प्रभारी दिलीप सिंह देवड़ा, सीएमओ मंशाराम बड़ोले, जेई विवेक राजभर , सहित पुलिस अधिकारी शामिल रहे, सभी को सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

अंतरराष्ट्रीय मादक द्रव्य निषेध दिवसः

रेलवे स्टेशन पर चला नशा मुक्ति जागरूकता अभियान

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ बुरहानपुर

अंतरराष्ट्रीय मादक द्रव्यों के दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी विरोधी दिवस पर गुरुवार २६ जून को बुरहानपुर रेलवे स्टेशन परिसर में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

यह कार्यक्रम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बुरहानपुर के अध्यक्ष एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विधि सक्सेना के निर्देश और सचिव न्यायाधीश प्रेमदीप सांखला के मार्गदर्शन में हुआ। रेलवे अधीक्षक की अनुमति से नालसा डॉन योजना 2025 के तहत हुए इस आयोजन में रेलवे कर्मचारी, अधिकारी, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि और यात्रियों को नशे के दुष्परिणाम व अवैध तस्करी के बारे में जानकारी दी गई।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नियुक्त पैरालीगल वॉलंटियर महेंद्र जैन, फौजिया सोडावाला, किरण सिंह, रेलवे अधीक्षक विनय मेहता, ऑफिस सुपरिटेंडेंट पुष्पेन्द्र काकडे, आरक्षण सुपरवाइजर टिकाराम मीणा, सीनियर इंजीनियर इलेक्ट्रिक रमेश मीणा, बुकिंग पर्यवेक्षक सुनील उइके, रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स के अधिकारी-कर्मचारी और मौजूद यात्रियों को नशे से होने वाले नुकसान के बारे में विस्तार से बताया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रेलवे स्टेशन मास्टर विनय मेहता ने कहा कि नशा वर्तमान समय का सबसे गंभीर विषय है। इस तरह के आयोजन लोगों को नशे के दुष्परिणामों से बचाने में अहम साबित होंगे। नशा न करने से व्यक्ति खुद स्वस्थ रहता है और घर, समाज व राष्ट्र को उन्नत बनाने में मदद करता है।

पैरालीगल वॉलंटियर महेंद्र जैन ने कहा कि नशीले पदार्थों की तस्करी रोकना हर नागरिक का कर्तव्य है। साथ ही यह भी जरूरी है कि व्यक्ति खुद नशा न करे और दूसरों को भी नशा करने से रोके। इस दौरान मौजूद लोगों को नशा मुक्त समाज की स्थापना के लिए शपथ भी दिलाई गई।

विभिन्न ट्रेडों में प्रवेश हेतु पंजीयन की अंतिम तिथि 30 जून

बड़वानी । तकनीकी शिक्षा और रोजगार परक कौशल के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने की दिशा एक महत्वपूर्ण अवसर सामने आया है। शासकीय आईटीआई बड़वानी जिला बड़वानी में सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न ट्रेडों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन और चॉइस फिलिंग की प्रक्रिया जारी है। इच्छुक अभ्यर्थी 30 जून तक आवेदन कर सकते हैं। प्राचार्य श्री केतन मालवीया ने बाताया कि 8वीं, 10वीं, और 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी आईटीआई में प्रवेश लेकर तकनीकी दक्षता हासिल कर सकते हैं। आईटीआई का प्रशिक्षण युवाओं को न केवल रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराता है, बल्कि उन्हें उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप कुशल बनाता है। आईटीआई में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद युवाओं को प्रतिष्ठित कंपनियो में रोजगार मिलने की संभावना बढ़ जाती है। साथ ही अप्रेंटिसशिप के माध्यम से उद्योगों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर वे अपने कौशल को और अधिक निखार सकते हैं। इसके अलावा स्वरोजगार के जरिए अपना व्यवसाय शुरू कर आत्मनिर्भर बनने का रास्ता भी खुलता है। इसके साथ-साथ ही महिलाओं के लिए ३५ प्रतिशत शीटें भी आरक्षित है। जिले कि युवतिया भी व्यवसाय स्टेनाग्राफर हिन्दी,कंप्यूटर ऑपरेटर प्रोग्रामिंग आस्टेंट (कोपा) एवं तकनीकी ट्रेड में पंजीयन करा सकती है। प्राचार्य ने यह भी बताया कि आईटीआई प्रशिक्षण अग्निवीर भर्ती सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में भी युवाओं के लिए उपयोगी साबित होता है। ऐसे में यह प्रशिक्षण उनके करियर निर्माण की मजबूत नींव रख सकता है।

सेफ क्लिक 2.0 अभियान के तहत

थाना पाटी पुलिस ने बैंक ऑफ इंडिया में चलाया साइबर जागरूकता अभियान

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ बड़वानी

पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार प्रदेशभर में संचालित सेफ क्लिक 2.0 साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक बड़वानी श्री पद्मविलोचन शुक्ल के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री धीरज बब्बर एवं डीएसपी (मुख्यालय) श्री महेश सुनैया के मार्गदर्शन में थाना पाटी पुलिस द्वारा बैंक ऑफ इंडिया, पाटी परिसर में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान बैंक में आए ग्राहकों एवं आमजन को वर्तमान समय में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों, ऑनलाइन ठगी तथा डिजिटल धोखाधड़ी के विभिन्न तरीकों की जानकारी देते हुए उनसे बचाव के प्रभावी उपाय बताए गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जागरूकता ही साइबर अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है।इस अवसर पर आमजन को साइबर सुरक्षा संबंधी जागरूकता पाम्पलेट वितरित किए गए तथा उन्हें बताया गया कि–

- ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया फ्रॉड एवं बैंकिंग धोखाधड़ी से हमेशा सतर्क रहें। - किसी भी व्यक्ति के साथ अपना ओटीपी, बैंक खाता विवरण, एटीएम पिन, सीवीवी या पासवर्ड साझा न करें।- किसी भी अज्ञात लिंक, संदिग्ध मैसेज अथवा मोबाइल एप्लीकेशन पर बिना पुष्टि किए क्लिक न करें।

मुख्यमंत्री पर लगाए आरोप निराधार, कांग्रेस की साजिश की भाजपा ने की कड़ी निंदा

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ सनावद

भारतीय जनता पार्टी सनावद ग्रामीण मंडल के अध्यक्ष इंजी. सोहन यादव ने मध्यप्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पर लगाए जा रहे आरोपों को पूरी तरह निराधार, भ्रामक एवं राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित बताया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता के बीच अपनी लगातार घटती विश्वसनीयता से बौखला गई है और इसी कारण वह झूठे आरोपों तथा दुष्प्रचार का सहारा लेकर मुख्यमंत्री की छवि धूमिल करने का असफल प्रयास कर रही है। इंजी. सोहन यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का सार्वजनिक जीवन संघर्ष, सेवा और समर्पण का प्रतीक रहा है। एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में संगठन में कार्य करते हुए उन्होंने अपने परिश्रम, ईमानदारी और जनसेवा के बल पर मुख्यमंत्री पद तक का गौरवपूर्ण सफर तय किया है। उनका राजनीतिक जीवन पारदर्शिता और जनकल्याण के प्रति समर्पित रहा है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद प्रदेश सरकार ने आम जनता के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे आरोप तथ्यों से परे हैं और केवल जनता को भ्रमित करने का प्रयास हैं। प्रदेश की जनता सच्चाई को भली-भांति जानती है और कांग्रेस के इस दुष्प्रचार को पूरी तरह नकार चुकी है।

भाजपा मंडल अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस के पास जनता के सामने रखने के लिए कोई सकारात्मक मुद्दा नहीं बचा है। इसलिए वह झूठ, अफवाह और अनर्गल आरोपों की राजनीति कर रही है। लेकिन मध्यप्रदेश की जनता विकास, सुशासन और जनकल्याण की राजनीति के साथ मजबूती से खड़ी है।

अंत में इंजी. सोहन यादव ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश के विकास के संकल्प को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। कांग्रेस जितनी भी साजिशें रच ले, सत्य और विकास की जीत निश्चित है तथा जनता आगामी समय में भी ऐसे दुष्प्रचार का लोकतांत्रिक तरीके से करारा जवाब देगी।

डेविड ब्रेनर्ड जिला कोषाध्यक्ष व प्रकाश जोशी जिला सोशल मीडिया प्रभारी बने

खरगोन। डेविड ब्रेनर्ड को जिला कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया एवं प्रकाश जोशी को जिला सोशल मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया यह कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सदस्यीय जिला कार्यकारिणी का अनुमोदन करते हुए इस नियुक्ति से जिले में कांग्रेस संगठन को मजबूती मिलने की उम्मीद है। डेविड ,एवं,जोशी,लंबे समय से जीले एवं शहर मे कांग्रेस पार्टी के संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं। उनकी जमीनी पकड़ और सामाजिक कार्यों के प्रति समर्पण को देखते हुए पार्टी ने दोनो, को यह महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। ब्रेनर्ड, एवं जोशी ने प्रदेश अध्यक्ष पटवारी सहित प्रदेश उपाध्यक्ष रवि जोशी, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व केबिनेट मंत्री विजय लक्ष्मी साधौ, विधायक केदार डावर, विधायक झुमा सोलंकी विधायक सचिन यादव, जिला अध्यक्ष रवि नाईक सहित संगठन पदाधिकारियों का आभार जताते हुए कहा कि वे संगठन को मजबूत करने और विभिन्न कार्यक्रमों को सफल बनाने में अपनी भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि वे पार्टी द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगे और संगठन को मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

सरदार वल्लभभाई पटेल महाविद्यालय, मंडलेश्वर ने मनाया अपना 24 वाँ स्थापना दिवस

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ मंडलेश्वर

27 जून को सरदार वल्लभ भाई पटेल महाविद्यालय, मंडलेश्वर का 24वाँ स्थापना दिवस श्रद्धा, उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। महाविद्यालय की स्थापना 27 जून 2002 को एक छोटे से शैक्षणिक प्रयास के रूप में हुई थी। आज वही नन्हा सा पौधा विशाल वटवृक्ष बनकर क्षेत्र के हजारों विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य का आधार बन चुका है। आज संपूर्ण निमाड़ क्षेत्र को गौरान्वित कर रहा है।कार्यक्रम का शुभारंभ लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की मूर्ति पर माल्यार्पण एवं पूजन के साथ हुआ। पूजन महाविद्यालय संचालक बी.एम. पाटीदार एवं एकेडमिक संचालक संजय गर्ग के कर कमलों से किया गया।इस अवसर पर वक्ताओं ने महाविद्यालय की 24 वर्षों की गौरवशाली यात्रा को याद करते हुए कहा कि संस्था ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन और संस्कारों के माध्यम से क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। सभी ने संकल्प व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में महाविद्यालय नई ऊँचाइयों को प्राप्त करे, शिक्षा, शोध, नवाचार एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के क्षेत्र में और अधिक उपलब्धियाँ अर्जित करे तथा समाज और राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान निरंतर बढ़ाता रहे।कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार ने स्थापना दिवस पर एक-दूसरे को शुभकामनाएँ दीं तथा संस्था के उज्ज्वल एवं सफल भविष्य की मंगलकामना की।इस अवसर पर महाविद्यालय संयोजक प्रीतेश पाटीदार, धर्मेंद्र पाटीदार, वरिष्ठ प्राध्यापक राजू काले, हरीवल्लभ शास्त्री, शंशाक शुक्ला, राजेंद्र पाटीदार, मुरलीधर कर्मा, शिवपालसिंह पटेल, अंकित चौरे, कमलेश पाटीदार, अजय गीते, नितिन यादव, धर्मेंद्र यादव, पवन जोनवाल, लोकेश पाटीदार, राजेश पटेल, विजय राठौड़, राहुल शर्मा,गोपाल सोनेवे, सुनीता पाटीदार, पूजा सोलंकी, अर्चना पंवार, कामिनी पाटीदार, नीतू साहू,आदि उपस्थित थे।

वर्षाकालीन तैयारियों को लेकर महापौर ने ली समीक्षा बैठक

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ खंडवा

वषार्काल को दृष्टिगत रखते हुए नगर निगम कार्यालय में महापौर अमृता अमर यादव की अध्यक्षता में तकनीकी, स्वास्थ्य एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वर्षा ऋतु के दौरान शहर में जलभराव की स्थिति निर्मित न हो तथा नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाओं एवं तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। समाजसेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि आयोजित बैठक में

महापौर अमृता अमर यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर के सभी प्रमुख नालों, नालियों एवं जल निकासी मार्गों की साफ-सफाई युद्ध स्तर पर सुनिश्चित की जाए। जिन क्षेत्रों में पूर्व वर्षों में जलभराव की समस्या सामने आई है, वहां विशेष निगरानी रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण की जाएं। उन्होंने कहा कि वषार्काल के दौरान नगर निगम की सभी टीमों को सक्रिय एवं सतर्क रहना होगा, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके।बैठक में महापौर ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य केवल समस्याओं का समाधान करना नहीं, बल्कि संभावित समस्याओं को पहले से रोकना भी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी वार्डों में नियमित निरीक्षण कर जल निकासी व्यवस्था को सुचारू बनाए रखें तथा नागरिकों की शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें।

महापौर अमृता यादव ने कहा कि "शहरवासियों की सुरक्षा, सुविधा एवं स्वास्थ्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। वर्षा ऋतु में जलभराव, गंदगी अथवा अन्य समस्याओं से नागरिकों को राहत मिले, इसके लिए नगर निगम द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं और प्रत्येक क्षेत्र की लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी। नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है। महापौर ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वषार्काल में स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा जलजनित एवं मौसमी बीमारियों की रोकथाम हेतु जरुरी उपाय करें।

पूर्व उपमुख्यमंत्री स्व. सुभाष यादव की 13वीं पुण्यतिथि मनाई

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ खंडवा

मध्य प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं सहकारिता पुरुष स्व. सुभाष यादव की 13वीं पुण्यतिथि पर शुक्रवार को कांग्रेसजनों ने गांधी भवन, खंडवा में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रातः 9 बजे आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकताओं ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते हुए उनके सिद्धांतों पर चलने का संकल्प लिया।

स्व. सुभाष यादव ने अपना संपूर्ण जीवन किसानों, ग्रामीणों और सहकारिता आंदोलन को मजबूत बनाने के लिए समर्पित किया। उनके द्वारा किए गए जनहितकारी कार्य आज भी लोगों के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं।

इसके पश्चात दोपहर 12 बजे कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ द्वारा लायंस क्लब के सहयोग से जिला अस्पताल परिसर खंडवा में मरीजों के परिजनों को भोजन वितरित किया गया। इस सेवा कार्य के माध्यम से कांग्रेसजनों ने स्व. सुभाष यादव को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए उनके सेवा और जनकल्याण के आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया। इसके पश्चात समस्त कांग्रेस में स्व.सुभाष यादव जी के गृह ग्राम बोरावा में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रवाना हुए, जहां पर पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव एवं कसरावद विधायक सचिन यादव से मुलाकात कर स्वर्गीय श्री सुभाष यादव जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। इस अवसर जिला कांग्रेस अध्यक्ष (शहर)प्रतिभा रघुवंशी,श्याम यादव,सुनील आर्य,डॉ शरद हरणे,विकास व्यास,इकबाल कुरैशी,विशाल जैन,अर्ष पाठक,चैनसिंह वर्मा,विशाल सोनी,मयंक पाराशर, समीर खान आदि उपस्थित थे।

ट्रैक्टर चालक को मारने की धमकी दी

खंडवा। पंधाना थाना क्षेत्र में ट्रैक्टर चालक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार ट्रैक्टर लेकर घर लौट रहे फरियादी का आरोपी के घर के सामने खड़ी मोटरसाइकिल से विवाद हो गया। इसके बाद आरोपी ने गाली-गलौज कर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है।

लापरवाही से वाहन चलाने पर मामला दर्ज

खंडवा। मूंदी थाना पुलिस ने तेज रफ्तार एवं लापरवाही से वाहन चलाने वाले मोटरसाइकिल चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 281 एवं 125ए के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शशांक भट्ट ने सचिव व पंकज गेरा ने ली कोषाध्यक्ष की शपथ, 20 नए सदस्य जुड़े

उज्जैन। लायंस क्लब उज्जैन अशोक के नवीन सत्र का संस्थापन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में ला. दिग्विजय सिंह चौहान ने क्लब के अध्यक्ष पद की शपथ ग्रहण की। उनके साथ ला. शशांक भट्ट ने सचिव और ला. पंकज गेरा ने कोषाध्यक्ष का दायित्व संभाला। शपथ ग्रहण के उपरांत नवनियुक्त अध्यक्ष ला. दिग्विजय सिंह ने आगामी वर्ष के सेवा कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि जुलाई माह में सरकारी स्कूलों के जरूरतमंद छात्रों के लिए एक प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसमें से चयनित होनहार विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी। सेवा कार्यों की शुरूआत करते हुए शासकीय माध्यमिक विद्यालय हीरा मिल की चाल के विद्यार्थियों को ५०० कॉपियों का वितरण किया गया।समारोह के मुख्य अतिथि भाजपा नगर जिलाध्यक्ष संजय अग्रवाल थे। विशिष्ट अतिथि वीडीजी-२ ला. संजय सक्सेना ने क्लब में शामिल हुए २० नए सदस्यों को लायनवाद और सेवा कार्यों की शपथ दिलाई। वहीं, शपथ अधिकारी ला. आरजी पाठक ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को उनके दायित्व निर्वहन की शपथ ग्रहण करवाई। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक सहित अन्य लायन सदस्य उपस्थित थे।

नवीन शिखर पर 29 को होगी कलश स्थापना

उज्जैन। शहर के पान्दरीबा चौराहा स्थित नव नारायणों में प्रथम श्री बद्री नारायण मंदिर के शिखर का नवीनीकरण कार्य पूर्ण हो गया है। इस उपलक्ष्य में 29 जून को नवीन शिखर पर विधि-विधान से कलश स्थापना और ध्वजारोहण किया जाएगा। इस शुभ अवसर पर भगवान को छप्पन भोग लगाकर अन्नकूट का आयोजन होगा।

न्यूज -कॉलम

चार थाना पुलिस ने चाकू के साथ पकड़े 6 बदमाश

उज्जैन। सुरक्षा-व्यवस्था को लेकर मुस्तैद पुलिस द्वारा लगातार तलाशी अभियान चलाया जा रहा है अवैध हथियार, शराब और मादक पदार्थ तस्करी में शामिल आरोपियों पकडा जा रहा है। शुक्रवार-शनिवार 2 दिनों के दरमियान चार थाना पुलिस ने 6 बदमाश युवकों को गिरफ्तार किया, जिनके पास से चाकू बरामद किये गये है। पहला मामला पंवासा थाना पुलिस ने दर्ज किया। प्रधान आरक्षक शेखर हरियाला ने सूचना मिलने के बाद गरोठ ब्रिज के नीचे चाकू लेकर घूम रहे आफताब पिता हुसैन अली निवासी पंवासा मल्टी को गिरफ्तार कर चाकू जप्त किया। 3 मामले महाकाल थाना पुलिस ने दर्ज किये। जिसमें नृसिंहघाट से प्रधान आरक्षक शैलेष योगी ने अमन पिता रईस खान निवासी केडी गेट हाथी टेकरा को पकड चाकू बरामद किया। इससे पहले शुक्रवार को बेगमबाग के रहने वाले फरदीन उर्फ माया पिता फिरोज खान को सम्राट पार्किंग के पास बंद हाट बाजार से एसआई राजाराम चौहान द्वारा गिरफ्तार किया गया। यहीं नहीं प्रधान आरक्षक रत्नेश श्रीवास्तव ने घी मंडी केनरा बैंक के पास से अल्तमस पिता आरिफ निवासी आगरनाका को पकडकर चाकू बरामद किया। कोतवाली थाना प्रधान आरक्षक हेमंत परिहार ने फव्वारा चौक-दौलतगंज के बीच से मोहम्मद निजाम पिता सलीम निवासी हामूखेडी की तलाशी लेकर चाकू जप्त किया। सभी के खिलाफ पुलिस ने आर्म्स की धारा में प्रकरण दर्ज कर शनिवार को न्यायालय में पेश किया है। धार्मिक नगरी में सुरक्षा-व्यवस्था को एसपी प्रदीप शर्मा ने सभी थाना पुलिस को चैकिंग के सख्त निर्देश जारी किये है। जिसको लेकर पुलिस भ्रमण और गश्त के दौरान संदिग्धों की तलाशी लेकर पूछताछ कर रही है। हिस्ट्रीशिटर बदमाशों और गुंडों की अपराधिक गतिविधियों पर नजर रख उन्हे लगातार हिदायत दे रही है।

सेमलिया फंटा दुर्घटना में डंपर चालक पर केस दर्ज

उज्जैन। नरवर थाना क्षेत्र के सेमलिया फंटा पर 22 जून की सुबह हुई दुर्घटना में बाइक सवार धर्मेन्द्र पिता शंकरलाल शेरवाल निवासी गड मोहल्ला नरवर की मौत हो गई थी। उसके 2 साथी रोशन पिता देवीलाल वरखडेग और ओमप्रकाश उर्फ कालू पिता रामप्रसाद सूर्यवंशी गड़ मोहल्ला गंभीर घायल हुये थे। दुर्घटना के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया था। 3 दिन बाद मामले में बाइक को टक्कर मारने वाले डंपर चालक के खिलाफ घायल ओमप्रकाश के बयान दर्ज कर लापरवाही से वाहन चलाने का प्रकरण दर्ज किया गया है। डंपर भोपाल पासिंग है, जिसे पुलिस ने दुर्घटनास्थल से जप्त कर लिया था। चालक मौके से भाग निकला था। पुलिस नम्बर के आधार पर चालक का पता लगा रही है। फिलहाल दोनों घायलों का उपचार जारी है।

रिपोर्ट दर्ज कराने की बात पर युवक के साथ मारपीट

उज्जैन। राजगढ़ के दयाखेडी में रहने वाला सत्यनारायण पिता रामसिंह छाडी माकडोन के ग्राम करेडी में रहने वाले साले के यहां कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचा था। जहां उसे कालू कंजर और उसके साथियों ने घेर कर मारपीट की और गांव में आने की बात पर जान से मारने की धमकी दी। माकडोन पुलिस ने सत्यनारायण की शिकायत पर कालू कंजर और उसके साथियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि 3 सालों से ग्राम करेडी और राजगढ़ के कंजरों में विवाद चल आ रहा है। पूर्व में करेडी के कंजर राजगढ़ गये थे, उस दौरान वहां के कंजरों ने मारपीट की थी, यहीं नहीं उनके खिलाफ प्रकरण भी दर्ज करा दिया था। उसके बाद से राजगढ़ के कंजर समुदाय का कोई भी व्यक्ति ग्राम करेडी आता है तो उसके साथ मारपीट की जाती है। सत्यनारायण ने बताया कि पूर्व में हुए विवाद में वह शामिल नहीं था, बावजूद से गांव दयाखेडी का होने पर मारा गया।

भागने का प्रयास कर रहा मोबाइल चोर पकड़ाया

उज्जैन। रायसेन का रहने वाला रवि पिता प्रकाश उज्जैन आया था, वह शुक्रवार रात भोपाल लौटने के लिये रेलवे स्टेशन पहुंचा था। ट्रेन आने में समय था, जिसके चलते वह प्लेटफार्म पर बैठ गया, उसी वक्त उसकी झपकी लग गई। तभी एक बदमाश ने उसकी जेब से मोबाइल निकाल लिया और भागने लगा। रवि की आंख खुल गई और उसने शोर मचाया, बदमाश भाग पाता उससे पहले कुछ लोगों की मदद से प्लेटफार्म पर ड्युटी कर रहे जीआरपी के पुलिसकर्मियों ने उसे पकड लिया। बदमाश से चोरी किया गया 60 हजार रूपये कीमत का मोबाइल बरामद किया गया है। बताया जा रहा है कि मोबाइल चोर विराटनगर का रहने वाला लाखन पिता किशोर है, जिससे जीआरपी द्वारा अन्य वारदतों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

दिन	135-9	566-7
मेन बाजार		
कल्याण नाइट		
मिलन डे	389-0	235-0
मिलन नाइट	259-6	567-8
मधुर डे	679-2	345-2
मधुर नाइट	560-1	139-3
शुभांक	3 7	7

वेन धमाके के फरार आरोपियों की तलाश में पहुंची थी पुलिस...

दुर्व्यवहार का आरोप लगाकर घेरा बड़नगर थाना

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

हवा में 40 फीट ऊंचाई पर वेन को लटकाकर धमाका करने के मामले में फरार चल रहे आरोपियों की तलाश में शनिवार को पुलिस अडान मोहल्ला पहुंची तो कुछ लोगों ने दुर्व्यवहार का आरोप लगा दिया और बड़नगर थाने का घेराव कर दिया।

करीब 1 घंटे तक चले घेराव के बाद मामला शांत हुआ। बड़नगर थाना क्षेत्र के जय स्तंभ चौक पर 23-24 जून की रात मोहर्रम जुलूस में वेन को हवा में लटकाकर धमाका करने का वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने संज्ञान लिया था और घटना को कारित करने वालों के खिलाफ सार्वजनिक शांति के साथ सुरक्षा को खतरे में डालने की धारा 110, 125(ए), 287, 288, 223(बी), 285, 3(5) भारतीय न्याय संहिता का मामला दर्ज कर मामले में शामिल शोएब पिता गब्बू, जाहिद पिता भूरा खां और तपसील उर्फ तस्लीम पिता नेहरू खा निवासी अडान मोहल्ला को गिरफ्तार किया था, जिन्हे पूछताछ के लिये रिमांड पर लिया गया है। तीनों से उनके साथियों की जानकारी जुटाने के बाद शनिवार को उनकी गिरफ्तारी के लिये अडान मोहल्ला पहुंची, जहां एक आरोपी ने अपने साथी का मकान दूर से दिखाया। पुलिस उस मकान तक पहुंची और तलाशी का प्रयास करने लगी। तभी मकान में रहने वालों ने पुलिस पर बिना अनुमति आने और महिलाओं से दुर्व्यवहार करने का आरोप लगा दिया। कुछ देर बाद दर्जनों की संख्या में वर्ग विशेष समाज के लोग एकत्रित हो गये और बड़नगर थाने का घेराव कर दिया। मामले की खबर मिलते ही एडीओपी महेन्द्रसिंह परमार थाने पहुंचे और घेराव करने वालों से चर्चा शुरू की। इस दौरान लोगों का आरोप था कि उनके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं है। ना ही वेन धमाके में शामिल है। मकान पार्षद के परिवार का है, जहां पुलिस पहुंची है। एसडीओपी ने मामले को शांत करने और समझाने का प्रयास किया। इस बीच मामले की खबर मिलते ही आईपीएस करणदीपसिंह भी बड़नगर पहुंचे गये। उन्होने घेराव करने वालों से चर्चा की और पुलिस की विवेचना की बात कहीं। वहीं मामले में गलतफहमी सामने आना बताया। करीब एक घंटे बाद मामला पूरी तरह से शांत हो गया। दुर्व्यवहार का आरोप लगाने वालों ने अपनी बात का खंडन किया और मारपीट के साथ महिलाओं से किसी भी तरह दुर्व्यवहार नहीं होने की बात कहीं।

यह बोले एएसपी

बड़नगर पुलिस की विवेचना के दौरान कुछ लोगों ने आरोप-प्रत्यारोप किया था और थाने पहुंचे थे। जिनसे चर्चा की गई और मामला शांत कराया गया। उन्होने पुलिस पर जो आरोप लगाये थे उसका खंडन किया है।

करणदीप सिंह
एएसपी ग्रामीण

न्यायिक हिरासत में चाकू से हमला करने वाला आरोपी

ऑपरेशन के बाद युवती की हालत खतरे से बाहर

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

दवा बाजार में युवती पर चाकू से हमला करने वाले आरोपी को शनिवार दोपहर कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है। इधर युवती की ऑपरेशन के बाद हालत खतरे से बाहर बताई गई है।

बापूनगर में रहने वाली पूजा उर्फ गुनगुन रजक 19 साल पर शुक्रवार दोपहर ग्राम डेंडिया में रहने वाले सुनील जारोलिया ने चाकू से हमला कर दिया था। उसने 10 से 12 वार किये थे, पूजा को चाकू के पांच गहरे घाव लगे थे। जिसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था। पुलिस ने घटनाक्रम सामने आने के बाद आरोपी की सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी थी। शासकीय अस्पताल से घायल पूजा का निजी अस्पताल ले जाया गया था। 4 घंटे बाद पुलिस ने हमला करने वालों को इंजीनियरिंग कॉलेज के पास घेर लिया था, जिसने बचकर भागने के लिये दीवार पर चढ़ने का प्रयास किया था और गिर गया था। जिसके चलते उसे पैर में चोंट लगी और वह भागने में सफल नहीं हो पाया। नीलगंगा पुलिस से हिरासत में लेकर चरक अस्पताल पहुंची थी, जहां पैर की हड्डी टूटना सामने आया। उसे उपचार के लिये भर्ती किया गया। रातभर अभिरक्षा में चले उपचार के बाद शनिवार दोपहर आरोपी का डिस्चार्ज कर दिया गया। पुलिस उसे थाने लेकर आई जहां गिरफ्तारी करने के साथ उससे हमले में प्रयुक्त चाकू बरामद कर कोर्ट में पेश किया। जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है। थाना प्रभारी तरूण कुरील ने बताया कि घायल युवती को पेट में लगे चाकू के गहरे घाव से उसकी आंते बाहर आ गई थी। जिसके चलते निजी अस्पताल में उसका ऑपरेशन किया गया। अब युवती की हालत खतरे से बाहर है। बताया जा रहा है कि पूजा और चाकू मारने वाले आरोपी सुनील की इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई थी। करीब 4 सालों से दोनों के बीच प्रेम प्रसंग भी चल रहा था। पूजा बीए प्रथम वर्ष का अध्ययन करने के साथ दवा बाजार में कम्प्यूटर ऑपरेटर का काम करती है। कुछ समय पहले उनके बीच बात बिगड गई थी। पूजा ने बातचीत करना बंद कर दिया था। सुनील उसे परेशान करने लगा था। 15 जून को मामला नानाखेडा थाने पहुंचा था, जहां दोनों के बीच राजीनामा हो गया था और आगे से परेशान नहीं करने की बात हुई थी। लेकिन सुनील नहीं माना और उसने दवा बाजार जाते समय पूजा पर हमला कर दिया।

हत्या में शामिल आरोपी को भेजा गया जेल

चिमनगंज थाना पुलिस ने जावरा के रहने वाले अनिल जोशी की शिकायत साधु बन चुके भाई गंगेश्वरगिरी के लापता होने का मामला दर्ज किया था। जिसकी लाश 18 जून को मंगलनाथ मंदिर के सामने कुटिया के पीछे से समाधि खोदकर निकाली गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सीने पर लगी चोंट से मौत होना सामने आया था। पुलिस जांच में पता चला था कि गंगेश्वरगिरी का झगडा कौशिक सोनी निवासी शिवांश पैराडाइज से हुआ था। उसने पानी की केन सीने पर मारी थी। पुलिस ने मामले में हत्या की धारा का इजाफा कर कौशिक सोनी को गिरफ्तार किया था। जिसे शनिवार को कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया है।

पर्स उठाते कैमरे में दिखी महिला सफाईकर्मी

दर्ज नहीं कराई शिकायत

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

चरक अस्पताल में शनिवार को उपचार के लिये आई महिला का पर्स गुम हो गया। उसने 3 लाख के आभूषण रखे होने की शिकायत कोतवाली थाने पहुंचकर की। पुलिस हरकत में आ गई और कैमरों के फुटेज खंगाले। महिला सफाईकर्मी पर्स उठाते दिखाई दी।

हेलावाडी क्षेत्र की रहने वाली महिला अपनी मां का उपचार करने चरक अस्पताल पहुंची थी। इस दौरान उसका पर्स गिर गया। पर्स में चांदी के कुछ आभूषणों के साथ सोने का मंगलसूत्र और नगद रूपये रखे थे। पर्स नहीं मिलने पर महिला कोतवाली थाने पहुंची और बताया कि पर्स चोरी हो गया है। जिसमें 3 लाख के आभूषण रखे थे। पुलिस हरकत में आ गई और कैमरों के फुटेज देखने के लिये चरक अस्पताल पहुंच गई। कुछ देर में फुटेज के आधार पर पता चला कि पर्स महिला सफाईकर्मी को मिला है। जिसे थाने पर तलब किया गया और पर्स बरामद किया गया। महिला सफाईकर्मी का कहना था कि उसे सफाई के दौरान मिला था। बताया जा रहा है पर्स में साढे तीन हजार रूपये, 6 से 8 सोने के मोती लगा मंगलसूत्र और चांदी की पायल रखी थी। जिसकी कीमत लगभग 30 हजार के आसपास थी। पुलिस ने शिकायत करने वाली महिला से पूछा तो उसने इतना ही सामान होना बताया। उससे शिकायत दर्ज कराने के लिये कहा गया तो उसका कहना था कि पर्स मिल गया है, वह शिकायत दर्ज करना नहीं चाहती है। पुलिस ने पर्स लौटाकर महिला सफाईकर्मी को हिदासत देकर छोड दिया।

स्कूटी को टक्कर मारने के बाद भागा कार चालक

उज्जैन। सिविल अस्पताल के सामने स्कूटी सवार सुजल पिता सुनील जाधव निवासी वृंदावन धाम कालोनी को कार चलाक ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में सुजल घायल हो गया। लोगों ने टक्कर मारने वाले कार चालक को रोकने का प्रयास किया लेकिन चालक कार लेकर मौके से भाग निकला। लोगों की मदद से घायल को अस्पताल पहुंचाया गया। कोतवाली पुलिस ने कार चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। जिसका नम्बर सामने आने पर आरटीओ से कार मालिक की जानकारी मांगी गई है।

रिमांड पर ठगी की राशि से गोल्ड खरीदने वालों का साथी

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

सायबर ठगी की राशि से गोल्ड खरीदी करने वाले गिरोह का दिल्ली में पढाई करने वाला चौथा साथी गौरखपुर से पुलिस की गिरफ्त में आया था। जिसे शनिवार को न्यायालय में पेश कर पांच दिनों की पूछताछ के लिये रिमांड पर लिया गया है। गिरोह के तार बिहार से जुडना सामने आ रहे है।

माधवनगर थाना पुलिस ने 18 जून का नर्मदापुरम के रहने वाले कशिश पिता सुनील, राहुल उर्फ शानू पिता अरुण और अनिमेश उर्फ अनुराग उर्फ अन्नी पिता अभय को सखीपुरा स्थित होटल हीरा पैलेस में दबिश देकर गिरफ्तार किया। तीनों अपने साथियों के साथ मिलकर साइबर ठगी की राशि से गोल्ड क्वाइन की खरीदी करते थे। उज्जैन में तीनों ने घासमंडी चौराहा पर डीपीके गोल्ड शोरूम के साथ 2 अन्य ज्वेलर्स के यहां भी खरीदी की थी और क्यूआर कोड से साइबर ठगी की राशि का ट्रांजेक्शन किया था। तीनों से रिमांड पर हुई पूछताछ के बाद पुलिस की टीम दिल्ली पहुंची थी। जहां गिरोह का साथी शौकत पढ़ाई करता है। उसे साथियों के उज्जैन पुलिस की गिरफ्तारी में आने का पता चलने पर वह अपने पैतृक घर गौरखपुर भाग निकला था। पुलिस ने उसे गौरखपुर से गिरफ्तार किया और उज्जैन लाई। जिसे शनिवार को पांच दिनों की पूछताछ के लिये रिमांड पर लिया गया है। अब उसके अन्य साथियों का पता लगाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि ठगी के तार बिहार से जुड रहे है। पुलिस की टीम बिहार जा सकती है। विदित हो कि उज्जैन पुलिस को डीपीके ज्वेलर्स के प्रबंधक द्वारा शोरूम के खाते में साइबर ठगी की राशि आने और खाता होल्ड होने पर शिकायत दर्ज कराई गई थी। जिसके बाद माधवनगर पुलिस ने प्रदेश के पहले ऐसे मामले का खुलासा किया था, जिसमें साइबर ठगी करने वालों द्वारा ठगी की राशि से गोल्ड की खरीदी की जा रही थी। उज्जैन पुलिस के खुलासे के बाद भोपाल हबीबगंज थाना पुलिस ने भी तीनों के खिलाफ 2 मामले दर्ज किये थे। आरोपियों ने भोपाल के हबीबगंज और कोलार थाने में चार ज्वेलर्स के खातों में ठगी की राशि का ट्रांजेक्शन किया था। चारों के खाते होल्ड हो गये थे।

इंगोरिया में नाले से मिली युवक की लाश

उज्जैन। नाले में लाश पडी होने की खबर मिलने पर इंगोरिया पुलिस शनिवार सुबह ग्राम बलेडी पहुंची थी। लाश का बाहर निकाला गया, कुछ देर में मृतक की पहचान हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया है। इंगोरिया थाना एएसआई दिनेश निनामा ने बताया कि ग्राम बलेडी के ग्रामीणों ने सूचना दी थी कि नाले में एक व्यक्ति की लाश पडी है। पुलिस ग्राम बलेडी पहुंची और ग्रामीणों की मदद से लाश का बाहर निकाला गया। मृतक की पहचान गोरधनलाल पिता बगदीराम 30 साल निवासी बलेडी के रूप में हो गई। एएसआई निनामा के अनुसार मृतक शराब का नशा करता था, उसके परिवार में कोई नहीं है। वह अकेला रहता था और मजदूरी का काम करता था। संभवतः नशे में नाले के पास से गुजरते समय गिरने पर उसकी पानी में डूबने से मौत हुई है। फिलहाल मर्ग कायम किया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से उसकी मृत्यु का कारण स्पष्ट हो जायेगा।

रात में हुई बारिश के बाद मौसम में आई ठंडक

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

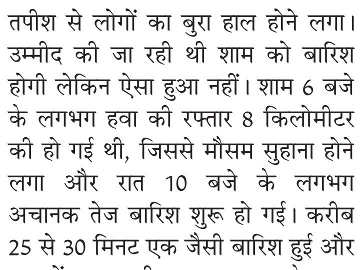

पिछले कुछ दिनों से रूक-रूक कर बारिश के क्रम धार्मिक नगरी में बना हुआ है। शनिवार सुबह साफ मौसम के साथ हुई और धूप खिली रही, दोपहर में बादलों की आवाजाही शुरू हो गई और उसम बढ़ने लगी। शाम ढलने के बाद मौसम करवट बदलता दिखा और रात 10 बजे के लगभग तेज बारिश शुरू हो गई। जिसके बाद ठंडक महसूस होने लगी थी।

धार्मिक नगरी में 15 जून मानसून की दस्तक का समय माना गया है। लेकिन इस बाद पांच दिनों की देरी से बारिश की शुरूआत हुई और तापमान में गिरावट आने लगी। लेकिन मौसम वैज्ञानिकों ने इसे प्री-मानसून की गतिविधी बताया। 2 दिनों से कहा जा रहा है कि प्रदेश में मानसून की दस्तक हो चुकी है। इस बीच शनिवार को शहर में उमस बढ़ गई। दोपहर बाद कभी बादलों की जमघट तो कभी सूरज की तपीश से लोगों का बुरा हाल होने लगा। उम्मीद की जा रही थी शाम को बारिश होगी लेकिन ऐसा हुआ नहीं। शाम 6 बजे के लगभग हवा की रफ्तार 8 किलोमीटर की हो गई थी, जिससे मौसम सुहाना होने लगा और रात 10 बजे के लगभग अचानक तेज बारिश शुरू हो गई। करीब 25 से 30 मिनट एक जैसी बारिश हुई और सड़कों पर पानी भर गया उसके बाद रिमझिम का दौर चलता रहा। बारिश के बाद मौसम में ठंडक आ गई थी। बारिश से पहले जीवाजी वेधशाला पर अधिकतम तापमान 35.5 डिग्री दर्ज किया गया, शुक्रवार-शनिवार रात न्यूनतम 24 डिग्री रहा था।

जाहिर-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने भूमि स्वामी रामसिंह पिता उंकारसिंह, जीतकुंवर पति प्रहलादसिंह व नारायणसिंह दत्तक भंवरसिंह समस्त जाति राजपूत समस्त निवासीगण व कृषकगण ग्राम पिपल्यानाथ तहसील झारडा जिला उज्जैन मध्यप्रदेश के द्वारा अपने हक एवं हिस्से की भूमि सर्वे नम्बर 259/1 रकबा 0.73 में से रकबा 0.04 हेक्टेयर, सर्वे नम्बर 259/2 रकबा 0.73 हेक्टेयर, सर्वे नम्बर 259/3 रकबा 0.73 हेक्टेयर कुल किता 03 कुल विक्रीत रकबा 1.50 हेक्टर याने 6 बीघा भूमि ग्राम पिपल्यानाथ तहसील झारडा जिला उज्जैन मध्यप्रदेश में स्थित होकर उक्त भूमि का विक्रय/अनुबंध पत्र/सौदा चिटठी संपादित करवा कर टोकन बयाना राशि भी मेरे पक्षकार से प्राप्त कर ली है। यह कि उपरोक्त भूमि विक्रय मे यदि उक्त अनुबंधित कृषि भूमि को विक्रय या अंतरित किये जाने में किसी भी प्रकार की व्यक्तिगत संस्था बैंक निकाय शासकीय अथवा अर्द्धशासकीय संस्था या स्थानिय शासन का कोई ऋण भार या बोझ या हित अधिकार आधिपत्य विक्री या वारिसान आदि का कोई हक हित या भार ही या इस विक्रय संव्यवहार में कोई आपत्ति हो तो वह मय प्रमाण के मुझसे इस जाहिर सूचना के प्रकाशन के सात दिवस के भीतर स-प्रमाण मुझे कार्यालयिन समय मे लिखित में आपत्ति प्रस्तुत करे। अन्यथा बाद मियाद अवधि उक्त संपत्ति का विक्रय पत्र पंजीकृत करवा लिया जावेगा। तत्पश्चात कोई आपत्ति मेरे पक्षकार के हितों पर बंधनकारी नहीं होगी।

सूचित हो। दिनांक 27-06-2026

राकेश शर्मा सर्विस प्रोवाइडर
तहसील कार्यालय घटिया जिला उज्जैन म.प्र.
मो. 8719997462,9584898788

जाहिर-सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने श्रीमती अर्चना पति शिखरचन्द्र जैन जाति जैन निवासी उज्जैन से उनके स्वामित्व एंव आधिपत्य की कृषि भूमि सर्वे नबंर 1018 रकबा 0.1500 हेक्टेयर स्थित ग्राम नजरपुर तहसील घट्टिया जिला उज्जैन में है जिसे क्रय करने का सौदा कर टोकन बयाना राशि अदाकर सौदा चिट्ठी का निष्पादन कर लिया गया है तथा शीघ्र ही अनुबंध पत्र व विक्रय पत्र निष्पादन करवाया जाना है, उक्त भूमि में कोई अपना हित व हिस्सा या स्वत्व रखता हो या उक्त भूमि पर किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक, अथवा सरकारी, साहूकारी या किसी विभाग या वित्तीय संस्था अथवा सोसायटी का कोई ऋण भार हो तो ऐसे संबंधित विभाग / व्यक्ति इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 (सात) दिवस की अवधि में मय प्रमाण सहित लिखित में आपत्ति मेरे समक्ष प्रस्तुत करें ताकि उसका निराकरण करवाया जा सके, अन्यथा सूचना प्रकाशन की अवधि व्यतीत होने के पश्चात मेरे पक्षकार द्वारा विधिवत अनुबंध पत्र व विक्रय पत्र का निष्पादन करवा लिया जावेगां व कोई आपत्ति मान्य नही होगी, सूचित हो ।
इति दिनांक 27-06-2026 उज्जैन

यश शर्मा (एडवोकेट)
कार्यालय 35/8, विश्व विद्यालय मार्ग, उज्जैन
मो. 9399896441

जाहिर-सूचना

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि, राजस्व अभिलेख ग्राम बालोदालक्खा तहसील बडनगर जिला उज्जैन एक भूमि खाता सर्वे न. 1146 रकबा 0.53 हे. भूमि लक्ष्मीबाई पति गोपालजी जाति माली निवासी पिपलु तहसील बडनगर जिला उज्जैन के एकमात्र स्वामित्व एंव आधिपत्य की स्थित है। उक्त भूमि को क्रय करने का सौदा मेरे पक्षकार द्वारा भूमि स्वामी से समक्ष गवाहन के तय किया है तथा उक्त भूमि विक्रय सौदा की बयाना राशि भी मेरे पक्षकार द्वारा भूमि स्वामी को अदा कर दी है। उक्त भूमि का विक्रय पत्र निष्पादित होना शेष है। यदि उक्त भूमि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि के पक्ष मे किसी भी प्रकार से बंधक भारग्रस्त हो या इस भूमि विक्रय होने मे किसी भी व्यक्ति, संस्था या बैंक कोई आपत्ति हो, या यह भूमि किसी के पक्ष में रहन बंधक, अनुबंधित आदि की हुई हो तथा इस भूमि मे किसी भी व्यक्ति, संस्था का कोई स्वत्व, हक, आधिपत्य, हित निहित हो या स्वत्व संबंधित कोई दावा आपत्ति हो तो वह इस जाहिर सूचना पत्र के प्रकाशन के 07 दिवस मे मेरे कार्यालय मे मेरे समक्ष मय दस्तावेज आपत्ति पैश करे अन्यथा बात गुजरने मियाद मेरे पक्षकार द्वारा उक्त भूमि के विक्रय मुल्य की सम्पूर्ण राशि विक्रेता को अदा कर भूमि का कय पत्र अपने पक्ष में निष्पादित करवा लिया जावेगा और कोई आपत्ति मान्य नही होगी। सूचित हो। दिनांक 27/06/2026

गणेश रावल एड्वोकेट
बड़नगर मो. 93400-18812

ज्ञानी होने के गुण

समता एक ज्ञानी का सच्चा लक्षण है। समता शब्द ही भेद के अस्तित्व को सूचित करता है। सब भेदों में ज्ञानी एकता देखता है, जिसे मैं समता कहता हूं। समता का अर्थ भेदों का अज्ञान नहीं है। जब आपको ज्ञान होता है, तब आप देखते हैं कि ये भेद केवल बाहरी दिखावा हैं; वे नित्य नहीं हैं। इन सब बाह्य भेदों में जो अभिन्न तत्व है, वह सत्य है, जिसे मैं एकत्व कहता हूं। यह सही है कि ज्ञानी ध्वनि, स्वाद, रूप, गंध इत्यादि भेदों का अनुभव करता है, लेकिन उन सब में वह हमेशा उस एक को देखता व अनुभव करता है। इसी कारण उसे कुछ पसंद या नापसंद नहीं होता। वह घूमता है, बात करता है और कर्म करता है, तो यह सब उसी एक सत्य में स्थित रहकर करता है। उसकी दृष्टि में उस एक परम सत्य से अलग कुछ भी नहीं है। पतंजलि के योगसूत्र में कहा गया है, मैत्री, करुणा, मुदिता, क्षमा जैसे भाव ज्ञानी के स्वभाव बन जाते हैं। भले लोगों के प्रति स्नेह, दुखी और असहाय लोगों के प्रति करुणा, अच्छे काम करने में सुख का अनुभव, दुष्टों के प्रति क्षमा-भाव, ये सब ज्ञानी व्यक्ति के स्वाभाविक लक्षण हैं। वे किसी भी अवस्था या हालात में समान रहते हैं, क्योंकि वे सत्य को जानते हैं। वे अपनी सारी क्रियाओं में केवल दूसरों के लिए उद्युक्त (तत्पर) होते हैं। कोई काम वे अपने लिए नहीं करते। मैंने आपसे कई बार कहा है कि जैसे कुछ लोग शुल्क लेकर दूसरों के लिए शोक प्रदर्शनार्थ रोते हैं, यही उनका व्यवसाय है, उसी तरह ज्ञानी संसारासक्त जीवों के लिए काम करते हैं, किंतु स्वयं अनासक्त और अप्रभावित रहते हैं।

ज्ञानी लोग गाने वालों के साथ ताल मिलाते हैं, रोने वालों के साथ रोते हैं, हंसने वालों के साथ हंसते हैं, खेलने वालों के साथ खेलते हैं। उनका क्या नुकसान है? उनकी स्थिति शुद्ध दर्पण जैसी होती है। जैसे दर्पण बिंब को ठीक वह जैसा होता है, वैसा ही प्रतिबिंबित करता है। वह लिप्त नहीं होता, वैसे ही ज्ञानी कर्मों से लिप्त नहीं होते हैं। दूसरी ओर जो लोग जगत में कार्यरत हैं तथा सभी प्रकार के कर्म करते रहते हैं, उन अज्ञानियों को यह अवश्य निश्चित करना पड़ता है कि कौन सा गाना गाया जाए, कौन से कर्म शास्त्रसम्मत, व्यवहार्य और जगत के हित में है। ज्ञानी की अवस्था केवल ज्ञानी ही जान सकता है। ज्ञानी को समझने के लिए स्वयं हमें ज्ञानी बनना चाहिए। ज्ञानी महात्मा के चारों ओर वातावरण में शांति का अनुभव होता है। वही एक साधन है, जिससे कोई साधक किसी महात्मा की महानता को जान सकता है। उसकी वाणी, कार्य तथा बाह्य रूप उसकी महानता के चिह्न नहीं हैं, क्योंकि वह साधारण लोगों की समझ से परे है।

सम्पादकीय

रिश्तों का खून

पुणे के युवा उद्यमी केतन अग्रवाल के साथ बेवफाई और कत्ल का जो जघन्य मामला सामने आया है, उसने सबको झकझोर कर रख दिया है। उनकी उम्र महज 25 वर्ष थी और वह बीते महीनों से अपनी शादी की तैयारी में लगे थे, उनकी 20 वर्षीया मंगेतर भी तैयारियों का दिखावा कर रही थी। इस होने वाली दुल्हन ने बनते रिश्ते का ही नहीं, बल्कि होने वाले दूल्हे की जिंदगी का भी अंत कर दिया। किसी अवांछित या अप्रिय रिश्ते से बचने के दूसरे भी उपाय हो सकते हैं, पर सीधे हत्या कर देना सांविधानिक, सामाजिक और धार्मिक रूप से सरासर गलत है। यहां प्रेम विवाह नहीं, एक पारंपरिक विवाह की तैयारी थी, जहां सर्वाधिक दोष लड़की के अभिभावकों का है, जिन्होंने अपनी बेटी पर यह रिश्ता लादा। अभिभावक यदि सजग रहते, तो यह नौबत नहीं आती। बच्चे बुरी संगत में बिगड़ रहे हैं या अच्छी संगत में आगे बढ़ रहे हैं, क्या यह अभिभावकों की चिंता का विषय नहीं होना चाहिए? अपने बच्चों को पूरी आजादी दे रहे अभिभावकों को अपना थोड़ा-सा कीमती वक्त उन्हें जानने-समझने के लिए जरूर खर्च करना चाहिए।

ऐसे अपराधों के प्रति लोक ही नहीं, तंत्र को भी सजग होना पड़ेगा। बीते वर्ष के ही दो चर्चित मामले हैं। मेरठ के मर्चेंट नेवी अफसर सौरभ राजपूत को उसकी पत्नी मुस्कान रस्तोगी ने बेरहमी से काटकर नीले ड्रम में चुनवा दिया, तो इंदौर के राजा रघुवंशी को उसकी नई-नवेली पत्नी मारने के लिए मेघालय ले गई। हमें गौर करना चाहिए कि क्या इन दो मामलों में न्याय का चक्र पूरा हो चुका है? क्या लोगों तक न्याय का संदेश स्पष्टता के साथ पहुंच चुका है? कहीं न कहीं, कानून ऐसे जघन्य अपराधों का मुंहतोड़ जवाब देने में चूक जा रहा है। जिस समाज में इंसाफ की आवाज पुरजोर सुनाई पड़ती है, उसी समाज में अपराधों पर अंकुश रहता है। अब सवाल खड़ा होता है कि पुणे के युवा उद्यमी केतन अग्रवाल को कब तक न्याय मिलेगा? कानून-व्यवस्था कब मिसाल पेश करेगी? हमें यह समझना होगा कि ऐसे अपराध होने से पूर्व कुछ संकेत अवश्य मिलते हैं, इन मामलों में भी कई संकेत स्पष्ट थे, पर परिवारों व समाजों में दिल की दूरियां बढ़ रही हैं और दिखावा तेजी से बढ़ रहा है। पुणे के इस मामले में भी सभी दिखावे में लगे थे। सगाई का जश्न था, फोटो शूट की वैश्विक योजनाएं थीं, फेरों की आलीशान तैयारियां थीं, लेकिन अंदर से सब कुछ खोखला साबित हुआ।

आरएसएस की फंडिंग और संपत्तियों को

सार्वजनिक करने की मांग सिर्फ राजनीति या गंभीर मुद्दा?

सौरभ वार्ष्णेया
(दैनिक अवन्तिका)

भारत में सार्वजनिक जीवन से जुड़े संगठनों की पारदर्शिता का प्रश्न समय-समय पर उठता रहा है। हाल ही में कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियंका खरगे द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की फंडिंग, आय-व्यय, संपत्तियों और कर अनुपालन की जानकारी सार्वजनिक करने की मांग ने एक नई बहस को जन्म दिया है। प्रश्न यह है कि क्या यह केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का हिस्सा है या वास्तव में लोकतांत्रिक व्यवस्था में पारदर्शिता से जुड़ा गंभीर मुद्दा? लोकतंत्र में पारदर्शिता किसी भी संस्था की विश्वसनीयता का महत्वपूर्ण आधार होती है। राजनीतिक दलों, गैर-सरकारी संगठनों, धार्मिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने वित्तीय स्रोतों और व्यय का स्पष्ट लेखा-जोखा रखें। यदि कोई संगठन समाज और सार्वजनिक नीति पर व्यापक प्रभाव रखता है, तो उसके वित्तीय संचालन को लेकर प्रश्न उठना स्वाभाविक माना जा सकता है।

दूसरी ओर, आरएसएस स्वयं को एक सांस्कृतिक और सामाजिक संगठन बताता है, न कि राजनीतिक दल। संघ का कहना रहा है कि उसकी गतिविधियां स्वयंसेवकों के सहयोग और समाज से प्राप्त योगदान के आधार पर संचालित होती हैं तथा वह कानून के अनुसार आवश्यक अनुपालनों का पालन करता है। संघ के समर्थकों का तर्क है कि केवल आरएसएस को निशाना बनाना राजनीतिक प्रेरणा से प्रेरित प्रतीत होता है, जबकि देश में हजारों अन्य सामाजिक, धार्मिक और वैचारिक संगठन भी सक्रिय हैं। यहीं से यह मुद्दा राजनीतिक रंग ले लेता है। चूंकि आरएसएस को व्यापक रूप से भारतीय जनता पार्टी की वैचारिक प्रेरणा का स्रोत माना जाता है, इसलिए उसके वित्तीय मामलों पर उठने वाले सवाल अक्सर राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन जाते हैं। विपक्ष इसे जवाबदेही का प्रश्न बताता है, जबकि समर्थक इसे वैचारिक विरोध का परिणाम मानते हैं। वास्तविकता यह है कि पारदर्शिता की मांग को केवल राजनीति कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। यदि किसी संगठन की गतिविधियां व्यापक सामाजिक और राष्ट्रीय प्रभाव रखती हैं, तो उसके वित्तीय ढांचे के बारे में जानकारी सार्वजनिक होने से जनता का विश्वास बढ़ सकता है। लेकिन यह सिद्धांत केवल आरएसएस पर ही नहीं, बल्कि सभी बड़े सामाजिक, धार्मिक, वैचारिक और राजनीतिक संगठनों पर समान रूप से लागू होना चाहिए। भारत में समस्या यह है कि पारदर्शिता की मांग अक्सर चयनात्मक दिखाई देती है। जब सवाल केवल विरोधी विचारधारा वाले संगठनों पर उठाए जाते हैं और अपने निकट संगठनों पर नहीं, तब मांग की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लग जाता है। इसलिए आवश्यक है कि वित्तीय पारदर्शिता के लिए एक समान और सार्वभौमिक मानक विकसित किया जाए, जो सभी संस्थाओं पर समान रूप से लागू हो।

आरएसएस की फंडिंग और संपत्तियों को सार्वजनिक करने की मांग में राजनीति का तत्व अवश्य मौजूद है, क्योंकि यह एक राजनीतिक संदर्भ में उठाई गई है। किंतु इसके मूल में छिपा पारदर्शिता और जवाबदेही का प्रश्न लोकतंत्र के लिए गंभीर और महत्वपूर्ण विषय है। लोकतंत्र में किसी भी संस्था की विश्वसनीयता उसके कार्यों के साथ-साथ उसकी पारदर्शिता से भी तय होती है। इसलिए बहस का केंद्र किसी एक संगठन को घेरना नहीं, बल्कि सभी प्रभावशाली संस्थाओं के लिए समान जवाबदेही सुनिश्चित करना होना चाहिए। यही लोकतांत्रिक मूल्यों और सुशासन की वास्तविक कसौटी है।

लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही किसी भी बड़े संगठन की विश्वसनीयता को मजबूत करती है। जब राजनीतिक दलों, गैर-सरकारी संगठनों , ट्रस्टों और कंपनियों से वित्तीय विवरण सार्वजनिक करने की अपेक्षा की जाती है, तब स्वाभाविक रूप से इतने बड़े प्रभाव वाले संगठन के संबंध में भी यही मांग उठती है। समर्थकों का तर्क है कि यदि संघ अपनी आय के स्रोत, दानदाताओं की श्रेणियां, संपत्तियों का विवरण और कर संबंधी अनुपालन की जानकारी सार्वजनिक करता है, तो इससे उसके प्रति जनता का विश्वास और अधिक बढ़ेगा। दूसरी ओर, संघ का पक्ष यह रहा है कि वह स्वयं को एक स्वैच्छिक सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन मानता है और कानून के तहत जिन सूचनाओं को उपलब्ध कराना आवश्यक है, उनका पालन करता है। संघ से जुड़े विभिन्न ट्रस्ट, सेवा संस्थान और शैक्षणिक संगठन अलग-अलग कानूनी ढांचे के अंतर्गत कार्य करते हैं तथा आवश्यक वित्तीय विवरण संबंधित सरकारी एजेंसियों को उपलब्ध कराते हैं।

विवाद का मूल प्रश्न केवल आरएसएस तक सीमित नहीं है। यह व्यापक रूप से उन सभी बड़े सामाजिक, धार्मिक और वैचारिक संगठनों पर लागू होता है जिनका सार्वजनिक जीवन पर प्रभाव पड़ता है। लोकतंत्र में पारदर्शिता का सिद्धांत कहता है कि जनहित से जुड़े बड़े संस्थानों को अपनी वित्तीय और प्रशासनिक व्यवस्था के बारे में अधिक खुलापन दिखाना चाहिए। वहीं संगठनात्मक स्वतंत्रता का सिद्धांत यह भी कहता है कि किसी संस्था पर कानून से परे अतिरिक्त दबाव नहीं डाला जाना चाहिए।

ऐसे में संतुलित दृष्टिकोण यही होगा कि सरकार सभी बड़े सामाजिक, धार्मिक और वैचारिक संगठनों के लिए समान पारदर्शिता मानक विकसित करे। यदि किसी संगठन को कर छूट, सार्वजनिक दान या व्यापक सामाजिक प्रभाव का लाभ प्राप्त है, तो उसके वित्तीय और प्रशासनिक विवरणों का एक न्यूनतम स्तर तक सार्वजनिक होना लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप माना जा सकता है। यह बहस किसी एक संगठन के पक्ष या विपक्ष की नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक पारदर्शिता, जवाबदेही और संस्थागत विश्वास को मजबूत करने की है। जितनी अधिक पारदर्शिता होगी, उतना ही सार्वजनिक विश्वास बढ़ेगा और लोकतंत्र की जड़ें भी उतनी ही मजबूत होंगी।

वाह री किस्मत!

चाय की प्याली से उठते उस बेरहम धुएं में जिंदगी बिलकुल वैसे ही उलझी हुई दिखती थी, जैसे दराज के किसी कोने में पड़ी पुरानी इयरफोन की केबल, जिसे सुलझाने की कोशिश करो, तो गांठें और कस जाती हैं। मेज के उस पार वो बैठी थी, अपनी चमचमाती स्क्रीन के पीछे एक सुरक्षित दूरी बनाए हुए, और इस पार मैं था, अपने ढहते हुए वजूद के मलबे पर मुफ़्त की उस सलाह की तरह बिखरा हुआ जिसकी किसी को जरूरत नहीं होती। हम दोनों के बीच एक ऐसा भयानक सन्नाटा पसरा था, जो सिर्फ उस घर में होता है जहाँ वेंटिलेटर पर पड़े आखिरी बुजुर्ग की सांसें गिनते हुए लोग वसीयत के पन्नों पर दस्तखत होने का इंतजार कर रहे हों।

वह मुझसे बात कर रही थी, या शायद अपनी स्क्रीन पर रेंडर हो रहे किसी और अक्स को अपनी हंसी दान कर रही थी। उसकी उंगलियां की-बोर्ड पर इस बेरहमी और तेजी से नाच रही थीं जैसे कोई तजुर्बेकार कसाई बकरे की खाल उतार रहा हो या कोई बेहद सगा संबंधी आपकी सबसे दुखती रग को कुरेद रहा हो। अचानक मेरी आंखों में डिजिटल टॉर्च जैसी रोशनी मारते हुए उसने कहा, ₹तुम बदल गए हो।₹ मुझे एक तीखी हंसी आ गई। जब खुद आईने के सामने खड़े होकर अपनी ही शक्ल ढूंढने के लिए आधार कार्ड की तस्वीरों का सहारा लेना पड़े, तो सामने वाले का यह इल्जाम किसी मीठे जहर की तरह हसीन लगता है। हम सब चलते फिरते आईना हैं। वह मुझे देख रही थी, मैं उसमें अपना खोया हुआ जमीर ढूंढ रहा था और वह खुद को किसी तीसरे अनजान शख्स के लाइक्स और हार्ट वाले कमेंट्स के चश्मे से री-इमेजिन कर रही थी। क्या खबर कौन कहाँ किस की तरफ देखता है! पूरी कायनात ही जैसे किसी सस्ते सीसीटीवी कैमरे की फुटेज हो गई थी जिसमें कोई किसी का सगा नहीं था। उसने नजरें उठाईं। उसकी आंखों में एक अजीब सा रहस्य था, ठंडा, गहरा और उतना ही खोखला, जैसे उस लावारिस सूटकेस का खालीपन जो रेलवे स्टेशन पर पड़ा रह जाता है।

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 28 जून 2026 रविवार
सूर्योदय - 05:47 सूर्यास्त 19:12
ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष
राहुकाल - 16:30 से 18:00 तक
तिथि - चतुर्दशी 03:07 उपरांत पूर्णिमा
नक्षत्र - ज्येष्ठा 25:09 उपरांत मूल
योग - शुभ 13:30 शुक्ल
करण - गर
चन्द्रमा - वृश्चिक में है। 25:09 पर धनु में प्रवेश करेगा।

मेष- भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी। मान-प्रतिष्ठा में कमी आएगी।

वृषभ- कामकाज में बाधाएं आ सकती हैं। कर्मचारियों पर व्यर्थ संदेह न करें।

मिथुन- संतान की गीत-संगीत में रुचि बढ़ेगी। आज आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे।

कर्क- शोक समाचार मिल सकता है। भागदौड़ रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। अधूरे कामों में गति आएगी।

सिंह- शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। मान बढ़ेगा। स्वजनों से मेल-मिलाप होगा।

कन्या- नौकरी में ऐच्छिक पदोन्नति की संभावना है। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी।

तुला- किसी की आलोचना न करें। खानपान का ध्यान रखें। धैर्य एवं संयम रखकर काम करना होगा।

वृश्चिक- व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कानूनी मामले सुधरेंगे।बकाया वसूली के प्रयास सफल रखें।

धनु- धन का प्रबंध करने में कठिनाई आ सकती है। आहार की अनियमितता से बचें।

मकर- लाभ के अवसर मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी। कुछ मानसिक अंतर्द्वंद्व पैदा होंगे।

कुंभ- पारिवारिक उलझनों के कारण मानसिक कष्ट रहेगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। यात्रा आज न करें।

मीन- प्रोफेशनल लाइफ में सभी कार्यों को क्रिएटिविटी और नए इनोवेटिव आइडियाज के साथ कंपलीट करें।

समसामयिक

भारतीय इतिहास:सत्य, आत्मसम्मान और आत्ममंथन की त्रिवेणी बने

डा मनमोहन प्रकाश
(दैनिक अवन्तिका)

मानव समाज की समय के साथ विकसित होती यात्रा का क्रमबद्ध एवं विवेचनात्मक विवरण इतिहास कहलाता है। इतिहास हमें अपने अतीत की सभ्यता, संस्कृति, सामाजिक संरचनाओं और राजनीतिक परिवर्तनों को समझने का अवसर प्रदान करता है। किन्तु इतिहास का यह उद्देश्य तभी सार्थक हो सकता है जब उसका लेखन और विश्लेषण तथ्यपरकता, निष्पक्षता और बौद्धिक ईमानदारी के साथ किया गया हो।?इतिहास केवल घटनाओं और तिथियों का संग्रह नहीं होता; वह किसी राष्ट्र की सामूहिक स्मृति, आत्मबोध और भविष्य-दृष्टि का आधार भी होता है। भारतीय इतिहास के संदर्भ में लंबे समय से एक विमर्श चलता रहा है कि विदेशी अथवा औपनिवेशिक शासन के दौर को केवल पराधीनता काल कहा जाए अथवा उसे सतत संघर्ष काल के रूप में भी समझा जाए। यह प्रश्न केवल शब्दों के चयन का नहीं, बल्कि इतिहास-दृष्टि, राष्ट्रीय चेतना और सामूहिक आत्मसम्मान से जुड़ा हुआ है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने भी यह विचार व्यक्त किया है कि भारत का इतिहास केवल गुलामी का नहीं, बल्कि निरंतर संघर्ष का इतिहास है। यह दृष्टिकोण भारतीयों की प्रतिरोधात्मक और पुनरुत्थान की प्रक्रियाओं को भी रेखांकित करता है।

यह निर्विवाद है कि लगभग 12वीं शताब्दी के उत्तरार्ध से लेकर 1947 तक भारतीय उपमहाद्वीप के विभिन्न क्षेत्रों पर अलग-अलग समय में बाह्य मूल के शासकों तथा अंततः ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का प्रभाव रहा। इस दौरान शासन, कर व्यवस्था, न्याय व्यवस्था तथा संसाधनों पर स्थानीय समाज का पूर्ण नियंत्रण सीमित हो गया था। संभवतः इसी ऐतिहासिक यथार्थ के आधार पर इस कालखंड को पराधीनता कहा गया। किन्तु क्या इतने व्यापक और बहुआयामी कालखंड को केवल पराधीनता की संज्ञा देकर समझा जा सकता है? यदि भारतीय इतिहास का समग्र अध्ययन किया जाए, तो स्पष्ट दिखाई देता है कि राजनीतिक नियंत्रण के अनेक चरणों के समानांतर समाज में प्रतिरोध, सांस्कृतिक संरक्षण, पुनर्निर्माण और स्वाधीनता की चेतना निरंतर सक्रिय रही। भारत के इतिहास में ऐसा कोई कालखंड नहीं दिखाई देता जब संपूर्ण समाज ने निष्क्रिय होकर परिस्थितियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया हो। मध्यकालीन भारत इसका सबसे प्रखर उदाहरण प्रस्तुत करता है। इस युग में जब दिल्ली सल्तनत और मुगल साम्राज्य अपने चरम पर थे, तब भी राजनीतिक और सांस्कृतिक प्रतिरोध कभी थमा नहीं। राजपूताना में मेवाड़ के शौर्य-प्रतीक महाराणा प्रताप का संघर्ष इसका अप्रतिम उदाहरण है। अकबर की विशाल सेना और अकूत संसाधनों के सामने घुटने टेकने के बजाय, महाराणा प्रताप ने जंगलों में रहकर, सीमित साधनों के बावजूद मातृभूमि की स्वतंत्रता और आत्मसम्मान के लिए जो अनवरत युद्ध लड़ा, उसने आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रतिरोध का एक अमर आदर्श स्थापित किया। उनका संघर्ष इस बात का प्रमाण है कि भारत की आत्मा ने कभी पराधीनता को पूरी तरह स्वीकार नहीं किया।?इसी कालखंड में पूर्वोत्तर भारत में अहोम साम्राज्य ने वीर लाचित बोरफुकन के नेतृत्व में 1671 के सराईघाट युद्ध में मुगल विस्तार को निर्णायक रूप से रोका। दक्षिण भारत में विजयनगर साम्राज्य ने लंबे समय तक राजनीतिक और सांस्कृतिक शक्ति का केंद्र बने रहकर सनातन संस्कृति की रक्षा की। बाद के काल में छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा स्थापित हिन्दवी स्वराज्य की अवधारणा तथा मराठा शक्ति का विस्तार भारतीय राजनीतिक पुनरुत्थान का स्वर्णिम अध्याय बना। वहीं, गुरु गोविंद सिंह जी द्वारा खालसा पंथ की स्थापना ने धार्मिक स्वतंत्रता और सामाजिक प्रतिरोध को एक नई और ओजस्वी दिशा प्रदान की।

आपको भी लगती है जरूरत से ज्यादा भूख? तो जान लें कारण

आमतौर पर खाना खाने के बाद कुछ घंटों तक भूख नहीं लगती है। लेकिन कुछ लोग ऐसे हैं जिन्हें भरपेट खाना खाने के बाद कुछ ही देर में फिर से भूख लगने लगती हैं। वहीं, कुछ ऐसे भी लोग हैं जो गुस्सा आने या दुखी होने पर खुद को शांत करने के लिए इमोशनल ईटिंग करने लगते हैं। वैसे तो ज्यादा खाने के कई वजहें हो सकते हैं, लेकिन इसके पीछे के कारणों का पता लगाना काफी जरूरी है। जरूरत से ज्यादा खाना खाने से मोटापा और हृदय संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जब आप अपने शरीर की क्षमता से अधिक खाना खाते हैं तो इससे आपको ब्लोटिंग, हार्टबर्न और पाचन से जुड़ी कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। तो आइए जानते हैं बहुत ज्यादा भूख लगने के पीछे से कारणों के बारे में विस्तार से- इन कारणों की वजह से हमेशा लगती है आपको भूख

नींद पूरी ना होना- क्या आप जानते हैं कि अगर आप पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं तो आपको जरूरत से ज्यादा भूख लगने लगती है। ऐसा इसलिए क्योंकि नींद की कमी आपकी भूख को नियंत्रित करने वाले हार्मोन को प्रभावित करती है। जिन लोगों को नींद की कमी होती है, उन्हें भूख काफी ज्यादा लगती है, और खाने के बाद भी फुल महसूस नहीं हो पाता।

प्रोटीन की कमी- शरीर में प्रोटीन की कमी होने पर भी आपको हमेशा भूख लगती रहती है। प्रोटीन आपकी भूख को कंट्रोल करने में मदद करता है जिससे आपका कैलोरी इनटेक कम होता है। डाइट में प्रोटीन को शामिल करने से शरीर में कुछ ऐसे हार्मोन्स का प्रोडक्शन बढ़ जाता है जो आपको फुल होने का सिग्नल देते हैं और आपकी भूख को कंट्रोल करते हैं।

डिहाइड्रेशन- बॉडी की सही तरीके से फंक्शनिंग के लिए जरूरी है कि आप ज्यादा से ज्यादा मात्रा में पानी का सेवन करें। पानी आपके हार्ट हेल्थ, ब्रेन हेल्थ और डाइजेस्टिव हेल्थ के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। पानी आपको फुल रखने में मदद करता है ऐसे में जब आप पानी का सेवन नहीं करते तो इससे आपको बहुत ज्यादा भूख लगने लगती हैं।

डायबिटीज- डायबिटीज वाले लोगों को नॉर्मल लोगों की तुलना में भूख काफी ज्यादा लगती है । ऐसा इसलिए होता है कि क्योंकि इंसुलिन रेजिस्टेंस के कारण खून से ग्लूकोज कोशिकाओं में प्रवेश नहीं कर पाता। जिसके चलते, आपका शरीर खाने को एनर्जी में परिवर्तित नहीं कर पाता और इससे आपको हर समय भूख का एहसास होता रहता है। डायबिटीज के कुछ लक्षणों में शामिल हैं- ज्यादा प्यास लगना, अचानक वजन कम होना, धुंधला नजर आना, थकान और पैरों और हाथों में झुनझुनी महसूस होना।

प्रेग्नेंसी- जरूरत से ज्यादा भूख लगने के पीछे का एक और कारण प्रेगनेंसी भी है। आपका शरीर ऐसा इसलिए करता है ताकि आपके पेट में पल रहे बच्चे को सभी जरूरी पोषक तत्व मिल सके। ऐसे में जरूरी है कि आप अपने खानपान का खास ख्याल रखें और उचित अंतराल पर खाना खाएं।

- भूख को कंट्रोल करने के लिए डाइट में करें ये बदलाव
- डाइट में प्रोटीन से भरपूर चीजों जैसे अंडे, योगर्ट आदि को शामिल करें।
- ज्यादा नमक और मीठी चीजों के सेवन से बचें।
- खुद को हाइड्रेटेड रखें। इसके लिए आप अलग-अलग तरह के जूस का सेवन भी कर सकते हैं।
- शराब का सेवन कम से कम करें।

धर्म-आस्था

केवल ऐसे लोग ही जान पाते हैं ब्रह्मांड के सूक्ष्म रहस्य

सम्पूर्ण ब्रह्मांड है क्या? सर्वप्रथम आध्यात्मिक और वैदिक दृष्टि से यह जान लेना आवश्यक है। पृथ्वी के अतिरिक्त जितने भी ग्रह, उपग्रह, खगोलीय पिंड और सामान्य मनुष्य की कल्पना से परे जाकर खोजे गए ब्रह्मांडीय आवरण हैं, वास्तव में ब्रह्मांड उतने में ही समाहित नहीं होता। वैदिक और आध्यात्मिक साधना के बाद भारतीय ऋषियों, मुनियों, तपस्वियों व साधकों ने माना है कि ब्रह्मांड के वास्तविक केंद्र किसी भी जीव को पंचतत्वों से युक्त उसके जीवित तन के साथ कभी नहीं दिखाई दे सकते। पृथ्वी को छोड़ ब्रह्मांड के सभी वास्तविक केंद्र और स्थान केवल जीवात्मा को दृश्य-श्रव्य होते हैं। ब्रह्मांड के गुप्त दुर्गम अनुभव जीवात्मा को भी तब हो पाते हैं, जब वह भूलोक में अपनी पूरी जीवितावस्था में अध्यात्म वशीभूत हो सांसारिक कल्याण की भाव तरंगों से संबद्ध रही हो।

मृत्यु के बाद मनुष्य अदृश्य ज्योति स्वरूप आत्मांश के रूप में अनंत पथ पर अग्रसर होता है। यह ब्रह्मांड का वही पथ है, जहां तक मनुष्य जीते जी कभी नहीं पहुंच पाता, चाहे कितनी ही वैज्ञानिक प्रगति कर ले। आत्मांश के रूप में ब्रह्मांड के इस पथ पर चलने का अवसर सभी जीवात्माओं को नहीं मिलता। इस पथ पर चलने की योग्यता तब मिलती है, जब हम पृथ्वी पर जीव के रूप में व्यतीत समयावधि में सत्कर्मों और परोपकार से जुड़े रहते हैं। सत्कर्मों, परोपकार, करुणामयी भावनाओं पर हितकारी संवेदनाओं और परार्थ में लगे जीव को मृत्यु के बाद ब्रह्मांड के उन अनंत व गुप्त स्थानों पर विचरण करने और अपने सत्कर्मों की योग्यता के आधार पर उनमें फिर से जन्म लेने का अवसर मिलता है, जो स्थान भूलोकी जीव की कल्पना से भी परे होते हैं। यदि भूलोक में जीवन अध्यात्म आधारित कल्याण भावना के साथ व्यतीत होता हुआ आध्यात्मिकता के शीर्ष स्थान को स्पर्श कर लेता है तो ऐसे जीव की आत्मा ब्रह्मांड के अनंत व गुप्त स्थानों के संचालक परमात्मा के परम स्थान में जगह पाती है। उसे जन्म-मरण के दुष्चक्र से मुक्ति मिलती है और वह स्थिर आत्मानुभव के साथ पारलौकिक आनंद प्राप्त करता रहता है।

इसलिए सभी मनुष्यों को अपना जीवन पर-कल्याण व परोपकार में लगाकर आध्यात्मिक चिंतन-मनन करना चाहिए। इस आध्यात्मिक प्रवृत्ति में रमे रहने से मनुष्य को जीवन लोक का हर उपलब्ध आनंद तो प्राप्त होता ही है, साथ-साथ उसे चिरकाल तक परम सत्ता के आत्मानुभव में रमने का भी अवसर मिलता है।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 6000 से 6050 विशाल, 5950 से 6000 मसूर 6000,महाराष्ट्र सफेद 7400 से 7500, महाराष्ट्र लाल 7700 से 7900, कर्नाटक 8100 से 8300 निमाड़ी, डेट तुअर 6500 से 7500 मूंग बेस्ट गर्मी, 7100 से 7300 मूंग बेस्ट बोल्ड, 7500 से 7700 मीडियम बोल्ड, 7200 से 7600 मोगर 5500 से 6500 उड़द बोल्ड 8700 से 9000, उड़द गर्मी 8000 से 8400 ग्रेविटी, क्लीन 8600 से 8900 हल्का उड़द, 4000 से 6000 काबुली डॉलर, 7000 से 8400 काबुली रशियन, 5800 बिटकी 5200 से 5300, सरसों निमाड़ी 8000 से 8200, रायडा 6800 से 7000 करंज 5000, से 5200 सोयाबीन 6800 अलसी, 8500 से 9000 तिल्ली 8000 से, 9000 गेहूं मिल क्वालिटी 2500 से 2550 लोकवन 2750 से 2800, पूर्णा 2550 से 2600 मालवराज, 2600 से 2650 मक्का 1975 से 2000 चना दाल 7450 से 7550, मीडियम 7650 से 7750 रुपए।

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 700 से 800 ज्योति राशन आलू 500 से 600 गुल्ला 300 से 400 रुपए प्रति क्विंटल बिका। प्याज नया 1200 से 1300 पुराना 800 से 1000 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 300 से 400 प्रति क्विंटल रहे। लहसुन एक्स्ट्रा सुपर 13500 से 14000 देशी 10000 से 11000 एवरेज 8000 बारीक 4000 रुपए क्विंटल।

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 1450-2850, चना देशी-4999-5760, डालर चना- 4400-7990, उड़द- 7621, मूंग- 7576, सोयाबीन- 1215-8900, मैथीदाना-1340, सरसो- 6500, धनिया-10930-13306, बटला- 2860, मसूर-6201, मावा- 300 प्रतिकिलो। **सोना-चाँदी-** सोना- स्टेण्र्ड- 1,45,600 रवा-1,45,500 चांदी- टंच- 2,30,500 पाट-2,30,000।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती छड़ी 75 से 180, चावल तिबार 68 से 120, चावल पोनिया 55 से 85, चावल की टुकडी 36 से 65, चावल सेला 36.5 से 38, राइस परमेल 35 से 44, तूवर दाल निमाड़ी 130, तूवर दाल महाराष्ट्र 104 से 113, तूवर दाल अन्य 85 से 120, मूंग दाल 85 से 110, मुंग मोगर 95 से 120,उड़द मोगर 110 से 120, उड़द दाल 95 से 100, चना दाल 71 से 80।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

आंधी-बारिश के बीच सूरज पूजा में गिरी छत की गैलरी: देवास में मां-बेटी की मौत

देवास। शहर से लगे खंटाबा गांव में शुक्रवार को मान और सूरजपूजा के कार्यक्रम के दौरान बड़ा हादसा हो गया। कार्यक्रम के बाद भोजन के दौरान अचानक हवा आंधी बारिश के चलते छत की गैलरी नीचे भोजन कर रही महिलाओं पर गिर गई। घायलों को जिला अस्पताल लाया गया है। जिसमें दो महिलाएं मां और बेटी की मौत हो गई। जबकि तीन लोग घायल हैं। इसमें एक बालिका भी है। जिसका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना के बाद एसडीएम, सीएसपी सहित बीएनपी थाना पुलिस जिला अस्पताल पहुंची। जानकारी के अनुसार, भोजन के लिए महिलाओं को टेंट और नेट के नीचे पंगत लगाकर बैठाया गया था। उन्हें भोजन परोसा गया और वे भोजन ही कर रही थीं। इस दौरान दोपहर करीब साढ़े तीन बजे अचानक तेज हवा आंधी और बारिश के चलते घर की गैलरी नीचे भोजन कर रही महिलाओं के उपर गिर गई। मलबे की वजह से महिलाओं को गंभीर चोट आई। गैलरी के साथ ही पूरा नेट और टैंट भी नीचे आ गया। घायलों को निजी वाहनों से जिला अस्पताल लाया गया। जहां मां भागवंताबाई उम्र 55 वर्ष और उनकी बेटी लक्ष्मी उम्र 32 वर्ष को डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना पर एसडीएम अभिषेक शर्मा, सीएसपी सुमीत अग्रवाल जिला अस्पताल पहुंचे और परिजनों से बात कर दो घायलों को निजी अस्पताल भिजवाया। एसडीएम शर्मा ने बताया कि हादसे दो महिलाओं की मौत हुई है।

मुख्य प्रशासिका एवं मातेश्वरी जगदंबा सरस्वती का 61वां पुण्य स्मृति दिवस मनाया

ब्यावरा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय शहीद कॉलोनी ब्यावरा के तत्वाधान में ब्रह्माकुमारीज संस्था की प्रथम मुख्य प्रशासिका एवं जगदंबा स्वरूपा मातेश्वरी जगदंबा सरस्वती का 61 वां पुण्य स्मृति दिवस श्रद्धा और विश्व आध्यात्मिक ज्ञान दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाई-बहन एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में राजगढ़ जिले की प्रभारी राजयोगिनी मधु दीदी, सुप्रसिद्ध कथा वाचक आशा शर्मा दीदी, अग्रवाल समाज की महिला जिला अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा अग्रवाल, महिला मंडल के पूर्व अध्यक्ष श्रीमती भगवती अग्रवाल, श्रीमती लाड़ कुंवर केलवा, ब्यावरा सेवा केंद्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी लक्ष्मी दीदी तथा सभी अतिथियों के द्वारा मातेश्वरी जगदंबा सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। जिला प्रभारी राजयोगिनी मधु दीदी ने मातेश्वरी के दिव्य जीवन, त्याग, तपस्या और आध्यात्मिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनका जन्म वर्ष 1919 में अमृतसर में हुआ था। बचपन में उनका नाम राधा रखा गया था। मात्र 16 वर्ष की आयु में वे ईश्वरीय ज्ञान से जुड़ गईं और अपने तप, त्याग, प्रेम एवं साधना के बल पर लाखों लोगों के जीवन में परिवर्तन का माध्यम बनीं। मधु दीदी के द्वारा उनको ईश्वरीय सौगात भेट की गई बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

किसान की मौत के बाद बेटे की शिक्षा का पूरा खर्च उठाने का लिया संकल्प

उन्हेल। पिछले वर्ष में बेमौसम बारिश ने महिदपुर तहसील के ग्राम खजुरिया मंसूर निवासी किसान दिनेश पिता जगदीश शर्मा की मेहनत पर पानी फेर दिया था ।खेत में तैयार खड़ी सोयाबीन फसल पूरी तरह नष्ट हो गई। फसल खराब होने और कर्ज के दबाव से परेशान किसान यह आघात सहन नहीं कर पाए और उन्होंने आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही किसान नेता बालेश्वर आंजना पूर्व जनपद सदस्य ग्राम करनावद पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे, उन्होंने परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। मृतक किसान के दो बच्चे हैं उनकी स्थिति देखकर आंजना ने परिवार की सहमति से बड़े पुत्र रोहित शर्मा की शिक्षा की जिम्मेदारी उठाने का निर्णय लिया । माता माया शर्मा और मामा प्रकाश शर्मा की सहमति के बाद रोहित शर्मा को उज्जैन स्थित श्री उत्तमेश विद्यालय आवासीय गुरुकुल में प्रवेश दिलाया गया ।बालक की शिक्षा सहित समस्त खर्च का वहन बालेश्वर आंजना द्वारा किया जा रहा है ।उनकी यह पहल समाज में मानवता और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरक उदाहरण बनकर सामने आई है।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं साबिरा खांन पिता नाजिरा खांन निवासी 348/14, न्यू शिवाजी नगर, महिदपुर रोड़, तहसील महिदपुर जिला उज्जैन (म.प्र.) 456440 का निवासी होकर आज दिनांक 26/6/2026 से अपना पुराना नाम बदलकर नया नाम साबिर खां पिता नाजिरा खांन (Sabir Kha S/o Najira Khan) रख लिया है। अतः आज के बाद मुझे अपने नये नाम से जाना जावे एवं इसी नाम से व्यवहार किया जावे ।

दैनिक अवन्तिका

अखबार की निम्न स्थानों पर एजेंसी बदलना है

बेरछा, चौमा डाक बंगला, हाटपिपलिया, कालापीपल, खेड़ा खजूरिया, माचलपुर, खिलचीपुर, मड़ावदा, मेघनगर, माकड़ोन, नरसिंहगढ़, बुरहानपुर, पेटलावद, झाबुआ रानापुर, मनावर, सुवासरा, सोयतकलां में एजेंसी देना है।

सम्पर्क करें

दैनिक अवन्तिका कार्यालय
2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग, उज्जैन
0734-4041777, मोबा. 9977755777

दिग्विजय सिंह राम मंदिर चंदा घोटाले पर बोले

केवल इस्तीफे से नहीं, दोषियों पर FIR हो सरकार की भूमिका पर भी सवाल किया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ देवास

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े कथित वित्तीय अनियमितताओं के मुद्दे पर ट्रस्ट प्रबंधन को घेरा है। उन्होंने कहा कि मंदिर के दान और निर्माण कार्यों में घोटाले के आरोप बेहद गंभीर हैं। सिंह ने मांग की कि केवल इस्तीफों से बात नहीं बनेगी, बल्कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए।

दिग्विजय सिंह देवास पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से चर्चा करते हुए राम मंदिर ट्रस्ट में कथित अनियमितताओं और हाल ही में एक ट्रस्टी के इस्तीफे के मुद्दे पर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि आजादी के पहले और बाद के इतिहास में यह पहली बार है कि किसी सरकार के शासनकाल में मंदिर के पैसों में भी घोटाले के आरोप लग रहे हैं। सिंह ने यह भी आरोप लगाया कि राम मंदिर आंदोलन के दौरान वर्ष 1992 के बाद जो चंदा एकत्र किया गया था, उसका भी आज तक पूरा हिसाब जनता के सामने नहीं आया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मंदिर निर्माण पूरा होने के बाद भी उसकी व्यवस्थाएं विश्व हिंदू परिषद के हाथों में हैं। उन्होंने देशभर के अनेक मंदिरों और मठों का उदाहरण दिया, जिनकी व्यवस्थाएं संत-महात्माओं के पास रहती हैं और वहां इस प्रकार के विवाद या घोटाले सामने नहीं आते।

ट्रस्टी के इस्तीफा देने से मामला खत्म नहीं होगा

दिग्विजय सिंह ने जोर देकर कहा कि केवल किसी ट्रस्टी के इस्तीफा देने से मामला खत्म नहीं हो जाता। उन्होंने ट्रस्ट की व्यवस्था की जिम्मेदारी चंपत राय पर डालते हुए कहा कि उन्हें पूरे मामले की जवाबदेही लेनी चाहिए। सिंह ने आरोप लगाया कि कथित अनियमितताएं उनके भरोसेमंद लोगों द्वारा ही की गई हैं और दोषियों के खिलाफ विस्तृत जांच कर एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए।

आगर मालवा में मुहर्रम पर निकला ताजियों का जुलूस

जगह-जगह लगीं सबीलें, शरबत और खीर बांटी, मुस्तैद रहा पुलिस प्रशासन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ आगर मालवा

आगर मालवा में मुहर्रम पर्व पर गुरुवार रात ताजियों का जुलूस पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ निकाला गया। 'या हुसैन' की सदाओं के बीच अकीदतमंदों ने मातमी रस्में अदा कीं। पूरे आयोजन के दौरान शहर में अनुशासन और आपसी भाईचारे का अनूठा माहौल देखने को मिला। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरे समय मुस्तैद रहा, जिससे आयोजन शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

देर रात सरकारवाड़ा में रुके ताजिए, सुबह फिर शुरू हुआ जुलूस शहर के विभिन्न मोहल्लों से निकले सभी आकर्षक ताजिए देर रात सरकारवाड़ा पहुंचे, जहां तय परंपरा के अनुसार उन्हें मुकाम दिया गया। इसके बाद शुक्रवार सुबह सरकारवाड़ा से ताजियों का जुलूस दोबारा रवाना हुआ। सभी ताजिए अपने-अपने निर्धारित मुकामों पर पहुंचे, जहां मोहर्रम की अंतिम रस्में पूरी की गईं।

कांग्रेस ने किया वरिष्ठजनों का सम्मान

मुहर्रम के मौके पर मुल्तानी मोहल्ला में अल्पसंख्यक कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें समाज के गणमान्य नागरिकों और अतिथियों का साफा बांधकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मौजूद विजयलक्ष्मी तंवर ने मुहर्रम को त्याग, बलिदान, इंसानियत और सामाजिक सौहार्द का संदेश देने वाला पर्व बताते हुए सभी से आपसी प्रेम और सद्भाव बनाए रखने की अपील की।

सबीलों पर बांटी आइसक्रीम व खीर

जुलूस मार्ग पर विभिन्न सामाजिक संगठनों और मुस्लिम समाज के लोगों द्वारा जगह-जगह सबीलें लगाई गई थीं। इन सबीलों के माध्यम से राहगीरों और जुलूस में शामिल लोगों को ठंडा शरबत, दूध, खीर और आइसक्रीम सहित अन्य खाद्य सामग्री का वितरण किया गया।

टवेरा वाहन अनियंत्रित होकर पलटा, 3 महिलाएं घायल

उज्जैन-गरोठ फोरलेन पर हादसा

बडौद। आगर मालवा जिले में उज्जैन-गरोठ फोरलेन पर बडौद के पास दोपहर एक टवेरा वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में वाहन में सवार सोलापुर निवासी तीन महिलाएं घायल हो गईं, जबकि अन्य यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टवेरा वाहन उज्जैन की ओर जा रहा था और तेज गति में था। इसी दौरान चालक का संतुलन बिगड़ गया, जिससे वाहन सड़क किनारे पलट गया। सूचना मिलने पर एनएचएआई की एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बडौद ले जाया गया, जहां उनका उपचार किया गया। डॉक्टरों के अनुसार तीनों की हालत स्थिर है। घायल महिलाओं की पहचान बबीता पति रमेश राठौर (45), रेणुका पति कालू पंवार (35) और नीलम पति बना राठौड़ (37) के रूप में हुई है, जो सोलापुर (महाराष्ट्र) की निवासी हैं। बडौद पुलिस ने अस्पताल से प्राप्त जानकारी के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार को हादसे का कारण माना जा रहा है।

विष्णु मालवीय बने कांग्रेस अजजा विभाग जिला उपाध्यक्ष

सारंगपुर। कांग्रेस पार्टी ने संगठन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह की अनुशंसा एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रियव्रत सिंह, अनुसूचित जनजाति जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवनारायण की सहमति से वरिष्ठ कांग्रेस नेता विष्णु मालवीय को अनुसूचित जनजाति कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। कार्यकर्ताओं का मानना है कि विष्णु मालवीय की सक्रियता और अनुभव का लाभ पार्टी को मिलेगा। इस नियुक्ति से जिले में अनुसूचित जनजाति वर्ग के बीच कांग्रेस का जनाधार और अधिक मजबूत होगा तथा संगठन को जमीनी स्तर पर नई ऊर्जा मिलेगी। नव-नियुक्त उपाध्यक्ष को उनके समर्थकों, इष्ट मित्रों और पार्टी पदाधिकारियों ने बधाइयां दी।

डकैती के मामले में इनामी आरोपी गिरफ्तार

2.46 लाख का माल एवं अवैध हथियार बरामद

दैनिक अवन्तिका ▸▸ ब्यावरा

राजगढ़ जिले में गंभीर अपराधों पर कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु पुलिस अधीक्षक राजगढ़ के निर्देशन एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस ब्यावरा प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में थाना मलावर पुलिस को डकैती के एक गंभीर प्रकरण में सफलता मिली है।

थाना प्रभारी मलावर उप निरीक्षक रजनेश सिरोठिया के नेतृत्व में गठित विशेष पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, स्थानीय सूचना तंत्र, साइबर विश्लेषण एवं मुखबिर सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए इनामी आरोपी संतोष पिता रमेश माली 30 वर्ष निवासी ग्राम लखनवास थाना मलावर को गिरफ्तार किया। फरियादी भारत सिंह पिता मदनलाल लोधा 46 वर्ष निवासी ग्राम तरैना थाना मलावर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि रात्रि में अज्ञात बदमाश घर के पीछे बल्ली लगाकर मकान में घुस आए तथा कट्टे एवं चाकू की नोक पर परिवार के सदस्यों को आतंकित कर सोने-चांदी के आभूषण एवं नगदी लूटकर फरार हो गए। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना मलावर में अपराध बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए विशेष पुलिस टीम गठित कर तकनीकी साक्ष्यों, साइबर विश्लेषण, स्थानीय सूचना तंत्र एवं मुखबिर सूचना के आधार पर लगातार पतारसी की गई।

जांच के दौरान आरोपी संतोष माली को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई, जिसने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर डकैती की घटना करना स्वीकार किया।आरोपी के कब्जे से उसके हिस्से में आए 2 लाख 1 हजार नगद, एक देशी 315 बोर कट्टा, 10 जिंदा कारतूस, एक खाली कारतूस का खोखा तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जप्त की गई। कुल 2,46,000 मूल्य का माल बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया है। प्रकरण में फरार अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

बिना लाइसेंस धड़ल्ले से बिक रही कीटनाशक दवाइयां

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सारंगपुर

सारंगपुर और इसके आसपास के क्षेत्रों में इन दिनों कृषि विभाग के नियमों की धज्जियां उडाते हुए बिना लाइसेंस के कीटनाशक दुकानों का संचालन धडल्ले से किया जा रहा है। चोरी-छिपे घरों और अवैध दुकानों से बेची जा रही इन दवाइयों को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म है और किसानों में भारी आक्रोश है। स्थानीय किसानों का आरोप है कि चंद रुपयों के मुनाफे के चक्कर में कुछ अवैध कारोबारी बिना किसी वैध दस्तावेज के घटिया और अमानक कीटनाशकों की बिक्री कर रहे हैं, जिससे फसलों को भारी नुकसान होने का खतरा पैदा हो गया है।

कृषि विभाग के नियमों को ठेंगा

प्राप्त जानकारी के अनुसार क्षेत्र के कई ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में आवश्यक लाइसेंस एवं निर्धारित मापदंडों के बिना ही रासायनिक कीटनाशक सामग्री बेची जा रही है। सरकारी नियमानुसार किसी भी प्रकार की कीटनाशक दवा बेचने के लिए कृषि विभाग से बाकायदा लाइसेंस लेना, योग्य डिग्री होना और दुकान पर स्टॉक व मूल्य सूची प्रदर्शित करना अनिवार्य होता है। लेकिन क्षेत्र पाडल्यामाता आसपास के कई गांव एवं शहर में इन नियमों को पूरी तरह ताक पर रख दिया गया है।

नकली और अमानक रासायनिक दवाओं का खतरा

इस अवैध धंधे से सबसे ज्यादा परेशान क्षेत्र के अन्नादाता हैं। किसानों का कहना है कि बिना लाइसेंस बिकने वाली इन दवाओं की गुणवत्ता बेहद संदिग्ध है। जागरूक किसान फरमान मंसूरी ने चिंता जताते हुए कहा कि यदि इन नकली या निम्न गुणवत्ता वाली दवाओं का छिडकाव फसलों पर किया गया, तो कीट मरने के बजाय फसल ही बर्बाद हो जाएगी। इससे किसानों पर दोगुनी आर्थिक मार पडेगी।

किसानों ने की सख्त कार्रवाई की मांग

मामले की गंभीरता को देखते हुए किसान कांग्रेस जिला सचिव कमल सिंह राणा एवं चंदर सिंह परमार ने कृषि विभाग तथा प्रशासन से इस दिशा में तुरंत कडे कदम उठाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग को एक विशेष जांच दल गठित कर ऐसे अवैध ठिकानों पर औचक छापेमारी करनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ केस दर्ज कर सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए। उधर, किसानों ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि कृषि क्षेत्र से जुडे उत्पादों की बिक्री में पूरी पारदर्शिता और नियमों का पालन बेहद आवश्यक है, ताकि भोले-भले किसानों को किसी भी प्रकार के आर्थिक धोखे से बचाया जा सके।

सड़क पर मवेशी आने पर ट्रक-कंटेनर की टक्कर में चालक फंसा, गेट तोड़कर निकाला

देवास। टोंककला के पास एक सड़क हादसे में ट्रक चालक क्षतिग्रस्त केबिन में फंस गया। उसे बाहर निकालने के लिए करीब आधे घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चला। रस्सियों की मदद से केबिन का गेट खींचकर चालक को सुरक्षित बाहर निकाला जा सका। जानकारी के अनुसार, अनीश पाल नामक चालक ट्रक लेकर देवास से मक्सी की ओर जा रहा था। उसके आगे चल रहे एक कंटेनर के सामने अचानक मवेशी आ गए, जिस पर कंटेनर चालक ने ब्रेक लगा दिए। पीछे चल रहा ट्रक समय पर नहीं रुक सका और कंटेनर से जा टकराया। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इसके चलते चालक अनीश पाल स्टेयरिंग और केबिन के बीच बुरी तरह फंस गया।हादसे के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीण और राहगीर तुरंत मदद के लिए पहुंचे। चालक को निकालने के कई प्रयास किए गए, लेकिन केबिन बुरी तरह दब जाने के कारण सफलता नहीं मिली। बाद में रस्सियों से केबिन और गेट को बांधकर खींचा गया, जिसके बाद करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद चालक को बाहर निकाला जा सका।

भक्तों को बरसते पानी में बैठकर ग्रहण करना पड़ी भोजन प्रसादी

देवास। मां चामुंडा प्रकट उत्सव के समापन के अवसर पर नाथ संप्रदाय द्वारा जन सहयोग से विशाल भंडारे का आयोजन किया जाता है जिसमें बड़ी संख्या में माता बहने एवं नागरिक भाग लेकर भोजन प्रसादी ग्रहण करते हैं कई वर्षों से यह सिलसिला चल रहा है और इस दौरान अक्सर बारिश हो जाती है। आयोजित भंडारे के दौरान भी बारिश हुई जिससे कि भोजन प्रसादी स्थल पूरी तरह से गीला हो गया वहीं आयोजन कताओं को पॉलिथीन लगाकर शेड बनाकर भोजन प्रसादी भक्तों को ग्रहण कराना पड़ी इस दौरान बड़ी संख्या में भक्तों को गिले में बैठकर ही भोजन प्रसादी ग्रहण करना पड़ी। इस संदर्भ में कांग्रेस नेता सुधीर शर्मा ने चामुंडा देव प्रबंध संस्थान से मांग की है कि वह छोटी माताजी के सामने साइड की तरफ एक बड़ा शेड का निर्माण कर दे जिससे की बारिश में दर्शनार्थी भी गीले होने से बच जाएंगे वहीं इस तरह के आयोजन भी सफलतापूर्वक हो जाएंगे साथ ही जो शेड क्षतिग्रस्त हो गए हैं उन्हें भी सुधरवा दे ।

पुलिस की सटोरियों के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही

कोतवाली पुलिस ने सट्टा कार्यवाही कर 1,52,730 का माल किया जप्त

ब्यावरा। राजगढ़ जिले में जुआ और सट्टा जैसी अवैध गतिविधियों के खिलाफ निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। उक्त अभियान के अंतर्गत थाना कोतवाली पुलिस टीम ने सट्टा खेलने एवं खिलाने वालों के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही की है। कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि राजगढ़ कस्बे में कुछ व्यक्ति अलग अलग जगह पर सट्टा डायरी पर अंक लिखकर रुपये-पैसों से हार-जीत का दांव लगाकर सट्टा खेल रहे हैं। तत्काल थाना प्रभारी द्वारा पुलिस टीम गठित कर मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान पर दबिशें दी गईं। दबिश के दौरान आरोपी हरीश पिता गुड्डा प्रजापति 30 वर्ष निवासी पुरा मोहल्ला राजगढ़, इरशाद उर्फ मिच्चू पिता यूसुफ मेवाती 32 वर्ष, निवासी कालाखेत राजगढ़,ओमप्रकाश उर्फ पिंटू पिता छोटूलाल वर्मा 30 वर्ष निवासी बिरजीपुरा राजगढ़, संतोष उर्फ पंडित पिता मांगीलाल वर्मा 48 वर्ष निवासी तिलक नगर राजगढ़ के विरुद्ध कार्यवाही की गई। आरोपियों के कब्जे से सट्टा अंक लिखी डायरी, लीड पेन, नगद 1,52,730 रु का माल जप्त किया गया। उक्त प्रकरण में आरोपियों एवं जांच के अन्य आरोपियों के विरुद्ध सट्टा अधिनियम की धारा एवं भारतीय न्याय संहिता की धारा 49 के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया।

कई क्षेत्रों में आज प्रातः 7 से 11 बजे तक बंद रहेगी बिजली आपूर्ति

शाजापुर। शहर के कई क्षेत्रों में रविवार, 28 जून को सुबह 7 बजे से 11 बजे तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। बिजली कंपनी के अनुसार, 11 न्यू कलेक्टर फीडर पर रखरखाव और फोरलेन हाईवे निर्माण के तहत 11 केवी लाइन शिफ्टिंग का कार्य किया जाएगा। इस दौरान लालघाटी उपकेंद्र से निकलने वाले 11 केवी जेल, 11 केवी इमरजेंसी और 11 केवी शाजापुर प्रथम फीडर से जुड़े क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, जिला पंचायत, जिला जेल, कलेक्ट्रेट, ट्रॉमा सेंटर, डाइट कॉलेज, केंद्रीय विद्यालय, एसपी कार्यालय, विजय नगर, ज्योति नगर, राजराजेश्वरी मंदिर, डॉ. भीमराव अंबेडकर अस्पताल, लक्ष्मीनगर, राधास्वामी आश्रम, लोधियों रोड, हरियापुरा, पाटीदार नर्सिंग होम, टेंशन चौक, कॉलेज के पीछे का क्षेत्र, गांधी हॉल, पुलिस लाइन और होमगार्ड कार्यालय के आसपास के इलाकों में चार घंटे तक बिजली नहीं रहेगी। बिजली कंपनी ने लोगों से अपील की है कि वे अपने जरूरी काम पहले ही निपटा लें। विभाग ने बताया कि यदि निर्धारित कार्य समय से पहले पूरा हो जाता है, तो बिजली आपूर्ति भी तय समय से पहले शुरू कर दी जाएगी।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार ने ऋषभ राज चौहान पिता श्री बनेसिंह चौहान, निवासी-22, एल.आई.जी.-2, इन्द्रानगर आगर रोड उज्जैन से उनके स्वत्व एवं आधिपत्य का भुखण्ड क्रमांक-91 का दक्षिण-पूर्व दिशा वाला भाग, एच.आई.जी. ग्राम लालपुर हामुखेडी तहसील व जिला उज्जैन में स्थित हैं जिसका कुल क्षेत्रफल 159.06 वर्ग मीटर अर्थात 1712.85 वर्ग फीट हैं को मेरे पक्षकार ने सौदा कर विधिवत रूप से स्वयं के हित में अनुबंध पत्र के निष्पादन के समय बयाना राशि अदा कर अनुबंधित किया हैं तथा जाहिर सुचना के प्रकाशन पर किसी भी प्रकार की आपत्ति नही आने की दशा में निष्पादित अनुबंध पत्र की शर्त अनुसार निहित समयावधि में शेष राशि अदा कर दस्तावेज विक्रय पत्र का निष्पादन करवाया जावेगा। उक्त सम्पत्ति पर किसी भी प्रकार का सरकारी, साहूकारी या बैंक या किसी भी विभाग या वित्तिय संस्था अथवा सोसायटी का कोई ऋण भार हो या किसी का उक्त सम्पत्ति में कोई हक, हित, हिस्सा या अधिकार हो तो ऐसे सम्बंधित व्यक्ति / विभाग इस जाहिर सूचना प्रकाशन से पन्द्राह दिवस की अवधि में मय प्रमाण दस्तावेज सहित लिखित में अपनी आपत्ति कार्यालयीन समय में प्रस्तुत करें ताकि उसका निराकरण करवाया जा सके, अन्यथा सूचना प्रकाशन की अवधि व्यतीत होने के पश्चात मेरे पक्षकार द्वारा विधिवत रूप से अनुबंध पत्र की शर्त अनुसार दस्तावेज विक्रय पत्र का निष्पादन करवा लिया जाएगा व कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। इति दिनांक-27.06.2026

योगेश शर्मा एडवोकेट
कार्यालय-डी.एफ.-9, भरतपुरी काम्प्लेक्स देवास रोड, उज्जैन

अमित शाह ने गांधीनगर से गुजरात के लिए भारत टैक्सी का शुभारंभ किया

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज गुजरात के गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर सम्मेलन एवं प्रदर्शनी केंद्र में सहकारिता आधारित मोबिलिटी प्लेटफॉर्म 'भारत टैक्सी' का गुजरात में शुभारंभ किया।

भारत टैक्सी का उद्देश्य टैक्सी, ऑटो और दोपहिया मोबिलिटी सेवाओं से जुड़े सारथियों को मालिकाना हिस्सेदारी, सम्मान, सुरक्षा और समृद्धि से जोड़ते हुए नागरिकों को विश्वसनीय और सेवा-भाव आधारित यातायात सुविधा उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्रभाई पटेल, उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी, गुजरात के सहकारिता मंत्री जीतूभाई वाघाणी, गुजरात के सहकारिता राज्य मंत्री रमेशभाई कटारा, सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी, गुजरात के मुख्य सचिव मनोज दास, भारत टैक्सी के अध्यक्ष डॉ. जयेन मेहता सहित सहकारिता क्षेत्र के वरिष्ठ प्रतिनिधि, अधिकारीगण और बड़ी संख्या में सारथी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अपने संबोधन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज भारत के मोबिलिटी क्षेत्र के लिए एक बहुत बड़ा दिन है। उन्होंने कहा कि देश के विकास के साथ टैक्सी और यातायात सेवाओं की आवश्यकता घर-घर तक पहुंची है और अब टैक्सी की अवधारणा चारपहिया वाहन तक सीमित नहीं रही, बल्कि दोपहिया, ऑटो और अन्य शहरी परिवहन सेवाएं भी इसका हिस्सा बन चुकी हैं। गुजरात में 'भारत टैक्सी' का शुभारंभ इसी व्यापक मोबिलिटी जरूरत को सहकारिता के माध्यम से नई दिशा देने वाला कदम है। अमित शाह ने कहा कि अन्य कंपनियां वाहन चलाने वालों को ड्राइवर मानती हैं, लेकिन भारत टैक्सी उन्हें 'सारथी' मानती है। उन्होंने कहा कि यह केवल शब्दों का अंतर नहीं, बल्कि पूरी सोच का अंतर है। 'सारथी' केवल सेवा प्रदाता नहीं, बल्कि इस सहकारी संस्था के सम्मानित भागीदार और 'मालिक' हैं। भारत टैक्सी का मूल उद्देश्य सारथियों और ग्राहकों—दोनों का शोषण रोकना, सेवा की गुणवत्ता बढ़ाना और मोबिलिटी क्षेत्र में न्यायपूर्ण व्यवस्था स्थापित करना है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि पिछले वर्षों में ऐप आधारित टैक्सी सेवाओं को लेकर अनेक शिकायतें सामने आईं—कहीं सारथियों की कमाई से अत्यधिक कमीशन लिया गया, कहीं भुगतान समय पर नहीं पहुंचा, तो कहीं बिना सुनवाई के रजिस्ट्रेशन बंद कर दिया गया। उन्होंने कहा कि हर समस्या का समाधान केवल कानून से नहीं होता; कई बार सही संस्थागत मॉडल ही स्थायी समाधान देता है। इसी सोच से सहकारी मॉडल पर भारत टैक्सी की परिकल्पना की गई। श्री अमित शाह ने कहा कि सहकारिता ने देश में कई क्षेत्रों में शोषण समाप्त कर लोगों को अधिकार और समृद्धि दी है। अमूल का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि मात्र 100 के शेयर से सहकारी व्यवस्था से जुड़ने वाली ग्रामीण पशुपालक बहन आज 1.25 लाख करोड़ के कारोबार वाले विश्वसनीय खाद्य ब्रांड की भागीदार है। अमूल ने यह सिद्ध किया है। कि सहकारिता के माध्यम से बिना बिचौलियों, एक विशाल आर्थिक व्यवस्था खड़ी की जा सकती है।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह का बड़नगर में स्वागत किया

बड़नगर। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता माननीय दिग्विजय सिंह जी के बड़नगर आगमन पर भव्य और ऐतिहासिक स्वागत किया गया। ऊँकार-लीला पैलेस, बड़नगर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गगनभेदी नारों और गाजे-बाजे के साथ अपने चहेते नेता की अगवानी की व पूर्व विधायक मुरली मोरवाल ने पूर्व मुख्यमंत्री का स्वागत सुत की माला पहनाकर व पगड़ी पहनाकर व साल ओड़ाकर किया।

इसके साथ ही ग्राम इंगोरिया, बलेडी, दंगवाड़ा, नरसिंगा, दौलतपुर, पीरझालार और बिरगोदा रणधीर, भैसला कलां, में भी पूर्व विधायक मुरली मोरवाल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने अभूतपूर्व उत्साह के साथ माननीय दिग्विजय सिंह जी का आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह एवं पूर्व विधायक मुरली मोरवाल ने स्वर्गीय राधेश्याम जी मुंडेल के निवास स्थान पर पहुंचकर उनके चित्र माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया। संबोधन में बरसे दिग्विजय सिंह, भाजपा की नीतियों पर उठाए गंभीर सवाल समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार पर तीखे राजनीतिक हमले किए। संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार पर तीखे राजनीतिक हमले किए। उन्होंने देश और प्रदेश के ज्वलंत मुद्दों को उठाते हुए कहा की आज पूरे देश की आस्था के केंद्र अयोध्या के राम मंदिर में जिस तरह की अव्यवस्था और चोरी की खबरें आ रही हैं, वह बेहद चिंताजनक और शर्मनाक है पूर्व मुख्यमंत्री ने पूर्व विधायक मुरली मोरवाल की पीठ थपथपाते हुए कहा कि मोरवाल हमेशा से ही जमीन पर रहकर जनता की सच्ची सेवा करते आए हैं और कार्यकर्ताओं के सुख-दुख में चैबीस घंटे खडे रहते हैं। कार्यक्रम के आयोजक और पूर्व विधायक मुरली मोरवाल ने अपने उद्बोधन में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा दिग्विजय सिंह हमारे मार्गदर्शक हैं। हमने बड़नगर के कार्यकर्ताओं की भावना को ध्यान में रखकर जब भी उन्हें आमंत्रित किया, उन्होंने हमेशा अपने व्यस्त समय में से वक्त निकालकर हमारे मान-सम्मान को बढ़ाया है। आज हम सभी कार्यकर्ताओं को दिग्विजय सिंह जी को यह अटूट विश्वास दिलाना है कि बडनगर सहित पूरे प्रदेश का कार्यकर्ता एकजुट है। सब मिलकर दिन-रात मेहनत करेंगे और एक बार फिर मध्य प्रदेश में कांग्रेस पार्टी की बेहद मजबूत और जनहितैषी सरकार बनाने जा रहे हैं। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेश परमार, विधायक दिनेश जैन बोस, शहर कांग्रेस उज्जैन अध्यक्ष मुकेश भाटी आदि थे।

सिंधिया बोले- प्रकृति ने जो दिया वह हमारी बपौती नहीं

गुना। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि प्रकृति ने हमें जो दिया है, वह हमारी बपौती नहीं है, बल्कि आने वाली पीढियों के लिए विश्वास के रूप में सौंपा गया है। इसलिए हमारा दायित्व है कि हम पृथ्वी को जिस स्वरूप में पाए हैं, उससे बेहतर स्थिति में भविष्य की पीढ़ियों के लिए तैयार करें। सिंधिया शनिवार को जिले के कंजा गांव में कूनो नदी के उद्गम स्थल पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर चलाए जा रहे 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत 700 पौधों का रोपण किया। केंद्रीय मंत्री ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया। इस दौरान सिंधिया ने 'जल गंगा संवर्धन अभियान-जन संरक्षण का जन आंदोलन' की शुरुआत भी की।

फाइनेंस कर्मचारी की मौत के मामले में एफआईआर

गुना। गुना में श्रीराम फाइनेंस के कलेक्शन एजेंट सचिन सेन (30) की शुक्रवार को ऑफिस की बिल्डिंग से गिरकर हुई संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। कैंट पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर कंपनी के ग्वालियर संभाग के अधिकारी जगजीत सिंह और स्थानीय कर्मचारी हलीम खान के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर ली है। मृतक के भाई मनीष सेन ने पुलिस को बताया कि सचिन पिछले दो वर्षों से कंपनी में कार्यरत था। तीन दिन पहले वह ग्वालियर से आए वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मीटिंग के लिए घर से निकला था। परिजनों का आरोप है कि कंपनी के अधिकारी उसे लगातार पैसों की व्यवस्था करने का दबाव बना रहे थे और उसे पिछले 3 दिनों से ऑफिस में बंधक बनाकर रखा गया था। परिजनों को आशंका है कि सचिन ऑफिस से छूटने के प्रयास में बिल्डिंग से भागा होगा या फिर उसे धक्का दिया गया है।

माइनिंग इंस्पेक्टर ने युवक को जड़ा थप्पड़

शिवपुरी। पिछोर थाना क्षेत्र में अवैध खनिज परिवहन (माइनिंग) के खिलाफ हुई कार्रवाई का मामला अब एक नया मोड़ ले चुका है. इस पूरे घटनाक्रम का एक सनसनीखेज वीडियो सामने आया है. जिसने खनिज विभाग की कार्रवाई और दावों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. इस वीडियो में खनिज निरीक्षक खुद एक युवक को थप्पड़ मारते नजर आ रहे हैं. जबकि इस घटना के बाद उन्होंने इसी युवक और उसके साथियों पर शासकीय कार्य में बाधा डालने का मुकदमा दर्ज कराया था. वीडियो में खनिज निरीक्षक ऋषभ दीक्षित से मंगल लोधी नाम का एक युवक अपना मोबाइल मांगते हुए दिखाई दे रहा है. इस दौरान माइनिंग इंस्पेक्टर अचानक अपना आपा खो बैठे और मंगल लोधी को एक जोरदार थप्पड़ जड़ दिया। मौके पर मौजूद दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस और धक्का-मुक्की शुरू हो जाती है।

मानसून की पहली बारिश पेड़-खंभे गिरे, ढाबा ढहा

शिवपुरी। शिवपुरी में शनिवार दोपहर मानसून की पहली तेज बारिश और आंधी ने शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक भारी नुकसान पहुंचाया। तेज हवा के कारण कई जगह पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए। पेड़ों के गिरने से एक कार और बाइक क्षतिग्रस्त हो गईं। वहीं, सुभाषपुरा गांव में एक ढाबा और मकान धराशायी हो गए, जबकि एक पेट्रोल पंप को भी नुकसान पहुंचा। राहत की बात यह रही कि किसी भी घटना में जनहानि नहीं हुई।शहर के पोलो ग्राउंड के पास तेज आंधी के कारण दो बड़े पेड़ जड़ से उखड़कर गिर गए। एक पेड़ पास की दुकान और उसकी बाउंड्री पर गिरा, जिससे दोनों को नुकसान पहुंचा। वहीं दूसरा पेड़ एक बड़े होर्डिंग पर गिरने से वह भी धराशायी हो गया। इसी दौरान वहां खड़ी एक कार भी पेड़ की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि, घटना के समय आसपास कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

विशाल हत्याकांड के दो इनामी भाई भोपाल से गिरफ्तार

दतिया। दतिया में कोतवाली थाना अंतर्गत सिद्धार्थ कॉलोनी में 24 वर्षीय विशाल कुशवाहा की गोली मारकर हत्या करने के मामले में फरार चल रहे 10-10 हजार रुपए के इनामी दो सगे भाइयों को पुलिस ने भोपाल से गिरफ्तार कर लिया। शनिवार शाम पुलिस ने दोनों आरोपियों का पीतांबरा चौराहे के पास जुलूस निकाला। पूछताछ के बाद पुलिस ने उनके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई दो रायफल और 47 जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। इस कार्रवाई के साथ ही हत्याकांड में नामजद सभी छह आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आ गए हैं।

हाट बाजार की सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाया

दतिया। दतिया के बड़ौनी थाना क्षेत्र के गोपालपुरा-कुरथरा गांव में प्रशासन ने शासकीय हाट बाजार की जमीन पर किए गए अवैध अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। पुलिस चौकी के ठीक पास स्थित हाट बाजार की सरकारी भूमि पर किए गए कब्जे को शनिवार को भारी पुलिस बल की मौजूदगी में जेसीबी से ध्वस्त कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान करीब 0.01 हेक्टेयर (लगभग 1000 वर्ग फीट) शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। कार्रवाई बड़ौनी तहसीलदार सुनील कुमार प्रभास के नेतृत्व में राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने की। स्थानीय लोगों के अनुसार, गोपालपुरा-कुरथरा का हाट बाजार आसपास के ग्रामीणों और छोटे व्यापारियों के लिए प्रमुख व्यापारिक केंद्र है। पिछले कुछ समय से कुछ लोगों की नजर इस बेशकीमती शासकीय जमीन पर थी। आरोप है कि अतिक्रमणकारी यहां पक्की दुकानें बनाकर स्थायी कब्जा करने की तैयारी में थे। ग्रामीणों का कहना है कार्रवाई नहीं होती तो धीरे-धीरे पूरे हाट बाजार की भूमि पर कब्जा हो सकता था।

14 गौ सेवकों की रिहाई को लेकर अशोकनगर में प्रदर्शन

अशोकनगर। अशोकनगर में राष्ट्रीय गौ सेवा परिषद के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को 14 गौ सेवकों पर हुई कार्रवाई के विरोध में प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने जिला अस्पताल चौराहे से कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली और राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। हाथों में भगवा झड़ा और बैनर लिए कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने एसडीएम के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजकर 14 गौ सेवकों की शीघ्र रिहाई की मांग की। ज्ञापन में परिषद ने कहा कि गौ संरक्षण और गौ सेवा से जुड़े 14 गौ सेवकों को गिरफ्तार किया गया है। यदि उन्होंने कोई अपराध नहीं किया है और केवल गौ सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहे थे, तो उनके प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर शीघ्र न्याय दिलाया जाए।

ग्वालियर पुलिस कंट्रोल रूम में ई-विवेचना टैबलेट वितरण

ग्वालियर। ग्वालियर पुलिस अब अपराधों की विवेचना को पूरी तरह डिजिटल और तकनीक आधारित बनाने जा रही है। जांच प्रक्रिया को आधुनिक स्वरूप देने के लिए पुलिस मुख्यालय, भोपाल ने ग्वालियर पुलिस को 650 ई-विवेचना टैबलेट उपलब्ध कराए हैं।

इन टैबलेट्स की मदद से विवेचना अधिकारी घटनास्थल पर ही फोटो, वीडियो, दस्तावेज और अन्य डिजिटल साक्ष्य एकत्र कर उन्हें तुरंत ऑनलाइन सिस्टम पर अपलोड कर सकेंगे। इससे जांच में तेजी आएगी, पारदर्शिता बढ़ेगी और साक्ष्यों का सुरक्षित संरक्षण भी सुनिश्चित होगा।

ग्वालियर पुलिस कंट्रोल रूम में ई-विवेचना टैबलेट वितरण करते आईजी अरविंद सक्सेना। ग्वालियर पुलिस कंट्रोल रूम में ई-विवेचना टैबलेट वितरण करते आईजी अरविंद सक्सेना। ग्वालियर पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान ग्वालियर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) अरविंद सक्सेना ने विवेचना अधिकारियों को ई-विवेचना टैबलेट वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ पुलिसिंग को तकनीकी रूप से सक्षम बनाना जरूरी है। नई व्यवस्था से जांच अधिकारी घटनास्थल से ही सभी आवश्यक साक्ष्य सुरक्षित तरीके से अपलोड कर सकेंगे, जिससे विवेचना की विश्वसनीयता और गुणवत्ता दोनों में सुधार होगा। ई-विवेचना एप्लीकेशन के माध्यम से केस डायरी भी रियल टाइम में अपडेट होगी। जांच से जुड़ी हर कार्रवाई का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार होगा, जिससे पूरे प्रकरण की मॉनिटरिंग आसान हो जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, सिस्टम में डेटा पूरी तरह सुरक्षित और गोपनीय रहेगा, जिससे रिकॉर्ड से छेड़छाड़ की आशंका भी काफी हद तक खत्म हो जाएगी।

आकाशीय बिजली गिरी, दो युवकों की मौत, तीसरा गंभीर घायल

सीहोर। सीहोर जिले में शनिवार को आकाशीय बिजली गिरने से दो अलग-अलग घटनाओं में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे लसूडिया बोडी और सिराडी गांव में हुए। दोनों घटनाओं के बाद इलाके में शोक का माहौल है।

पहली घटना लसूडिया बोडी गांव की है। यहां भरत जांगड़ा (26) और दौलत सिंह खेत में फसलों पर दवा का छिड़काव कर रहे थे। इसी दौरान तेज गरज-चमक के साथ आकाशीय बिजली गिर गई, जिससे दोनों इसकी चपेट में आ गए।

दोनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलकिसगंज ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें रेफर किया गया, लेकिन इलाज के दौरान भरत जांगड़ा की मौत हो गई। दौलत सिंह का उपचार जारी है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। दूसरी घटना इछावर थाना क्षेत्र के सिराडी गांव की है। यहां 18 वर्षीय पवन पिता राधेश्याम अपनी मां के साथ घर के आंगन में बैठकर मोबाइल चला रहा था। तभी तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली उस पर गिर गई। गंभीर रूप से झुलसने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

परिजनों के अनुसार, पवन अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। उसकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घटना की सूचना मिलने पर इछावर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया। इसके बाद शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया गया।

प्रशासन ने जारी की एडवाइजरी

मौसम विभाग और जिला प्रशासन ने नागरिकों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने की अपील की है। प्रशासन ने कहा है कि गरज-चमक और बिजली गिरने की स्थिति में घर के अंदर रहें, पेड़ों के नीचे शरण न लें तथा खुले स्थानों पर मोबाइल या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग करने से बचें।

किसान की फसल पर चलाया ट्रैक्टर

सीहोर। सीहोर जिले के अहमदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पीपलखेड़ा गांव में एक किसान की बोई हुई फसल को ट्रैक्टर से रौंदकर नष्ट करने का मामला सामने आया है। गांव के ही पांच लोगों ने किसान के खेत में जबरन ट्रैक्टर चला दिया और जब पीड़ित पक्ष ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, तो आरोपियों ने उनके साथ गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। गुंडागर्दी की इस पूरी घटना का एक वीडियो भी सामने आया है।

रास्ते के पुराने विवाद में युवक की जान गई

अशोकनगर। अशोकनगर जिले के बहादुरपुर थाना क्षेत्र के पुरा गांव में चार साल पुराने जमीनी विवाद ने शनिवार दोपहर एक युवक की जान ले ली। इस खूनी संघर्ष में दोनों पक्षों के कुल एक दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है, जिसके मद्देनजर पुलिस बल तैनात किया गया है। यह विवाद पुरा गांव के खेतों में फूलसिंह गुर्जर और श्यामसुंदर गुर्जर नाम के दो भाइयों के मकानों और खेतों तक पहुंचने के रास्ते को लेकर था। इन दोनों भाइयों के खेतों तक पहुंचने के लिए कोई सीधा रास्ता नहीं था, और वे हमेशा पड़ोसी के खेत से आने-जाने को लेकर विवादों में रहते थे। कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया था। पिछले चार वर्षों में इस विवाद को लेकर कई बार एफआईआर दर्ज की गईं और मामला राजस्व विभाग तक भी पहुंचा। दोनों पक्षों ने कलेक्टर के समक्ष जनसुनवाई में भी अपनी बात रखी, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया था।

1.65 लाख की लूट की सूचना निकली फर्जी

ग्वालियर। ग्वालियर के पुरानी छावनी थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक पिकअप (लोडिंग वाहन) चालक ने स्टोन पार्क के पास कार सवार बदमाशों द्वारा मारपीट कर 1.65 लाख रुपए लूटने की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारी और थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची।

हालांकि, घटनास्थल की जांच के दौरान पुलिस को लूट के कोई साक्ष्य नहीं मिले। इसके बाद जब चालक से गहन पूछताछ की गई तो महज दो घंटे में पूरे मामले का खुलासा हो गया। चालक ने स्वीकार किया कि उसने कर्जदारों का पैसा चुकाने और वाहन मालिक को धोखा देने के लिए लूट की झूठी कहानी गढ़ी थी।

स्टोन पार्क के पास लूट की दी थी सूचना

पुरानी छावनी थाना में शनिवार सुबह करीब 10 बजे मुरैना के खिरावली गांव का निवासी जबर सिंह गुर्जर पहुंचा और पुलिस को अपने साथ लूट की कहानी सुनाई। जबर सिंह ने पुलिस को बताया कि वह पेशे से ड्राइवर है और अभी पिकअप वाहन चलाता है।

साथ ही बताया कि जब वह स्टोन पार्क के पास से गुजर रहा था, तभी एक अज्ञात कार चालक और उसके साथ मौजूद 2-3 अन्य लोगों ने उसे जबरन रोका। आरोपियों ने उसके साथ बेरहमी से मारपीट की और गाड़ी में रखे 1,65,000 रुपए की नकद राशि लूटकर फरार हो गए।

अपनी ही कहानी में उलझा ड्राइवर

दिनदहाड़े हाईवे के पास 1.65 लाख रुपए की लूट की खबर मिलते ही थाना प्रभारी डॉ. संतोष यादव ने तुरंत वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को मामले की गंभीरता से अवगत कराया। पुलिस की एक विशेष टीम तत्काल ड्राइवर (फरियादी) को साथ लेकर घटना स्थल (स्टोन पार्क) पर पहुंची।

पुलिस ने जब घटना स्थल के आसपास के हालात देखे और ड्राइवर जबर सिंह से वारदात के समय, बदमाशों के हुलिए और कार के नंबर को लेकर गहन पूछताछ की, तो उसके बयानों में भारी विरोधाभास (अंतर) नजर आया। लूट जैसी बड़ी वारदात होने के बावजूद ड्राइवर के शरीर पर न तो मारपीट के कोई ठोस निशान थे और न ही वह घटना का सही क्रम बता पा रहा था। मामला संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस उसे विस्तृत पूछताछ के लिए थाने ले आई।

2 घंटे की पूछताछ में कबूला अपना गुनाह

थाने के शांत माहौल में जब पुलिस अधिकारियों ने जबर सिंह से पुलिसिया अंदाज में पूछताछ शुरू की, तो वह ज्यादा देर तक अपनी झूठी कहानी पर टिक नहीं सका और रोने लगा। उसने कुबूल किया कि उसके साथ कोई लूट नहीं हुई थी। उस पर बाजार का काफी कर्ज था और कर्जदार लगातार उस पर पैसे वापस करने का दबाव बना रहे थे। पिकअप की ट्रिप से आए 1.65 लाख रुपए उसके पास रखे थे, जो गाड़ी के मालिक के थे। रुपए देखकर उसके मन में लालच आ गया था।

शंकराचार्य सदानंद सरस्वती बोले- मंदिरों के धन पर सरकार का अधिकार नहीं

भोपाल। द्वारका शारदा पीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती महाराज ने मंदिरों के प्रबंधन और उनकी आय को लेकर बड़ा बयान दिया है। भोपाल में मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि मंदिरों में सरकार का हस्तक्षेप समाप्त होना चाहिए और मंदिरों में श्रद्धालुओं द्वारा दिए जाने वाले चढ़ावे व दान का उपयोग उसी क्षेत्र के जनकल्याण और विकास कार्यों में किया जाना चाहिए।

उन्होंने अयोध्या राम मंदिर के कथित चढ़ावा चोरी मामले में भी दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। शंकराचार्य सदानंद सरस्वती ने कहा कि देश के बड़े मंदिरों में दान और चढ़ावे के रूप में करोड़ों रुपये की आय होती है। इस धन का उपयोग संबंधित जिले और क्षेत्र के विकास के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मंदिरों की नियमित व्यवस्थाओं का खर्च निकालने के बाद बचने वाली राशि से अस्पताल, पाठशालाएं, धर्मशालाएं, गौशालाएं और संस्कृत विद्यालय जैसे जनहित के कार्य किए जाएं। उन्होंने कहा कि मंदिरों का धन किसी अन्य उद्देश्य पर खर्च नहीं होना चाहिए, बल्कि जिस क्षेत्र में मंदिर स्थित है, उसी क्षेत्र के विकास में लगाया जाना चाहिए। इससे स्थानीय लोगों को सीधा लाभ मिलेगा और धार्मिक संस्थाएं भी सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेंगी।

बीमार पड़ रहे रेजिडेंट डॉक्टर

भोपाल। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन के सर्वे में खुलासा हुआ है कि देश के 88त्न रेजिडेंट डॉक्टर बर्नआउट का शिकार हैं। लंबी ड्यूटी, नींद की कमी और मानसिक तनाव के कारण हर दूसरा डॉक्टर रेजिडेंसी छोड़ने का विचार कर चुका है, जबकि 17त्न ने सेल्फ हार्म जैसे विचार आने की बात स्वीकार की। मध्य प्रदेश में भी ऐसे हालात के बीच डॉक्टरों की आत्महत्या के कई मामले सामने आ चुके हैं।

हवाई फायर रोकने पर गोली मारने वाला गिरफ्तार

ग्वालियर। ग्वालियर के बिजौली थाना पुलिस ने लगुन-फलदान कार्यक्रम में सरेराह गोलीबारी करने और विरोध करने पर एक युवक को गोली मारने वाले बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने न सिर्फ आरोपी को दबोचा, बल्कि इलाके में बदमाशों के मन में पुलिस का खौफ पैदा करने और आम जनता के बीच विश्वास बहाल करने के लिए शुक्रवार को सीन रीक्रिएशन किया। पुलिस बदमाश को हथकड़ी लगाकर पैदल-पैदल उस घटनास्थल (पंडाल) तक लेकर गई, जहां उसने इस घटना को अंजाम दिया था। इस दौरान वह सिर झुकाकर चलता नजर आया। लोग उस पर हंस रहे थे।

जाहिर सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार दारासिंह जाट आत्मज दयाराम जी जाट निवासी-1/1 लालबाई फूलबाई मार्ग उर्दूपुरा उज्जैन से प्राप्त जानकारी अनुसार मेरे पक्षकार ने विक्रेता 1. हेमराज आत्मज सुखराम जी निवासी-4/2 आनंदगंज की झिरी इंदौर गेट उज्जैन के स्वामित्व एव आधिपत्य की भूमि / भूखण्ड जो भूमि सर्वे क्रमांक-35/7 रकबा 0.0260 हे. होकर सदर भूमि / भूखण्ड का यूनिक आई. डी. क्रमांक-1043834951 है एव सदर भूमि / भूखण्ड प.ह.न. शंकरपुर ग्राम शंकरपुर तहसील उज्जैन नगर जिला उज्जैन में स्थित है, सदर भूमि / भूखण्ड के पूर्व मे-नारंग साहब का पेट्रोल पंप, पश्चिम में अन्य का मकान, उत्तर में राठौर परिवार की भूमि, दक्षिण मे-शंकरपुर मक्सी रोड है. उपरोक्त वर्णीत सदर भूमि/भूखण्ड का सोदा विक्रेता ने मेरे पक्षकार के हित में कतई कर दिया है तथा विक्रेता ने सदर भूमि/भूखण्ड के पेटे अग्रीम राशि प्राप्त कर मेरे पक्षकार के हित में सदर भूमि / भूखण्ड की विक्रय सौदा चिट्ठी लेख को भी संपादित कर विक्रय-पत्र कराना शेष है। दिया है एवं अनुबंधित समयावधि मे शेष विक्रय मुल्य राशि का भुगतान कर सदर भूमि/भूखण्ड की रजिस्ट्री उपरोक्त भूमि/भूखण्ड के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति या किसी बैंक या सहकारी संस्था, सरकारी आदि का ऋण भार हो या उपरोक्त भूमि / भूखण्ड के संबंध में किसी का स्वत्व, हित व अधिकार हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 दिवस में लिखित रूप से आपत्ति मेरे कार्यालय में कार्यलयीन समय में आकर मय दस्तावेजी प्रमाण के प्रस्तुत करे बाद अवधि गुजरने के पश्चात मेरे पक्षकार पर उक्त आपत्ति मान्य नहीं होगी तथा मेरा. पक्षकार सदर भूमि / भूखण्ड के विक्रय मुल्य की शेष राशि विक्रेता को भुगतान करके अपने हक में विक्रय पत्र का निष्पादन व पंजीयन करा लेगा। सूचित हो,इति दिनांक 27/06/2026स्थान उज्जैन

शेख गुलाम रसूल (शहजादा) एडव्होकेट
ऑफीस न्यु हरिफाटक महाकाल मार्ग बेगमबाग चौराहा उज्जैन
मो. 92295-65313

न्यूज-कॉलम

चार नई डायलिसिस मशीनों की मिली स्वीकृति

मन्दसौर। रोटरी क्लब मंदसौर ने सेवा क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक कदम बढ़ाते हुए अपने चौथे ग्लोबल ग्रांट प्रोजेक्ट के तहत सर्वजन हित श्री गौतम मुनि जैन सामाजिक एवं शैक्षणिक समिति में चार अत्याधुनिक डायलिसिस मशीनें लगाने की मंजूरी दी है। परम पूज्य गुरुदेव श्री गौतम मुनि की प्रेरणा और रोटरी फाउंडेशन के सहयोग से साकार हो रहे इस प्रकल्प में विवेक बोरदिया परिवार (उदयपुर), अभिषेक मेहता परिवार (पुणे/मंदसौर) और शैलेंद्र कुमार मट्ठा परिवार (नीमच) मुख्य दानदाता हैं, जबकि मनीष मारू ने इसमें सक्रिय समन्वय की भूमिका निभाई। वर्तमान में समिति द्वारा अनुयोग हॉस्पिटल के सहयोग से मात्र 800 रु. में डायलिसिस की सुविधा दी जा रही है और इन नई मशीनों के आने से मरीजों की प्रतीक्षा अवधि कम होगी। रोटरी क्लब के अध्यक्ष भूपेंद्र सोनी और सचिव कपिल भंडारी ने बताया कि वर्ष 2025-26 में क्लब द्वारा करीब 2 करोड़ रुपये के सेवा कार्य स्वीकृत कराए जा चुके हैं, जिसकी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर सुशील मल्होत्रा सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने सराहना की है।

एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

नीमच। नीमच सिटी थाना क्षेत्र के ग्राम केलुखेड़ा में शनिवार सुबह एक किसान द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान शिवनारायण पिता रामचंद्र पाटीदार (५७) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार वे सुबह रोज की तरह पशुओं की देखभाल के लिए अपने बाड़े में गए । काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर उनकी पत्नी वहां पहुंची, जहां उन्होंने शिवनारायण को फंदे पर लटका देखा। घटना की सूचना मिलते ही सिटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कुछ समय पहले हुए हार्ट ऑपरेशन के कारण वे आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे थे। पुलिस ने मर्ग कायम कर सभी पहलुओं की जांच शुरू कर दी है।

मंदसौर में प्रतिशोध की आग-

बेटे की हत्या का बदला लेने के लिए आरोपी के पिता को उतारा मौत के घाट, समाज का फूटा गुस्सा किया चक्काजाम

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ मंदसौर

स्थानीय अभिनंदन कॉलोनी में प्रतिशोध और पुरानी रंजिश का एक खौफनाक मामला सामने आया है। यहाँ एक पिता ने अपने बेटे की हत्या का बदला लेने के लिए, हत्या के मुख्य आरोपी के पिता की बर्बरतापूर्वक हत्या कर दी। घटना शनिवार सुबह की है जब करीब छह हमलावरों ने मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान 42 वर्षीय रवि माली के रूप में हुई है। वे रोज की तरह सुबह अपने खेत पर फूल तोड़ने गए थे, जहाँ पहले से घात लगाए बैठे हमलावरों ने उन पर लोहे की रॉड और चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमलावरों ने उन्हें दौड़ा-दौड़ाकर पीटा और अत्यंत तड़पाकर मौत के घाट उतार दिया। वारदात के बाद हमलावर शव को खेत में ही छोड़कर फरार हो गए। घटनास्थल पर घसीटने के निशान और चारों तरफ बिखरा खून भी दिखाई दे रहा था। घटना की सूचना पर पुलिस ने पहुंचकर गंभीर रूप से घायल रवि माली को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहाँ चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। शहर कोतवाली थाना प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह राठौर ने बताया कि पुलिस पुरानी रंजिश समेत सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की सघन जांच कर रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की विशेष टीमें रवाना कर दी गई हैं।

हत्या के बाद आक्रोशित परिजनों और समाज के लोगों ने चक्काजाम करने के बाद एएसपी को ज्ञापन सौंपा। इंसेट में रवि माली।

इस हत्याकांड को पीछे अप्रैल महीने में हुई एक अन्य हत्या से जोड़ा जा रहा है। बीते 5-6 अप्रैल की रात को गांधी चौराहे पर 19 वर्षीय अरुण बरगुंडा की चाकू मारकर बेरहमी से हत्या कर दी गई थी, जिसमें रवि माली के बेटे युवराज और उसके साथी रोहित चौहान को गिरफ्तार किया गया था और वे वर्तमान में जेल में बंद हैं। पुलिस जांच और सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, युवराज ने करीब आठ महीने पुराने एक विवाद का बदला लेने के लिए अरुण को समझौते के बहाने बुलाकर मार डाला था। संभवतः युवराज के पिता रवि माली को इसी कारण निशाना बनाया गया।

हत्या की खबर फैलते ही रवि माली के परिजन और माली समाज के लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में आक्रोशित लोग शहर कोतवाली थाने पहुंच गए और गांधी चौराहे पर करीब तीन घंटे तक चक्काजाम कर धरने पर बैठ गए। बाद में एएसपी तेर सिंह बघेल द्वारा दी गई समझाइश के बाद चक्काजाम समाप्त हुआ। पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

आक्रोशित परिजनों और समाज के लोगों ने पुलिस को एक ज्ञापन सौंपकर आठ प्रमुख मांगें रखी हैं। इन मांगों में पूरे मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और मजिस्ट्रियल जांच कराने, सभी आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित करने, आरोपियों के अवैध निमार्णों पर बुलडोजर चलाने, उन्हें कड़ा दंड देने, पीड़ित परिवार को उचित आर्थिक सहायता एवं सुरक्षा प्रदान करने, आरोपियों का सार्वजनिक जुलूस निकालने और क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस सुरक्षा बल तैनात कर कानून-व्यवस्था मजबूत करने जैसी मांगें शामिल हैं।

न्यूज कालम

मंदसौर में योग-365 अभियान की शुरूआत, तेलिया तालाब पर लगा शिविर

मन्दसौर। दशपुर योग शिक्षा संस्थान द्वारा स्थानीय तेलिया तालाब पर योग-365 अभियान के अंतर्गत एक विशेष योग एवं एरोबिक्स शिविर का आयोजन किया गया। इस सार्वजनिक शिविर का मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस आव्हान को गति देना है, जिसमें उन्होंने योग को केवल एक दिन नहीं बल्कि साल के सभी 365 दिन दिनचर्या में शामिल करने की बात कही थी। संस्थान के योग गुरु सुरेंद्र जैन ने बताया कि उनका संगठन पिछले 19 वर्षों से नगर में निशुल्क योग कक्षाएं चला रहा है और अब इस नए अभियान के माध्यम से विभिन्न समाजों, संस्थाओं और सरकारी विभागों में शिविर लगाकर लोगों को नियमित योग से जोड़ा जाएगा। इस कार्यक्रम में एरोबिक्स का संचालन कोमल कोटवानी द्वारा किया गया। शिविर में ओम गर्ग, जिनेन्द्र उकावत, जितेश फरक्या, विजय पलोड़, कृष्णा पाटीदार, सुमन रावल, ललित जैन, महेश सेठिया, बीना गर्ग, धरमदास संगतानी सहित अनेक साधक उपस्थित रहे। अंत में सचिव लोकेंद्र कुमार जैन ने आभार व्यक्त किया।

मंदसौर में शिक्षकों का त्रि-दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण संपन्न

मन्दसौर। राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत मंदसौर के होटल ऋतुवन में तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में जिले के हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी विद्यालयों के 84 शिक्षकों ने भाग लिया, जिन्हें आयुष्मान भारत के स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम के तहत हेल्थ एंड वेलनेस एम्बेसडर के रूप में तैयार किया गया है। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य किशोर-किशोरियों के शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास से जुड़े मुद्दों पर शिक्षकों को सक्षम बनाना था, जिसके लिए जीवन कौशल शिक्षा के मॉड्यूल के आधार पर व्यावहारिक अध्ययन सामग्री दी गई। यह पूरा कार्यक्रम मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी.एस. चौहान, जिला कार्यक्रम प्रबंधक निलेश गर्ग, जिला शिक्षा अधिकारी पंकज कुमार जाट और एडीपीसी लोकेंद्र डाबी के मार्गदर्शन में आसरा लोककल्याण समिति (देवास) के सहयोग से आयोजित हुआ, जिसमें राज्य स्तरीय प्रशिक्षकों ने प्रशिक्षण दिया और अंत में प्रमाण-पत्र बांटे गए।

आज 1212 बूथों पर 1.57 लाख बच्चों को दी जाएगी पोलिया दवा

मंदसौर। जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत आज 28 जून को 0 से 5 वर्ष तक के 1,57,194 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। इस महाअभियान के लिए प्रशासन द्वारा जिले भर में 1212 पोलियो बूथ बनाए गए हैं, जहां 2,810 वैक्सीनेटर अपनी सेवाएं देंगे। इस अभियान के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के लिए इंदिरा गांधी जिला चिकित्सालय परिसर से एक विशाल रैली निकाली गई, जिसे मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गोविंद सिंह चौहान और सिविल सर्जन डॉ. बी.एल. रावत ने हरी झंडी दिखाई। इस रैली में चिकित्सा महाविद्यालय के प्रोफेसर्स, नर्सिंग छात्र-छात्राओं और आशा कार्यकताओं ने भाग लेकर श्दो बूंद जिंदगी कीश का संदेश दिया। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सुरेश सोलंकी ने बताया कि अभियान की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और स्वास्थ्य विभाग ने सभी अभिभावकों से अपने बच्चों को बूथ पर ले जाकर दवा पिलवाने की अपील की है।

पंधाना में अवैध बीयर जब्त, आरोपी गिरफ्तार

खंडवा। पंधाना पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी महेश पिता शिवराम (27) निवासी बरखेड़ी के कब्जे से 7 केन और 7 कांच की बीयर बोतलें कुल कीमत 1,920 रुपये की जब्त की हैं। यह कार्रवाई तंवर ढाबा के पीछे इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर की गई।

क्षेत्र में बारिश में अंतिम संस्कार के लिए कई जगह करना पड़ती है जद्दोजहद

कही जर्जर शेड का अभाव,तो कही जाने-आने में दिक्कत

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ पिपलीयामंडी

क्षेत्र सहित जिले में मुक्तिधामो पर कही शेड की तो कही मुक्तिधामो तक जाने-आने की समस्या तो कही शेड के चद्दर जर्जर बारिश में अंतिम संस्कार के लिए परिजनों व अंतिम संस्कार में आये लोगी को भी कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

उक्त बात जिला कांग्रेस के महासचिव अनिल शर्मा ने कहते हुवे बताया कि क्षेत्र सहित जिले भर में बारिश व बेमौसम बारिश के समय अगर किसी व्यक्ति की मृत्यु होजाती है तो अधिकांश स्थानों पर दिवंगत लोगो के अंतिम संस्कार तक अच्छे से नही होपाता है।शर्मा ने बताया कि तहसील की ग्रामपंचायत चंगेरी के बंजारा बस्ती के गांव भगवानपूरा में मुक्तिधाम पर बारिश में जाने आने के रास्ते की समस्या के साथ ही वहां शेड भी नही होने से अंतिम संस्कार करने में लोगो के पसीने छुट जाते है शक्कर,डीजल,यहां तक कि टायर का सहारा लेकर बड़ी कठिनाईयो का सामना करने के बाद अंतिम संस्कार होता है।इसी प्रकार पिपलीया मंडी में वाल्मीकि समाज के मुक्ति धाम पर बारिश में बैठने की व अंतिम संस्कार के लिए लकड़ी रखने के लिए कोई व्यवस्था नही है।

कुं. रणजीत सिंह का मोहर्रम के पर्व पर मुस्लिम समुदाय ने किया सम्मान

पिपलिया मंडी। असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस मध्य प्रदेश अध्यक्ष,ग्राम पंचायत मुंदेड़ी सरपंच प्रतिनिधि एवं पश्चिम रेलवे एम्पलाई यूनियन के पुर्व अध्यक्ष कुंवर रणजीत सिंह शक्तावत ठिकाना मुंदेडी का मंदसौर जिला के मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र के नारायणगढ़ नगर में आयोजित मोहर्रम के पर्व पर मुस्लिम समाज के वरिष्ठ बाबू खान मेवाती,अफसर भाई मंसूरी,अमन कबाड़ी,शराफत भाई पठान,जाकिर भाई पठान,फारूक भाई कबड्डी के साथ ही साथ उपस्थित सामाजिक वरिष्ठों एवं समाज के सदर ने साफा बांधते हुए पुष्पमाला पहनकर गर्म जोशी के साथ स्वागत एवं सम्मान किया कुंवर शक्तावत ने मोहर्रम पर पुष्पमाला अर्पित करते हुए इस प्रदेश एवं इस राष्ट्र में सुख,शांति,समृद्धि एवं अमन,चैन के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तत्पश्चात कुंवर शक्तावत ने उमरा पर जाने वाले सदर साहब जाकिर भाई रंगरेज,सलीम भाई कबड्डी,गुड्डा भाई मंसूरी को पुष्प माला पहनाते हुए उनका स्वागत और सम्मान करने के साथ ही साथ उनके उमरा के सफर को ईश्वर सफल बनाएं सुख,शांति के साथ वे उमरा कर के पुनः अपने नगर नारायणगढ़ में उपस्थित हो तथा उमरा के दौरान ईश्वर से इस प्रदेश एवं इस राष्ट्र में शांति एवं समृद्धि के लिए ईश्वर से प्रार्थना करें।

जावरा शासकीय सांदीपनि विद्यालय ने स्वच्छता में देश में प्रथम स्थान पाया

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ रतलाम

केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित स्वच्छ एवं हरित विद्यालय मूल्याँकन 2026 के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। इसमें जावरा शहर के सांदीपनि विद्यालय ने हायर सेकेंडरी कैटेगरी में फाइव स्टार रैंक सहित 98.4 अंक प्राप्त कर पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त कर इतिहास रच दिया है।

जिला शिक्षा अधिकारी सुश्री सिमरन सूर्यवंशी ने बताया कि स्वच्छ भारत अभियान के तहत केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने पूरे देश में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के लगभग 12 लाख स्कूलों में स्वच्छता हरित पहल, जल संरक्षण,कचरा प्रबंधन, अवशिष्ट उन्मूलन,सौर ऊर्जा, संकेतक एवं विविध गतिविधियों के आधार पर जिला स्तर एवं प्रदेश स्तर पर मूल्यांकन कर पैरामीटर पर रैंकिंग की थी।

मध्य प्रदेश के लगभग 70 हजार स्कूलों में चयनित टॉप 20 स्कूलों में सांदीपनि विद्यालय जावरा 99.4 प्रतिशत अंक के साथ प्रथम स्थान पर रहा था। पश्चात पूरे भारत में समस्त राज्यों से चयनित 600 स्कूलों का नामांकन स्वच्छ एवं हरित विद्यालय हेतु किया गया था।राष्ट्रीय सर्वक्षण दल ने लगभग 60 निर्धारित मापदण्डो पर सांदीपनि विद्यालय जावरा का निरीक्षण, परीक्षण एवं मूल्यांकन, अत्यंत सूक्ष्मता से किया, 100 प्रतिशत कचरा मुक्त योजना, गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग,वर्मी कंपोस्ट खाद्य निर्माण, हर्बल गार्डन,किचन गार्डन, अपशिष्ट निष्पादन,हरित कैंपस, वर्षा जल संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त परिसर, आर ओ वेस्ट वाटर से सिंचाई व्यवस्था, सौर ऊर्जा प्रबंधन के साथ ही शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा इस प्रोजेक्ट के लिए किए गए कार्यों तथा गतिविधियों का निरीक्षण कर मूल्यांकन किया।

विद्यालय प्राचार्य राजेंद्र बोस ने बताया कि यह उपलब्धि विद्यालय के अनुशासित विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों की लगन, निरंतरता एवं मेहनत का परिणाम है। विद्यालय परिसर में लगभग ४०० पेड़ पौधे रोपित कर विकसित किए गए हैं,प्रमुख पेड़ों पर क्यू आर कोड भी लगाए गए हैं।

नीमच में मोहर्रम के अवसर पर तालिया का कारवां निकला पुलिस प्रशासन ने रखी सुरक्षा व्यवस्था पर कड़ी नजर

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ नीमच

मोहर्रम में हजरत इमाम हुसैन की दीने इस्लाम की खातिर दी कुबार्नी को याद करते हूए मोहर्रम अवसर पर ताजियो का करवा शहर के मुख्य मार्ग से कर निकाला गया द्य नीमच शहर में मोहर्रम के मौके पर ताजिया निकालने की परंपरा रही है। पूरे शहर में बीती रात में पूरी रात ताजियों का जलसा रहा। शहर के केंट इलाके में शाम से ही अखाड़े के साथ ताजिये निकलना शुरू हो गए जो की नीमच शहर के तिलक मार्ग घंटाघर क्षेत्र चूडी गली मूलचंद मार्ग नया बाजार कमल चौक पटेल चाल आदि क्षेत्रों में निकाले गए। आज दिनांक 26 जून २०२६ शुक्रवार को रात्रि तक जारी रहा द्य जहाँ से आखरी उसके बाद ताजिए मुकाम पर पहुंचे।शनिवार को दोपहर बाद सभी ताजिए अपने-अपने मुकाम से उठे और फिर अखाडे के साथ निकलना शुरू हुए। अखाड़ो के साथ ताजियों का जलसा शहर के टैगोर मार्ग,नया बाजार, पटेल प्लाजा क्षेत्र से होकर निकले। इस दौरान अखाड़े में हैरतअंगेज करतब दिखाए गए। अखाडा में एक से एक प्रदर्शन हुए। नौजवानों ने विभिन्न आकर्षक करतबों में अपना जलवा दिखाया। ढोल ताशे की धुन पर शानदार लेझिम का प्रदर्शन किया गया। नीमच व शहर के आसपास के क्षेत्र से भारी संख्या में अकीदतमंद आए। आज मोहर्रम के अवसर पर निकाले जाने वाले ताजिए देर रात्रि में महू रोड पर पहुंचेंगे।

उसके बाद ठंडा करने विसर्जन हेतु झांझरवाडा स्थित कर्बला ले जाया जाएगा। अभी समाचार लिखे जाने तक ताजियों का जलसा पुस्तक बाजार जाजू बिल्डिंग पर था। और उसके बाद देर रात्रि तक फवारा चौक बारादरी महू रोड पर जारी रहा । इस मौके पर नीमच शहर में जिला पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास के नेतृत्व में सभी वरिष्ठ अधिकारी शहर में भ्रमण करते रहे और व्यवस्था पर कड़ी नजर रखी गई।

राजयोग का निरंतर अभ्यास नशा मुक्त बना देता है -सविता बहन

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ नीमच

च्राजयोग मेडिटेशन का निरंतर अभ्यास व दिव्य सत्संग निश्चित रूप से नशा मुक्त कर देता है, इसके प्रमाण स्वरूप सारे विश ?व में लाखों लोगों ने किसी भी प्रकार के नशे की लत से छुटकारा पाया है । नीमच में भी नशा मुक्ति केन्द्र के अन्तर्गत भर्ती होने वाले नशे के आदी रोगियों को निरंतर राजयोग मेडिटेशन से बहुत लाभ पहुंचा और वे नशा मुक्त होकर अच्छा जीवन यापन कर रहे हैं । उपरोक्त विचार ब्रह्माकुमारी संस्थान की सबझोन संचालिका राजयोगिनी बी.के.सविता दीदी ने नशामुक्त भारत अभियान के तहतजिला पंचायत भवन में आयोजित जिला स्तरीय वॉलंटियर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किये । इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रमुख व्यक्ति एवं जिले के अन्य प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी आदि उपस्थित थे । इस कार्यक्रम की ट्रेनर ब्रह्माकुमारी श्रुति बहन ने नशे के दुष्प्रभावों से जागरूक करते हुए चेताया ? कि न सिर्फ नशे के रोगियों पर हम ध्यान दें बल्कि जो आने वाली बाल व युवा पीढ़ी है इनको भी जागरूक करना होगा ।

चार स्थानों पर अवैध कच्ची शराब के खिलाफ कार्रवाई

खंडवा। धनगांव थाना पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार पर कार्रवाई करते हुए अलग-अलग स्थानों से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने प्रत्येक आरोपी के कब्जे से 10-10 लीटर कच्ची हाथ भट्टी शराब बरामद कर आबकारी अधिनियम के तहत चार अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए हैं। जब्त शराब को नष्ट कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। खालवा पुलिस ने अवैध शराब के विरुद्ध अभियान चलाते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से 18 क्वार्टर देशी प्लेन शराब (180 एमएल) जब्त की गई। पुलिस ने आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

नशामुक्त भारत अभियान : विकसित भारत की पहचान सप्ताह का समापन

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ नीमच

देश व प्रदेश के साथ नीमच जिले में मादक द्रव्यों के दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा शुक्रवार को शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1 स्थित बालक-बालिका छात्रावास में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के साथ ही 17 जून से 26 जून तक चले "नशामुक्त भारत अभियान : विकसित भारत की पहचान सप्ताह" का समापन भी हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक दिलीप सिंह परिहार, अपर कलेक्टर बी. एस. कलेश तथा डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी उप संचालक श्रुति भरडिया ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया।

नीमच नशा मुक्त भारत केमिस्ट एसोसिएशन ने की सहभागिता

अपर कलेक्टर बी.एस. कलेश ने अपने संबोधन में कहा कि युवा और बच्चे देश का भविष्य हैं। उन्हें नशे जैसी बुराई से बचाने के लिए जनजागरूकता अत्यंत आवश्यक है। शासन द्वारा नशामुक्ति के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं, जिनमें समाज की सहभागिता भी जरूरी है। इस अवसर पर विद्यार्थियों के बीच नशामुक्ति विषयक चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार देकर ट्रॉफी प्रदान की। वहीं जिला केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन नीमच के सचिव राकेश पटवा, पूर्व सचिव जयराम मूलचंदानी, वरिष्ठ सदस्य डॉ.जीवन कौशिक,सुनील बरडिया, अन्य सदस्य हरीशशर्मा, राहुल मित्तल, हर्ष श्रीमाल, जितेंद्र धिंग, शिव आहूजा आदि कई सदस्यों ने विधायक का सम्मान करते हुए नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने के लिए हरसंभव सहयोग का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का संचालन रेडक्रॉस नशामुक्ति केंद्र के प्रोजेक्ट डायरेक्टर सुनील तिवारी ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन सामाजिक न्याय विभाग के जिला समन्वयक विनीत दुबे ने व्यक्त किया।इस अवसर पर प्राचार्य अनिल व्यास, वार्डन दीपा वैष्णव, अभय जैन, भूरालाल अहीर, डी.सी. पाटीदार, गुलाब सिंह सोनगरा, दिनेश सैनी, गुणवंत गोयल, बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि विधायक दिलीप सिंह परिहार ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित नशामुक्त भारत अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे की लत से बचाना, स्मैक,अफीम, शराब और अवैध मादक पदार्थों,नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर रोक लगाना है। उन्होंने कहा कि नशे की वजह से कई युवाओं का भविष्य व परिवार दोनों बर्बाद हो जाते हैं। जनजागरूकता कार्यक्रम प्रेरणादायक हैं। कार्यक्रम में बताया गया कि अभियान सप्ताह के दौरान सामाजिक न्याय विभाग, रेडक्रॉस नशामुक्ति केंद्र एवं अल्को हॉलिक्स एनोनिमस ग्रुप का सहयोग रहा।

NA

Presiding Officer- निर्मल मंडोरिया

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)

(MACC/0000112/2025)

राधा -वादी

विरुद्ध

फजल खान -प्रतिवादी

Process Id/2026

पेशी दिनांकः 27.07.2026

प्रेषिती- (1) फजल खान पिता फैयाज खान पता- शेरानीपुरा रतलाम जिला रतलाम (म.प्र.)

यह कि प्रार्थी राधा ने आपके विरूद्ध आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 166 मोटर व्हीकल एक्ट के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 25 जून 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

(निर्मल मंडेरिया)
अष्टम जिला न्यायाधीश
जिला रतलाम (म.प्र.)

हुसैन या हुसैन के नारों से निकला ताजियों का जुलूस

बिछड़ौद। शुक्रवार को शहिद-ए-आजम इमाम हुसैन वह उनके साथियों की शहादत को याद करते मुस्लिम समाजजनों ने ताजियों का भव्य जुलूस निकाला। मोहर्रम पर मुस्लिम समाजजनों ने पारंपरिक तरिके से जुलूस निकालकर मुहर्रम का पर्व हर्षोल्लास पूर्वक मनाया। गांव की गलियों में ताजियों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीणजनों की भीड़ देखने को मिली। देर शाम निकला ताजियों का जुलूस गांव में मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। पारंपरिक जुलूस गांव के प्रमुख चौराहों से होता हुआ करबला पहुंचा। जुलूस में जगह- जगह शरबत पिलाकर ताजियों और समाजजनों का स्वागत किया। इस दौरान आस- पास के गांवों से भी ग्रामीण इकट्ठा हुए। शाम को जिन्होंने मोहर्रम का रोजा रखा था, उन्होंने मगरिब की अजान के बाद रोजा खोला। जुलूस करबला पहुंचकर समाप्त हुआ। करबला में लंगर और शरबत वितरण कर जुलूस का समापन किया। इस दौरान घट्टिया पुलिस प्रशासन भी मौजूद रहा। जानकारी जसीम रंगरेज ने दी।

रॉयल हाईट्स हायर सेकेंडरी स्कूल में साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान

जीरापुर। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित #सेफ क्लिक 2.0 सुरक्षित क्लिक, सुरक्षित जीवन# साइबर सुरक्षा जनजागरूकता अभियान के तहत नगर के रॉयल हाईट्स हायर सेकेंडरी स्कूल में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचाव, सुरक्षित इंटरनेट उपयोग तथा डिजिटल लेन-देन के दौरान आवश्यक सावधानियों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में थाना प्रभारी हुकम सिंह मीणा, एसआई संतोष, एएसआई दिनेश महावर सहित पुलिस विभाग की टीम ने छात्र-छात्राओं को साइबर अपराधों के विभिन्न प्रकार, ऑनलाइन ठगी से बचाव के उपाय, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग एवं डिजिटल सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। अधिकारियों ने बताया कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी अथवा संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि की स्थिति में तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करें। संस्था संचालक रणधीर सिंह ने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में प्रत्येक विद्यार्थी के लिए साइबर सुरक्षा की जानकारी अत्यंत आवश्यक है। जागरूकता ही साइबर अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से सुरक्षित इंटरनेट उपयोग करने तथा पुलिस द्वारा बताए गए दिशा-निर्देशों का पालन करने का आग्रह किया।

इमाम हुसैन की शहादत की याद में अकीदत के साथ निकाला गया मुहर्रम का जुलूस

सारंगपुर। हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत की याद में मुहर्रम का जुलूस पूरी अकीदत और गमगीन माहौल में निकाला गया।

इमाम हुसैन के बलिदान को याद करते हुए अकीदतमंदों ने या हुसैन की सदाएं बुलंद कीं। शाम ए सारंगपुर के संचालक सय्यद फरमान काजी ने बताया मोहल्ला काजी वाडा से शुरु हुआ यह जुलूस अपने निर्धारित मार्गों से होते हुए कर्बला तक पहुँचा। जुलूस में शामिल लोग काले लिबास में थे और इमाम हुसैन की शहादत के गम में मातम कर रहे थे। जगह-जगह ताजिया और अलम के साथ अकीदतमंदों ने खिराजे-अकीदत पेश की। शांतिपूर्ण तरीके से जुलूस संपन्ना कराने के लिए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कडे प्रबंध किए गए थे। जुलूस के दौरान पुलिस बल की तैनाती रही और वरिष्ठ अधिकारी लगातार निगरानी करते रहे। मौलाना कल्बे अब्बास साहब ने जुलूस के दौरान इमाम हुसैन के बलिदान पर रोशनी डालते हुए कहा कि इमाम हुसैन की शहादत केवल एक घटना नहीं, बल्कि बुराई के खिलाफ सच्चाई और इंसानियत के लिए खडे होने का एक शाश्वत संदेश है। इस दौरान समाज के नफीस काजी,साजिद काजी, अमिल काजी, रुख्सार काजी, सालार काजी, शब्बर काजी, शाहवर काजी और तमाम समुदाय के लोग शामिल हुए।

मशाल जुलूस के बाद निकला मोहर्रम का जुलूस, अखाड़ों ने दिखाए हैरतअंगेज करतब

बड़ौद। कर्बला की शहादत और इमाम हुसैन की याद में मनाए जाने वाले मोहर्रम पर्व पर गुरुवार रात्रि मुल्लानी मोहल्ले से शासाल जुलूस निकाला गया। मसाल जुलूस नगर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ इमामबाड़े पहुंचा। देर रात इमामबाड़े से ताजिया जुलूस प्रारंभ हुआ, जो शुक्रवार सुबह नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए लगभग 11 बजे गांधी चौक पहुंचा। इसके बाद जुलूस का समापन पुनः इमामबाड़े पर हुआ। जुलूस के दौरान ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच अखाड़ों के कलाकारों ने पारंपरिक हैरतअंगेज करतब प्रस्तुत किए, जिन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मार्गों पर मौजूद रहे। मोहर्रम जुलूस को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए थाना प्रभारी रूप सिंह बैस अपनी पुलिस टीम के साथ पूरे समय मुस्तैद रहे और सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार नजर बनाए रखी।

मानसून की धमाकेदार दस्तक

दो घंटे की झमाझम बारिश से मिली राहत, कई मार्गों पर जलभराव व गंदगी की दिखी समस्या

दैनिक अवन्तिका ▶▶ शुजालपुर

लंबे इंतजार के बाद शुक्रवार को मानसून ने शुजालपुर क्षेत्र में दमदार दस्तक दी। सुबह से दोपहर करीब 12 बजे तक तेज धूप और उमस ने लोगों को बेहाल रखा, लेकिन दोपहर बाद अचानक मौसम ने करवट ली। देखते ही देखते आसमान काले बादलों से घिर गया और तेज गर्जना के साथ करीब दो घंटे तक झमाझम बारिश हुई। मानसून की पहली जोरदार बारिश से लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिली तथा मौसम पूरी तरह सुहावना हो गया।

बारिश के चलते नगर की सड़कों पर चहल पहल कम हो गई। कई लोग बारिश का आनंद लेते नजर आए, वहीं बच्चों ने भी भीगकर मौसम का स्वागत किया। लगातार हुई वर्षा से तापमान में भी उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। अधिकतम तापमान घटकर करीब 32 से 33 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जिससे वातावरण में ठंडक घुल गई।

मानसून की अच्छी शुरुआत से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। क्षेत्र में अब तक करीब 40 प्रतिशत कृषि भूमि पर खरीफ फसलों की बुवाई हो चुकी है। इनमें सर्वाधिक रकबा सोयाबीन का है। किसानों का कहना है कि समय पर हुई बारिश से बुवाई कार्य में तेजी आएगी और फ सलों की अच्छी शुरूआत होगी।

सड़कों पर बहा नालियों का गंदा पानी

बारिश ने जहां मौसम खुशनुमा बना दिया, वहीं नगर की जल निकासी व्यवस्था की भी पोल खोल दी। कई निचले इलाकों में पानी भर गया। नालियों की समय पर सफ ाई नहीं होने के कारण गंदा पानी सड़कों पर बहता रहा, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।महात्मा गांधी मार्ग पर पानी की टंकी के सामने सकरी नाली अधिक पानी का दबाव नहीं झेल सकी। इसके चलते नाली का गंदा पानी और कीचड़ सड़क पर फैल गया। कई दुकानों के सामने बदबूदार कीचड़ जमा हो गया, जिससे दुकानदारों को ग्राहकों की आवाजाही में दिक्कत हुई और राहगीरों को भी परेशानी झेलनी पड़ी।

अंडरब्रिज में भरा पानी, आवागमन ठप

बारिश के कारण रेलवे अंडरब्रिज में बड़ी मात्रा में पानी भर गया। दोपहर बाद स्थिति ऐसी हो गई कि अंडरब्रिज से आवागमन पूरी तरह बंद करना पड़ा। रेलवे फ ाटक बंद होने के दौरान हाईवे पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। भारी वाहनों, बसों और दोपहिया चालकों को काफ ी देर तक जाम में फं सना पड़ा। इससे लोगों को गंतव्य तक पहुंचने में परेशानी का सामना करना पड़ा।

सफाई व्यवस्था सुधारने की मांग

स्थानीय लोगों और व्यापारियों ने नगर पालिका से वर्षा ऋ तु को देखते हुए नालियों की नियमित सफ ाई और जल निकासी व्यवस्था में सुधार की मांग की है। उनका कहना है कि मानसून की शुरुआत में ही यह स्थिति है, ऐसे में लगातार बारिश होने पर समस्या और गंभीर हो सकती है।

जवासिया पंथ-डोंगला मार्ग बदहाल होने से ग्रामीणों व स्कूली बच्चों की बढ़ी परेशानी

दैनिक अवन्तिका ▶▶ महिदपुर

जवासिया पंथ से डोंगला तक जाने वाला सड़क मार्ग पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो गया है। सड़क की खराब स्थिति के कारण क्षेत्र के ग्रामीणों, विद्यार्थियों और वाहन चालकों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार इस मार्ग से करीब 10 से 12 गांवों के लोग आवागमन करते हैं। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे होने से आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। इसी मार्ग से स्कूली बसों का संचालन भी होता है, जिससे बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावकों में चिंता बनी हुई है। वाहन चालकों का कहना है कि गड्ढों के कारण वाहन फिसलने की घटनाएं बढ़ गई हैं और लोग चोटिल हो रहे हैं।

सड़क के दोनों ओर झाड़ियां उग आने से मार्ग और भी संकरा हो गया है। बड़े वाहनों को एक-दूसरे को साइड देने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है, जिससे दुर्घटना की आशंका लगातार बनी हुई है।

गायरी चौधरी समाज के तहसील अध्यक्ष मुकेश चौधरी (किटिया) ने बताया कि यह मार्ग जवासिया पंथ से किटिया और पानबिहार होते हुए सीधे उज्जैन से जुड़ता है। वहीं किटिया से बरखेड़ा बुजुर्ग, बालोदा होते हुए यह मार्ग नारायणा रोड से भी संपर्क स्थापित करता है। शॉर्ट रूट होने के कारण इस सड़क पर यातायात का दबाव काफी अधिक रहता है।

मार्ग की जर्जर स्थिति को देखते हुए मुकेश चौधरी ने कलेक्टर एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को पत्र लिखकर सड़क का शीघ्र निर्माण कराने और आवश्यक मरम्मत कार्य करवाने की मांग की है। ग्रामीणों ने भी प्रशासन से जल्द कार्रवाई कर आवागमन सुगम एवं सुरक्षित बनाने की मांग की है।

अकोदिया में मोहर्रम पर्व पर ताजियों का जुलूस निकला

अकोदिया। शाजापुर जिले के अकोदिया में शुक्रवार को मोहर्रम का पर्व पूरी अकीदत, शांति और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। जुम्मे की नमाज के बाद शाम 5 बजे से नगर में पारंपरिक ताजियों और सवारियों का जुलूस निकाला गया। जुलूस हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों की याद में निकाला गया। जुलूस में मुख्य रूप से नल साहब बाबा, छोटे साहब और सलीम बाबा की सवारियां शामिल रहीं, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र थीं।

नगर से कुल तीन मुख्य सवारियां उठीं, जिनमें पहली ब्राइट स्कूल क्षेत्र से, दूसरी राठी मोहल्ले से और तीसरी डावरीपुरा से शुरु होकर मुख्य मार्ग पर पहुंचीं। इसके साथ ही ताहिर नगर क्षेत्र से 12 खूबसूरत ताजिए निकाले गए, जिन्हें नगर भ्रमण के बाद बड़े तालाब में विसर्जित किया गया।

अखाड़ों में दिखा युवाओं का कौशल

जुलूस के दौरान विभिन्न अखाड़ों के युवाओं ने लाठी, तलवारबाजी और पारंपरिक युद्ध कौशल का हैरतअंगेज प्रदर्शन किया। मातमी धुनों, ताशों और ढोल-नगाड़ों की थाप के बीच जुलूस आगे बढ़ता रहा, जिसे देखने के लिए अकोदिया सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों से भी हजारों की संख्या में लोग पहुंचे थे। इस मोहर्रम की सबसे बड़ी खूबी यहां का ताना-बाना रहा। नगर का खत्री समाज बरसों पुरानी परंपरा को निभाते हुए इस आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेता है।

स्वास्थ्य एवं जनसेवा संस्थानों में साइबर सुरक्षा की दी जानकारी

सुसनेर। राज्य स्तरीय सेफ क्लिक अभियान-2.0 के तहत शुक्रवार को थाना प्रभारी अक्षय सिंह बेस एवं पुलिस स्टाफ द्वारा स्वास्थ्य एवं जनसेवा संस्थान जागरूकता दिवस के अवसर पर अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों एवं जनसेवा केंद्रों में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान आमजन को बढ़ते साइबर अपराधों से सतर्क रहने, ऑनलाइन ठगी से बचाव के उपाय, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों से किसी भी संदिग्ध कॉल, फर्जी लिंक, ओटीपी साझा करने अथवा बैंकिंग धोखाधड़ी से सतर्क रहने की अपील की।

कालापीपल सम्मेलन की तैयारियों को लेकर मक्सी में बैठक संपन्न

प्रांत अध्यक्ष शलभ भदौरिया के स्वागत को लेकर बनी रणनीति

दैनिक अवन्तिका ▶▶ मक्सी

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के माननीय प्रांत अध्यक्ष शलभ भदौरिया के नेतृत्व में आगामी कालापीपल में आयोजित होने वाले जिला सम्मेलन की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं को लेकर मक्सी ब्लॉक इकाई की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक पत्रकार साथी पिंटू सिंह देवड़ा के निज निवास पर संपन्न हुई, जिसमें सम्मेलन की रूपरेखा, व्यवस्थाओं एवं पत्रकार साथियों की जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिला अध्यक्ष अभिषेक सक्सेना 'चिंटू भाई' एवं जिला पदाधिकारी सूर्य परमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। जिला अध्यक्ष अभिषेक सक्सेना ने पत्रकार साथियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह पूरे जिले के लिए गौरव और सौभाग्य का विषय है कि संगठन के माननीय प्रांत अध्यक्ष शलभ भदौरिया जिला सम्मेलन में शामिल होने आ रहे हैं। उन्होंने सभी पत्रकार साथियों से बड़ी संख्या में सम्मेलन में पहुंचकर उनका आत्मीय स्वागत करने तथा कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया।

बैठक में सम्मेलन को सफल बनाने के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं पर विचार-विमर्श करते हुए आवश्यक जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं। सभी पत्रकार साथियों ने एकजुट होकर कार्यक्रम को भव्य एवं सफल बनाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर मक्सी ब्लॉक अध्यक्ष राधेश्याम देवड़ा, सूर्य परमार, शहजाद खान, शकीर मालोटी, संजय राठौर, अर्पित परमार, ईशाक खान, मनोज जोशी, भरत परमार, इकबाल खान, औसाफ खान, पिंटू सिंह देवड़ा, मुसाब भाई, नावेद खान सहित बड़ी संख्या में पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

प्याज और लहसुन के दामों में उछाल, आवक घटने से बढ़ी कीमतें

दैनिक अवन्तिका ▶▶ सारंगपुर

स्थानीय कृषि उपज मंडी सारंगपुर में जून के अंतिम सप्ताह में प्याज और लहसुन के दामों में एक बार फिर जोरदार तेजी देखने को मिली है। पिछले कुछ दिनों से मंडी में दोनों प्रमुख नकद फसलों के भावों में लगातार सुधार हो रहा है। इस अचानक आई तेजी से जहां मंडी प्रांगण में व्यापारिक हलचल और प्रतिस्पर्धा काफी तेज हो गई है, वहीं अपनी बची हुई उपज को लेकर मंडी पहुंच रहे क्षेत्र के किसानों के चेहरों पर खुशी देखी जा रही है। सारंगपुर मंडी की अगर बात करें तो गुरुवार को मंडी में लहसुन की करीब 1 हजार कट्टे की आवक हुई और दाम 6 हजार से लेकर 15 हजार रुपए क्विंटल तक रहे, जबकि प्याज के दाम भी लगातार बढ रहे है। मंडी से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्याज के दाम 10 रुपए से लेकर 25 रुपए किलो तक दर्ज किए गए।

क्यों आ रही है दामों में अचानक तेजी

मंडी व्यापारी जाबिर अंसारी के अनुसार इस भारी तेजी के पीछे मुख्य वजह देशव्यापी चौतरफा मांग और स्थानीय स्तर पर माल की सीमित आवक होना है। जून के महीने में अमूमन महाराष्ट्र, गुजरात और दक्षिण भारतीय राज्यों की मंडियों में प्याज व लहसुन की स्थानीय आवक कमजोर पडने लगती है। इसके चलते मंडियों विशेषकर मालवा क्षेत्र की सारंगपुर मंडी पर बाहरी राज्यों के बडे निर्यातकों और थोक खरीदारों का दबाव काफी बढ गया है। इसके अलावा, मानसून की आमद को देखते हुए कई बडे स्टॉकिस्टों ने अच्छी और सूखी क्वालिटी के लहसुन व प्याज का भंडारण तेज कर दिया है, जिससे दैनिक नीलामियों में बोलियां लगातार ऊंची लग रही हैं।

मंडी के ताजा भावों पर एक नजर

लहसुन न्यूनतम भाव 6000, औसत भाव 12,400, और उच्चतम भाव 15000 प्रति क्विंटल तक पहुंच गया है। जबकि प्याज न्यूनतम भाव 1000, औसत भाव 1800 और उच्चतम भाव 2500 प्रति क्विंटल देखा जा रहा है। मंडी प्रांगण में अपनी उपज बेचने आए क्षेत्र के किसानों का कहना है कि शुरुआती सीजन में जब उन्होंने लहसुन और प्याज निकाला था, तब भाव काफी सामान्य थे और लागत निकालना भी मुश्किल हो रहा था। लेकिन जून के इस महीने में अचानक आई इस तेजी से उन्हें अपनी मेहनत का सही मूल्य मिल रहा है और मुनाफा कमाने में मदद मिल रही है।

किसान प्याज और लहसुन की उपज को ग्रेडिंग करके ही मंडी लाएं

मंडी प्रशासन और व्यापारिक सूत्रों का अनुमान है कि आगामी दिनों में यदि बारिश की शुरुआत के कारण परिवहन प्रभावित होता है या आवक इसी तरह सीमित बनी रहती है, तो दामों में और भी अधिक सुधार देखने को मिल सकता है। मंडी प्रशासन ने क्षेत्र के सभी किसान भाइयों से अपील की है कि वे अपनी प्याज और लहसुन की उपज को अच्छी तरह सुखाकर और ग्रेडिंग करके ही मंडी लाएं, ताकि उन्हें अपनी क्वालिटी के अनुसार सर्वोत्तम और अधिकतम मूल्य प्राप्त हो सके। उल्लेखनीय है कि गुरुवार के बाद शनिवार और रविवार को मंडी का अवकाश है और सोमवार को मंडी में दाम बढ़ने की संभावना रहेगी।

मक्सी स्टेशन के पास ट्रेन से गिरा युवक, जिला अस्पताल रेफर

मक्सी। मक्सी रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार शाम को भोपाल-दाहोद एक्सप्रेस से गिरकर एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान भोपाल के रहने वाले विशाल के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि विशाल दोपहर करीब 12:35 बजे भोपाल से ट्रेन में सवार हुआ था और आलोट अपनी ससुराल अपनी पत्नी से मिलने जा रहा था। जब ट्रेन मक्सी स्टेशन के पास पहुंची, तब वह कोच के दरवाजे (गेट) पर बैठा हुआ था। इसी दौरान अचानक उसका बैलेंस बिगड़ा और वह तेज रफ्तार चलती ट्रेन से सीधे नीचे कंक्रीट पर जा गिरा। ट्रेन से युवक के गिरने के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद स्थानीय लोगों ने तुरंत मुस्तैदी दिखाते हुए 108 एंबुलेंस और रेलवे पुलिस (प्रशासन) को घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस की मदद से घायल विशाल को पहले मक्सी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

तेजाब फेंकने की घटना का किया खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

राजगढ़ ब्यावरा। राजगढ़ जिले में गंभीर अपराधों की रोकथाम हेतु आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत बोडा पुलिस ने तेजाब फेंकने की घटना में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया फरियादी अशोक प्रताप पिता बाबूलाल धोबी निवासी किताखेड़ी हाल मुकाम ग्राम ढाबला ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि आरोपी रमेश पिता हजारीलाल धोबी 45 वर्ष निवासी ग्राम ढाबला ने उस पर तेजाब फेंककर हमला किया तथा जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने अपराध क्रमांक 201/2026 अंतर्गत धारा 124(1), 296 एवं 351(3) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया। थाना प्रभारी ने विशेष पुलिस टीम गठित कर मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। साथ ही संभावित स्थानों पर दबिश एवं तलाशी की। सूचना प्राप्त हुई कि आरोपी ग्राम ढाबला में छिपा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

ट्रक और पिकअप वाहन में जोरदार भिड़ंत वाहनों चालक घायल हो गए

इंगोरिया। बदनावर-उज्जैन फोर लेन पर शुक्रवार शाम 5 बजे इंगोरिया श्रीनाथ होटल के समीप ट्रक और पिकअप वाहन में जोरदार भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में दोनों वाहनों के चालक घायल हो गए। इंगोरिया तरफ से रांग साईड से उज्जैन जा रहे ट्रक ड्रायवर मोहम्मद जाकिर पिता रुस्तम उम्र 50 वर्ष निवासी आगर नाका उज्जैन और मनोज पिता अमृत राम निवासी पीर हिंगोरिया थाना बड़ावदा जिला रतलाम को इंगोरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर लाया गया। यहां से दोनों को जिला चिकित्सालय उज्जैन रैफर कर दिया गया। थाना प्रभारी दीपेश व्यास ने बताया कि क्रेन की मदद से पिक वाहन को पुलिस थाने लाया गया। दुर्घटना में पिकअप दो हिस्सों में बट गई थी। इसमें घर गृहस्थी का सामान भरा था इंदौर से मंदसौर जा रही थी।

108 एम्बुलेंस ने मासूम को मारी टक्कर: गंभीर हालत में भर्ती

शाजापुर। दो अलग-अलग सड़क हादसों में एक युवक और एक बच्चा घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पहला हादसा शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे निपानिया डाबी के पास हुआ। पचोला बनहल निवासी शिवम काम से लौट रहा था, तभी उसकी बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई। हादसे में वह सड़क पर गिर गया और उसके चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। सूचना मिलने पर डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। दूसरा हादसा शाजापुर शहर की आदर्श कॉलोनी स्थित गोहिल अस्पताल के बाहर हुआ। यहां सड़क किनारे खड़े मोहम्मद शेख सयान नामक बच्चे को 108 एम्बुलेंस ने टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि एम्बुलेंस चालक किसी मरीज को लेने आया था। वाहन आगे बढ़ाते समय बच्चा उसकी चपेट में आ गया, जिससे उसके सिर और माथे पर चोटें आईं। बच्चे के परिजनों का आरोप है कि हादसे के बाद जब उसके पिता ने एम्बुलेंस को रोकने की कोशिश की, तब चालक मरीज को वाहन में बैठाकर वहां से चला गया। घायल बच्चे का जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

बडौद तहसील क्षेत्र हुई बोवनी

बडौद। शुक्रवार को दोपहर बाद डेढ़ घंटे तक तेज बारिश हुई बारिश के चलते नालियों का पानी सड़कों पर निकल गया जिसके चलते नालियों को कचरा सड़कों पर आ गया और मौसम में ठंड खुल गई। इसी के साथ बडौद तहसील क्षेत्र में बोवनी शुरू हो गई है। मौसम खुलते ही किसान बोवनी करेंगे।

पहली बार ऑस्कर में भी कास्टिंग के लिए अवॉर्ड

किसी फिल्म या वेब सीरीज की सफलता इस बात पर भी निर्भर करती है कि किस किरदार के लिए किस कलाकार को चुना गया। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय सिनेमा में कास्टिंग की सोच पूरी तरह बदल गई है। एक दौर ऐसा भी था, जब कलाकार एक ही तरह के किरदारों में सिमट जाते थे। कभी जगदीश राज खुराना ने 144 फिल्मों में पुलिस इंस्पेक्टर की भूमिका निभाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। लेकिन अब हर किरदार के लिए सबसे उपयुक्त चेहरा तलाशा जाता है।

हाल ही में ओटीटी पर स्ट्रीम हुई मेड इन इंडिया

ए टाइटन स्टोरी में नसीरुद्दीन शाह का जेआरडी टाटा बनना हो, छावा में अक्षय खन्ना का औरंगजेब, स्कैम 1992 में प्रतीक गांधी का हर्षद मेहता या सैम बहादुर में विक्की कौशल... इन किरदारों ने साबित किया कि सटीक कास्टिंग कहानी को नई ऊंचाई दे सकती है। कास्टिंग महीनों चलती है। जैसे सितारे जमीन पर की कास्टिंग करीब नौ महीने चली थी। टीम ने न्यूरोडाइवर्जेंट समुदाय को समझने के लिए पहले ऑस्ट्रेलिया की संस्था बस स्टॉप फिल्म्स के साथ वर्कशॉप की। इसके बाद 800-1000 ऑडिशन टेप देखे गए।

कई बार टू एक्टर्स, टू मिनट्स, वन सीन सेशन कराया जाता है, जिसमें दो कलाकारों को एक सीन देकर देखा जाता है कि वे एक-दूसरे को कितना सुनते हैं, कैसे रिएक्ट करते हैं और साथ मिलकर अभिनय कितना सहज बना पाते हैं।

पैपराजी पर भड़कीं मलाइका अरोड़ा

बात कर रही थीं; ज्यादा करीब आने पर बोलीं– बाबा, आप इधर आ जाओ

मलाइका अरोड़ा का हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में वह किसी से बात करती नजर आ रही हैं। इस दौरान पैपराजी उनके काफी करीब आ जाते हैं, जिससे वे नाराज हो गईं। मलाइका पैपराजी से कहती हैं, बाबा, आप इधर आ जाओ। जिसके बाद यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि, अब तक यह जानकारी सामने नहीं आ पाई कि यह वीडियो कब और कहां का है।

बता दें कि मलाइका अरोड़ा ने कहा था कि उन्हें सबसे ज्यादा परेशानी तब होती है, जब पैपराजी उनकी बिना जरूरत वाली तस्वीरें क्लिक करते हैं।

दिसंबर 2022 में कॉमेडियन भारती सिंह से बातचीत के दौरान मलाइका ने कहा था, ₹मैंने कभी किसी को नहीं डांटा, जब तक किसी ने मुझे धक्का न दिया हो या गलत व्यवहार न किया हो, लेकिन मुझे सबसे ज्यादा गुस्सा तब आता है, जब फोटोग्राफर्स मेरे चेहरे की बजाय मेरे शरीर के अलग-अलग हिस्सों की तस्वीरें लेने लगते हैं। कैमरा ऊपर-नीचे घूमता रहता है और मुझे इससे दिक्कत होती है। मलाइका ने आगे कहा था, ₹वे मेरे शरीर के कुछ खास हिस्सों पर ही फोकस क्यों करते हैं? मुझे अपने शरीर पर गर्व है। फिर लोग कहते हैं कि अगर नहीं दिखाना है, तो पूरे कपड़े पहन लो। लेकिन मैं क्या पहनूं, यह मेरा फैसला है। मुझे जैसे कपड़े पसंद हैं, मैं वैसे ही पहनूंगी। उन्होंने यह भी कहा था कि ऐसी तस्वीरों की वजह से उन्हें अपने परिवार को भी जवाब देना पड़ता है। इसलिए यह बात उन्हें परेशान करती है।

वहीं, पिछले महीने सलमान खान भी पैपराजी पर भड़क गए थे। दरअसल, वे हिंदुजा अस्पताल पहुंचे थे, जहां से निकलते समय पैपराजी के शोर से एक्टर भड़क गए थे। हालांकि, बाद में जब सलमान फिल्म राजा शिवाजी की सक्सेस पार्टी में पहुंचे, तब सभी पैपराजी ने उनसे माफी मांगी थी।

सलमान जैसे ही पार्टी में पहुंचे, वैसे ही सभी पैपराजी ने उन्हें घेर लिया और माफी मांगने लगे। सभी एक साथ, ₹सॉरी भाईजान, जोर से बोलो सॉरी₹, कहते दिखे। इसके बाद सलमान ने भी उनकी माफी कबूल कर ली थी। बता दें कि इस पहले गोविंदा के बॉडीगार्ड्स की भी पैपराजी से बहस हो चुकी है।

रणवीर सिंह के सपोर्ट में उतरे सुनील शेट्टी

कहा- आप होते कौन हैं किसी को बैन करने वाले, ये अधिकार किसी को नहीं; जानिए क्या है मामला

डॉन 3 विवाद में सुनील शेट्टी ने रणवीर सिंह का बचाव किया है। फिल्म छोड़ने की शिकायत के बाद उन्हें फिल्म फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न सिने एम्प्लॉय्ज द्वारा बैन किया गया था। यानी विवाद खत्म होने तक फेडरेशन से जुड़ा कोई शख्स उनके साथ काम नहीं कर सकता था। इस पर सुनील शेट्टी का कहना है कि किसी के पास किसी एक्टर को बैन करने का अधिकार नहीं है। उनका कहना है कि रणवीर ने फिल्म इंडस्ट्री के रेवेन्यू में बड़ा योगदान दिया है। उन्हें ऐसे ही कोई बैन नहीं कर सकता। हाल ही में टाइम्स नाऊ को दिए इंटरव्यू में सुनील शेट्टी ने डॉन 3 विवाद पर कहा है, कोई भी किसी एक्टर को बैन नहीं कर सकता। कोई आर्ट को बैन नहीं कर सकता है। किसी के पास ये अधिकार नहीं। सुप्रीम कोर्ट इस मामले को एक सेकेंड में खारिज कर देगा। देखिए, दिक्कत ये है कि दोनों (फरहान और रणवीर) ही सेंसिबल हैं। फरहान भी एक बहुत सेंसिबल एक्टर, प्रोड्यूसर और डायरेक्टर हैं।

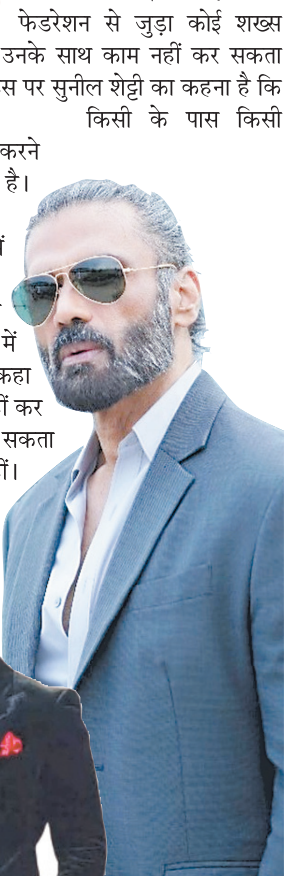

Sport

एक फुटबॉल वर्ल्डकप में सबसे ज्यादा गोल का रिकॉर्ड बना

अब तक 177 गोल, कतर 2022 का रिकॉर्ड टूटा; इक्वाडोर ने जर्मनी को हराया

एजेंसी ▶▶ ह्यूस्टन

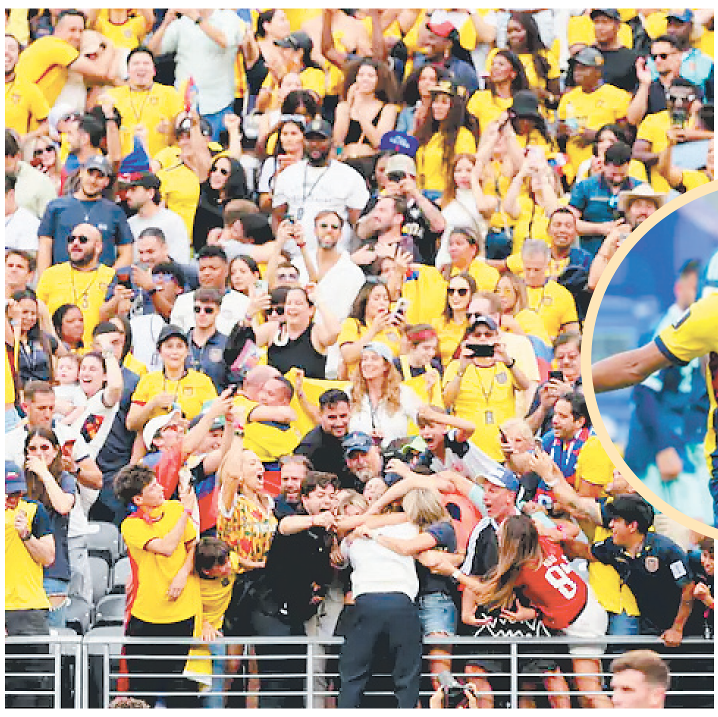

अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में खेले जा रहे फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 में शुक्रवार को गोलों का नया रिकॉर्ड बन गया है। टूनार्मेंट में अब तक कुल 177 गोल हो चुके हैं, जो किसी भी फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे हैं। इससे पहले सबसे ज्यादा 172 गोल का रिकॉर्ड कतर में खेले गए 2022 वर्ल्ड कप में बना था। मौजूदा संस्करण में यह रिकॉर्ड ग्रुप चरण के दौरान ही टूट गया। इस बार पहली बार 48 टीमें वर्ल्ड कप खेल रही हैं।

24वीं रैंक की टीम इक्वाडोर ने फुटबॉल वर्ल्ड कप में शुक्रवार को 4 बार की वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी को 2-1 से हरा दिया है। इस जीत से टीम ने राउंड ऑफ-32 में जगह बना ली। इक्वाडोर 2006 के बाद पहली बार नॉकआउट में पहुंची है।

ग्रुप-ई में तीसरे स्थान पर रहते हुए चार अंक हासिल करने वाला इक्वाडोर अब अगले राउंड में मैक्सिको से भिड़ सकता है। वहीं, पहले ही नॉकआउट में पहुंच चुकी जर्मनी की लगातार 11 मैचों की जीत का सिलसिला भी इस हार के साथ टूट गया है।

मेटलाइफ स्टेडियम में इस मैच के दौरान 80,663 फैंस मौजूद रहे। फीफा के अनुसार इस वर्ल्ड कप के 56वें मैच तक कुल दर्शकों की संख्या 35,87,539 पहुंच गई, जो 1994 वर्ल्ड कप के पूरे टूनार्मेंट के रिकॉर्ड से अधिक है।

जर्मनी ने मुकाबले की तेज शुरूआत करते हुए दूसरे ही मिनट में लेरॉय साने के गोल से बढ़त बना ली। फ्लोरियन विट्र्ज के पास पर साने ने गोल दागा। हालांकि, इक्वाडोर ने 9वें मिनट में बराबरी हासिल कर ली।

मिडफील्ड में गेंद छीनने के बाद पेड्रो वीटे ने निल्सन अंगुलो को पास दिया, जिन्होंने बॉक्स के बाहर से शानदार शॉट लगाकर स्कोर 1-1 कर दिया। यह टूनार्मेंट में इक्वाडोर का पहला गोल भी था। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए। 77वें मिनट में पेड्रो वीटे के कॉर्नर पर केविन रोड्रिगेज ने हेडर लगाया, जिसे गोलकीपर मैनुएल नोयर पकड़ने ही वाले थे कि गोंजालो प्लाटा ने पैर बढ़ाकर गेंद को गोल में पहुंचा दिया। इस गोल ने इक्वाडोर को 2-1 की बढ़त दिलाई, जिसे उसने अंत तक कायम रखा।

वैभव ने 13 सिक्स का वादा किया, 10 लगा दिए

जोफ्रा आर्चर के सामने बैटिंग की हिम्मत दिखाई

वैभव सूर्यवंशी को लेकर आईपीएल के नए किस्से सामने आए हैं। श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर और राजस्थान रॉयल्स के हेड कोच कुमार संगकारा ने वैभव के कॉन्फिडेंस की तारीफ की। उन्होंने बताया कि वैभव ने क्वछ में एक मैच के दौरान 13 सिक्स मारने का वादा किया था और 10 छक्के जड़ दिए।

संगकारा ने कहा- राजस्थान के 2 हफ्ते के कैंप के दौरान जब कोई बल्लेबाज जोफ्रा आर्चर के सामने खेलने को तैयार नहीं था। तब वैभव ने कहा कि ह्यमैं बैटिंग करुंगा। संगकारा ने स्काई स्पोर्ट्स के एक शो दौरान ये किस्से सुनाए। आयरलैंड के खिलाफ चल रही टी-20 सीरीज में वैभव सूर्यवंशी के इंटरनेशनल डेब्यू करने की अटकलें हैं। हालांकि 26 जून को हुए पहले मैच में उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला था।

आईपीएल 2026 में राजस्थान को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 220 रन का टारगेट हासिल करना था। पहली पारी के बाद वैभव संगकारा के पास गए। उन्होंने आंख मारकर कहा- कोच, चिंता मत कीजिए। ये हो गया। ड्रेसिंग रूम में उन्होंने डोनोवन फरेरा और लुआन-ड्रे प्रीटोरियस से कहा- सुनो, मैं 13 सिक्स मारूंगा। उसके बाद तुम बाकी काम संभाल लेना। इस मैच में वैभव ने 10 छक्के लगाते हुए 93 रन बनाए। यह मैच राजस्थान ने 7 विकेट से जीता था।

जब वैभव 5-6 सिक्स लगा चुके थे, तब फरेरा और प्रिटोरियस एक-दूसरे को देखकर हैरान थे। बाद में वे गिनती करने लगे कि कहीं ये लड़का सच में 13 छक्के ना लगा दे। संगकारा ने कहा, इतना आत्मविश्वास इस बच्चे में है। संगकारा ने गुवाहाटी में रॉयल्स कैंप का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि जब वे दो हफ्ते के कैंप के लिए पहुंचे तो एक छोटे साइड नेट में जोफ्रा आर्चर नई गेंद से गेंदबाजी कर रहे थे। कोई उनके सामने बल्लेबाजी करने को तैयार नहीं था। तब वैभव ने आगे बढ़कर कहा- मैं बल्लेबाजी करूंगा।

प्रवेश प्रारंभ
आवश्यकता है:- शिक्षक / शिक्षिकाओ की (अंग्रेजी माध्यम स्कूल में)
योग्यता :- ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट,
आफिस समय 10 से 01 बजे तक
आवेदन: 23-06-2026
सेन्ट मदार कान्वेंट स्कूल 36, मदार गेट सरदार स्टील के पास उज्जैन फोन नम्बर:-2557390

विज्ञप्ति
क्षीरसागर कॉलोनी स्थित भूखण्ड क्रमांक 3 नजर अली मार्ग, पथ क्रमांक 3, उत्तरमुखी खुला भूखण्ड 46 फीट बांय 66 फीट विक्रय किया जाना है। वास्तविक इच्छुक व्यक्ति ही स्वयं सम्पर्क करें, मध्यस्थता स्वीकार्य नहीं है।
चन्द्रकान्त शुक्ला मो. 9406801039

मकान बेचना है
गणेशपुरा मक्सी रोड मेन चौराहा, गली नंबर 1 में 20x40 में निर्मित सर्वसुविधा युक्त मकान बेचना है।
संपर्क 8717818385

आवश्यकता है
स्टॉफ की आवश्यकता है न्यू ओपनिंग रेस्टोरेंट के लिए- 2- कचोरी-समोसा, जलेबी बनाने वाले उस्ताद, 2- रेस्टोरेंट मैनेजर्स, 2- इंडिया शैफ, 2- तंदूर, 2- कैशियर, 5- किचन हेल्पर, 3- पैंट्री वाले, 4- कैप्टन, 6-वेटर, 4- हाउस किपिंग वालों की आवश्यकता है।
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें 9893713817

आवश्यकता है
मार्केटिंग / सेल्समैन वेतन 12000 से 15000 योग्यतानुसार
(समय प्रातः 7.30 से 6 बजे तक लन्च 1 से 2.30)
नोटः जरूरतमंद एवं अनुभवी की आवश्यकता
पेट्रोल खर्च अतिरिक्त दिया जाएगा
संपर्क मो.9575477077

खरीदना / किराए से चाहीए
उज्जैन में कोई भी छोटी होटल या होम स्टे, जो चालू अवस्था में हो खरीदना / किराए से चाहीए
संपर्क 9893374872

इन्दौर में 2 BHK फ्लेट बेचना है।
सीता श्री रेसीडेंसी
ऐयर पोर्ट मेनरोड कालानी नगर के पास
ग्राउंड फ्लोर में 4 बैंक व 4 दुकाने है
पास में, मेट्रो स्टेशन निर्माणाधीन मोके की जगह।
सीधे आनर से संपर्क करें। 9669578652

आवश्यकता
छुरी वाली कटिंग मशीन एवं सर्कलकटिंग मशीन ऑपरेटर की जो दोनों मशीन चलाना जानता हो, चौकीदार की जो रात दिन फैक्ट्री पर रह सके.
संपर्क करे
श्री हरि पेपर इंडस्ट्री
8 मक्सी रोड इंडस्ट्रियल एरिया प्रवाह पेट्रोल पंप के पीछे, उज्जैन
मोबाइल 9425358095

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु युवक-युवती की। पेन्ट-शर्ट बनाने वाले कारीगर की भी आवश्यकता है।
संपर्क करें 9575555715, 9425094114

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क 7773077762

अवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु युवक और युवती की। कोट पेन्ट बनाने वाले कारीगर की व शर्ट व सफारी बनाने वाले कारीगरों की आवश्यकता है।
प्रोमिस टेलर मेट्रो टॉकीज के सामने (उज्जैन)
संपर्क करें 7974817308, 9516848052

बेचना है
अगरबत्ती का कारखाना बेचना है, वियतनाम ऑटोमैटिक मशीन। ड्रायर मिक्सर और अन्य सामान बेचना है। स्थान- नागझिरी, उज्जैन
संपर्क 9111328540

किराए से देना है
शहर के मध्य, पुराने दारू गोदाम के सामने, बुनकर समिति के अंदर 1500 & 2000 SQFT कमर्शियल व गोडाउन उपयोग हेतु 16 फीट ऊंचाई टीन शेड, बोरिंग सुविधा, अटैच लेट-बाथ, सर्व सुविधा युक्त
6267735937

आवश्यकता
अशासकीय विद्यालय श्री संस्कृति कॉ. मि. स्कूल भैरवगढ़ में अध्यापन हेतु शिक्षक-शिक्षिकाओं की आवश्यकता है- अनुभवी एवं प्रशिक्षित को प्राथमिकता-
योग्यता- B.E.D/D.E.D./Deled
वेतन- 7000 से 8000 प्रतिमाह
राजेश राव हाण्डे- 9977588698
Head Master
Shri Sanskriti Convent Middle School, Bhairavgar

न्यूज कॉलम

आधी रात महिला के घर पहुंचा युवक बच्चे को साथ ले जाने की कोशिश

इंदौर। बाणगंगा थाना क्षेत्र में घरेलू विवाद के बीच एक युवक पर महिला के घर पहुंचकर मारपीट करने, चाकू दिखाकर धमकाने और बच्चे को अपने साथ ले जाने की कोशिश करने का आरोप लगा है। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बाणगंगा पुलिस के अनुसार शांति दीप गैस एजेंसी के पीछे रहने वाली ममता यादव ने शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने बताया कि 26 जून की रात करीब 1 बजे हिमांशु राणा उसके घर के आंगन में पहुंचा और उसके बच्चे को अपने पास लेकर खिलाने लगा। ममता के मुताबिक काफी देर तक जब हिमांशु ने बच्चे को वापस नहीं किया तो उसने उसे बच्चे को लौटाने और अपने घर जाने के लिए कहा। इस बात पर आरोपी नाराज हो गया और बच्चे को वापस देने से इनकार करते हुए महिला से विवाद करने लगा। आरोप है कि विरोध करने पर हिमांशु ने महिला को धक्का दे दिया, जिससे वह गिर गई। इसके बाद उसने कहा कि अब बच्चा कोर्ट से लेना और फिर चाकू निकालकर महिला की ओर दौड़ पड़ा। इसी दौरान पुलिस की गाड़ी मौके पर पहुंच गई।

बच्चों को स्कूल छोड़ने के दौरान महिला पर बनाता था बात करने का दबाव

इंदौर। विजयनगर थाना क्षेत्र में एक महिला ने पड़ोस में रहने वाले व्यक्ति पर लगातार पीछा करने, बात करने और होटल चलने का दबाव बनाने तथा मना करने पर बदनाम करने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, 32 वर्षीय महिला की शिकायत पर बसंत गायकवाड़ के खिलाफ शुक्रवार को एफआईआर दर्ज की गई है। महिला ने बताया कि अप्रैल माह में उनके घर के बाहर हौज का काम चल रहा था। इसी दौरान बसंत वहां आया और बहाने से बातचीत करने लगा। महिला ने सामान्य बातचीत की, लेकिन इसके बाद बसंत लगातार उसके पीछे पड़ गया और उस पर बुरी नजर रखने लगा। महिला का आरोप है कि जब भी वह घर के बाहर खड़ी होती, बसंत उसे देखकर अश्लील इशारे करता था। बच्चों को स्कूल छोड़ने और लाने के दौरान भी वह उसका पीछा करता था। महिला ने विरोध किया तो आरोपी ने कहा कि वह उसके पति से कह देगा कि दोनों का अफेयर चल रहा है।

बर्थ डे पार्टी के दौरान शराब के नशे में हुआ विवाद खूनी झड़प में बदला

इंदौर। इंदौर के भंवरकुआं थाना क्षेत्र में बर्थडे पार्टी के दौरान शराब के नशे में हुआ विवाद खूनी झड़प में बदल गया। आरोप है कि कहासुनी के बाद एक युवक के चेहरे और गले पर चाकू से हमला किया गया, जबकि उसके भाई के सिर पर कांच की बोतल मारकर घायल कर दिया गया। शुरूआती जानकारी में पूरा विवाद जुए के अड्डे पर हुआ। मामले में पूछताछ के डर से उसे दबा दिया गया। पुलिस के अनुसार, शुभ संप्रदा कॉलोनी निवासी राहुल धामेलिया ने शिकायत दर्ज कराई कि वह अपने भाई लखन धामेलिया के साथ सीएनजी पंप के पास चोइथराम मंडी क्षेत्र में दोस्तों शानू और शुभम से मिलने गया था। वहां सज्जू सिधवानी, गिरी महाराज और अन्य लोग भी मौजूद थे। सभी मिलकर बर्थडे पार्टी मना रहे थे। शिकायत के मुताबिक, पार्टी के दौरान शराब के नशे में सज्जू सिधवानी ने राहुल के भाई लखन के साथ अभद्रता और गाली-गलौज की। विरोध करने पर उसने गिरी महाराज और अन्य साथियों को बुला लिया। इसके बाद सभी ने मिलकर राहुल और लखन के साथ मारपीट शुरू कर दी।

धार का 9.71 करोड़ का बस स्टैंड अधूरा, 2024 में पूरा होने का दावा फेल

धार। धार शहर में 9.71 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा आधुनिक बस स्टैंड भूमिपूजन के 1143 दिन बाद भी पूरा नहीं हो सका है। वर्ष 2024 तक परियोजना पूरी कर जनता को सौंपने का दावा किया गया था, लेकिन वर्ष 2026 आ जाने के बाद भी निर्माण अधूरा है। पिछले कई महीनों से निर्माण कार्य पूरी तरह बंद पड़ा है, जिससे अधूरा ढांचा अब बदहाली का शिकार होने लगा है। आधुनिक बस स्टैंड का भूमिपूजन 10 मई 2023 को जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की मौजूदगी में किया गया था। उस समय दावा किया गया था कि यह परियोजना वर्ष 2024 तक पूरी कर आम लोगों को समर्पित कर दी जाएगी। लेकिन तय समय-सीमा गुजर जाने के बावजूद निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका। बस स्टैंड निर्माण स्थल पर पिछले कई महीनों से कोई काम नहीं हो रहा है। वहां न मजदूर दिखाई दे रहे हैं और न ही निर्माण में इस्तेमाल होने वाली मशीनें मौजूद हैं। ठेकेदार का अस्थायी कार्यालय भी वहां से हटा दिया गया है, जिससे साफ है कि निर्माण कार्य लंबे समय से बंद पड़ा हुआ है।

बदनावर में बोवनी तेज, अधिकतर गांवों में आधे से ज्यादा रकबे में सोयाबीन की बोवनी

बदनावर। बदनावर नगर और आसपास के इलाकों में शनिवार को एक बार फिर पानी गिरा। दोपहर के बाद कई गांवों में तेज बारिश हुई, तो वहीं बदनावर शहर और कुछ जगहों पर रिमझिम फुहारें पड़ती रहीं। इस बारिश से खेतों में अच्छी-खासी नमी आ गई है, जिसके बाद किसानों ने सोयाबीन की बोवनी का काम तेज कर दिया है। पिछले कुछ दिनों से रुक-रुककर हो रही बारिश के बाद किसान ट्रैक्टर और खेती-किसानी के औजार लेकर खेतों में जुट गए हैं। ज्यादातर गांवों में आधे से ज्यादा रकबे में सोयाबीन बोई जा चुकी है। काछीबड़ौदा जैसे कुछ गांवों में तो किसानों ने पहली बारिश होते ही बोवनी कर दी थी, जहां अब बीज भी अंकुरित हो गए हैं। शनिवार दोपहर करीब 3 बजे अचानक मौसम बदला और कई गांवों में 20 मिनट तक तेज पानी गिरा, जिससे किसानों के चेहरे खिल उठे। मालवा के मुख्य सोयाबीन उत्पादक इलाकों में गिने जाने वाली बदनावर तहसील में इस साल करीब 78 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सोयाबीन बोए जाने का अनुमान है।

मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना से हरिद्वार-ऋषिकेश यात्रा शुरू, झाबुआ से 191 तीर्थयात्री रवाना

झाबुआ। मध्य प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के तहत झाबुआ जिले के 191 वरिष्ठ नागरिक शुक्रवार को हरिद्वार और ऋषिकेश की तीर्थयात्रा के लिए रवाना हुए। मेघनगर रेलवे स्टेशन से महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर यात्रा की शुरूआत कराई। तीर्थयात्रा दल में 191 श्रद्धालुओं के साथ 4 अनुरक्षक और 5 सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं। चार दिन की यात्रा के दौरान यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं का ध्यान रखने की जिम्मेदारी इन्हीं पर रहेगी। कार्यक्रम में मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार वरिष्ठ नागरिकों की आस्था और सम्मान को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना का संचालन कर रही है। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य उन बुजुर्गों को तीर्थयात्रा का अवसर देना है, जो वर्षों से इसकी इच्छा रखते थे लेकिन किसी कारण से यात्रा नहीं कर पाए।

खाद के लिए किसानों ने कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया, ई-टोकन व्यवस्था के खिलाफ जताया विरोध

आलीराजपुर। आलीराजपुर में खरीफ सीजन के दौरान खाद की कमी, ई-टोकन व्यवस्था की अव्यवस्था और कालाबाजारी के आरोपों को लेकर किसानों ने कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया। गुरुवार को बड़ी संख्या में किसानों ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर तत्काल समाधान की मांग की। किसानों ने आरोप लगाया कि जिले में यूरिया और डीएपी खाद समय पर उपलब्ध नहीं हो रही है। ई-टोकन व्यवस्था के कारण ग्रामीण और अशिक्षित किसानों को विशेष परेशानी हो रही है। कई किसानों को टोकन नहीं मिल पा रहे हैं, जबकि टोकन मिलने के बाद भी खाद न मिलने की शिकायतें सामने आ रही हैं। प्रदर्शनकारी किसानों ने बताया कि कई वितरण केंद्रों पर घंटों लाइन में लगने के बाद भी उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ता है। इससे बोवनी का कार्य प्रभावित हो रहा है और फसल उत्पादन पर संकट मंडरा रहा है। किसानों का यह भी आरोप है कि सर्वर अक्सर डाउन रहता है और टोकन देर रात जारी किए जाते हैं, जिससे ग्रामीण किसानों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। किसानों ने एक अन्य समस्या भी बताई कि आलीराजपुर ब्लॉक के किसानों को कई बार चंद्रशेखर आजाद नगर, जोबट और उदयगढ़ जैसे दूरदराज के केंद्रों के टोकन जारी हो जाते हैं। इन केंद्रों पर पहुंचने के बाद खाद उपलब्ध न होने या वितरण से इनकार किए जाने के कारण किसानों को निराश होकर लौटना पड़ता है।

एमडी-ड्रग्स निकला यूरियाः दो आईपीएस समेत 19 पुलिसकर्मियों पर साजिश का आरोप

बर्खास्त पुलिसकर्मी को कोर्ट ने बरी किया, अब अफसरों पर लगा रहे केस

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

इंदौर पुलिस ने जिस 198 ग्राम पदार्थ को करोड़ों रुपए की एमडी ड्रग्स बताकर बड़ी कार्रवाई का दावा किया था, वह जांच में यूरिया निकला। इस मामले में गिरफ्तार किए गए पुलिसकर्मी समेत तीनों आरोपियों को कोर्ट ने बरी कर दिया है। अब बर्खास्त पुलिसकर्मी ने दो आईपीएस अधिकारियों सहित 19 पुलिसकर्मियों पर झूठे केस में फंसाने का आरोप लगाया है।

करीब 16 महीने पहले इंदौर पुलिस ने विजय पाटीदार और शाहनवाज शेख को गिरफ्तार कर उनके पास से 198 ग्राम एमडी ड्रग्स मिलने का दावा किया था। पूछताछ के दौरान दोनों ने पुलिसकर्मी लखन गुप्ता का नाम लिया, जिसके बाद उन्हें भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। बाद में विभाग ने उन्हें नौकरी से बर्खास्त कर दिया।

लखन के वकील नितिन पाराशर के अनुसार, परिवाद में विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की मांग की गई है। विशेष कोर्ट ने मामले की सुनवाई के लिए 27 जून की तारीख तय की है। सुनवाई के दौरान कोर्ट जांच कराने, एफआईआर दर्ज करने या अन्य कानूनी कार्रवाई को लेकर आदेश दे सकता है।

यह मामला अब इंदौर पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल खड़े कर रहा है, क्योंकि जिस पदार्थ को करोड़ों की एमडी ड्रग्स बताया गया था, वह दोनों सरकारी लैब की जांच में साधारण यूरिया निकला।

लखन ने कहा- साजिश के तहत फंसाया गया

कोर्ट से बरी होने के बाद लखन गुप्ता ने विशेष अदालत में परिवाद दायर कर दो आईपीएस अधिकारियों समेत 19 पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उनका आरोप है कि उन्हें सुनियोजित साजिश के तहत झूठे ड्रग्स केस में फंसाया गया।

मुखबिर के जरिए आरोपियों से नाम कहलवाया

लखन का कहना है कि कुछ पुलिसकर्मियों ने मुखबिर के जरिए आरोपियों से उनका नाम कहलवाया। इसके बाद उन्हें आजाद नगर से उठाकर तेजाजी नगर थाने लाया गया, पूछताछ की गई और फिर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। बाद में नौकरी से भी बर्खास्त कर दिया गया।

भोपाल और हैदराबाद की लैब में कराई जांच

जांच के दौरान जब्त पदार्थ के सैंपल भोपाल की फॉरेंसिक लैब भेजे गए। रिपोर्ट में साफ हो गया कि कथित एमडी ड्रग्स वास्तव में यूरिया है और वह किसी भी तरह का नारकोटिक पदार्थ नहीं है। इसके बाद पुलिस ने दोबारा हैदराबाद की सेंट्रल लैब से जांच कराई, लेकिन वहां भी रिपोर्ट में पदार्थ यूरिया ही निकला। दोनों रिपोर्टों के आधार पर कोर्ट ने लखन गुप्ता समेत तीनों आरोपियों को बरी कर दिया।

इंदौर में मोबाइल स्नेचिंग गैंग का खुलासाः सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए थे आरोपी

दो आरोपी गिरफ्तार, पांच मोबाइल और एक बाइक बरामद

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

अन्नपूर्णा थाना पुलिस ने मोबाइल स्नेचिंग की वारदातों का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटे गए पांच मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल की गई बाइक बरामद की है। आरोपी सुनसान इलाकों में घूमकर महिलाओं और राह चलते लोगों के हाथ से मोबाइल छीनकर फरार हो जाते थे।

अन्नपूर्णा थाना प्रभारी हित गोपाल यादव को पिछले दिनों इलाके में लगातार मोबाइल लूट की शिकायतें मिल रही थीं। पीड़ितों ने पुलिस को बताया था कि बाइक सवार बदमाश उनके हाथ से मोबाइल छीनकर भाग गए। इसके बाद पुलिस ने घटनास्थलों के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और बदमाशों की पहचान की।

स्नेचिंग की वारदात कबूल की- पुलिस ने कार्रवाई करते हुए राहुल पुत्र गोपाल रावत निवासी विदुर नगर कॉलोनी और संयम पुत्र राजेश मोर निवासी बापू घनश्याम दास नगर को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने अन्नपूर्णा क्षेत्र में ही तीन मोबाइल स्नेचिंग की वारदात करना कबूल किया है।

शौक-मौज के लिए करते थे वारदात

- पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपी शौक पूरा करने के लिए मोबाइल लूट की घटनाओं को अंजाम देते थे। आरोपी बाइक से सुनसान इलाकों में घूमते और मौका मिलते ही मोबाइल छीनकर फरार हो जाते थे।
- जांच में सामने आया है कि आरोपियों के संपर्क जेल रोड के कुछ व्यापारियों से भी हैं। पुलिस ने पूछताछ के दौरान कुछ लोगों के नाम मिलने की बात कही है। फिलहाल आरोपियों से आगे की पूछताछ की जा रही है और अन्य वारदातों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

खजराना में ठेकेदार पर चाकू से हमला, मीडियाकर्मी गिरफ्तार

पुलिस ने निकाला जुलूस आरोपी को जेल भेजा

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

खजराना थाना क्षेत्र में आपसी विवाद के बाद एक मीडियाकर्मी ने गुरुवार को ठेकेदार पर चाकू से हमला कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी का इलाके में जुलूस निकाला और फिर उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। वहीं हमले में घायल ठेकेदार की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका आईसीयू में इलाज चल रहा है।

खजराना पुलिस के अनुसार घटना तंजीम नगर क्षेत्र की है। यहां रहने वाले मीडियाकर्मी आरिफ बरकाती और ठेकेदार शानू के बीच एक दिन पहले किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। कहासुनी के बाद दोनों अलग हो गए थे। आरोप है कि कुछ देर बाद शानू ने आरिफ के घर के बाहर पहुंचकर उसे अपशब्द कहना शुरू कर दिए। इसी दौरान आरिफ घर से चाकू लेकर बाहर आया और शानू पर कई वार कर दिए। हमले में शानू सड़क पर गिर गया। बाद में उसे ऑटो से बॉम्बे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर बताई।

घोड़ी रात को जब नहीं नाची तो डंडे से की पिटाई

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

नृसिंह बाजार चौराहे के पास एक घोड़ी को डंडे से पीटकर जबरन नचाने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पशु प्रेमियों और सामाजिक संगठनों में नाराजगी है।

पशु कल्याण के क्षेत्र में कार्यरत नीडीटेल फाउंडेशन के प्रियांश जैन ने पंढरीनाथ थाना पुलिस को शिकायत देकर मामले में एफआईआर दर्ज करने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मामला 25 जून 2026 की रात करीब 11 बजे का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो में एक व्यक्ति घोड़ी को नियंत्रित करने और नचाने के लिए डंडे का इस्तेमाल करता दिखाई दे रहा है। आसपास मौजूद लोग यह तमाशा देखते रहे, लेकिन किसी ने हस्तक्षेप नहीं किया।

इसी घोड़ी का एक अन्य वीडियो भी सामने आया है, जिसमें उसे सड़क पर नचाया जा रहा है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि घोड़ी को दर्द और भय के माध्यम से प्रदर्शन करने के लिए मजबूर किया गया। कानूनी विशेषज्ञों के मुताबिक, यदि जांच में यह साबित होता है कि घोड़ी को अनावश्यक पीड़ा पहुंचाई गई या उसे बेरहमी से पीटा गया, तो मामला पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 की धारा 11 के तहत दर्ज किया जा सकता है। इस धारा के तहत किसी पशु को मारना, पीटना, यातना देना या अनावश्यक कष्ट पहुंचाना दंडनीय अपराध माना गया है। इसके अलावा, यदि जांच में पशु को गंभीर चोट, स्थायी नुकसान या अपंगता पहुंचाने के प्रमाण मिलते हैं, तो भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 325 भी लागू हो सकती है। इस धारा के तहत किसी पशु को घायल, अपंग या बेकार करने पर पांच वर्ष तक के कारावास, जुर्माना या दोनों का प्रावधान है।

अटाला बाजार में निगम कार्रवाई के बाद हंगामा

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

राजवाड़ा स्थित अटाला बाजार में नगर निगम के अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान शुक्रवार को विवाद खड़ा हो गया। कार्रवाई के बाद स्थानीय व्यापारियों और फुटपाथ विक्रेताओं ने निगम के रिमूवल दल पर गंभीर आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। व्यापारियों का आरोप है कि निगम की रिमूवल टीम (पीली गैंग) कार्रवाई से पहले पैसों की मांग करती है, फिर रुपए लेने के बावजूद सामान जब्त करने और कार्रवाई करने से नहीं चूकती। यदि इस प्रकार की कार्यशैली जारी रही तो वे आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। कई फुटपाथ विक्रेताओं और व्यापारियों ने आरोप लगाया कि अभियान के दौरान रिमूवल दल के एक सुपरवाइजर ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया।

तीन दिन में 5 बसों में तोड़फोड़

एजेंटी विवाद का आरोप; बस संचालकों ने पुलिस कमिश्नर से की शिकायत

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

छोटी ग्वालटोली, तिलकनगर, भंवरकुआं और संयोगितागंज थाना क्षेत्रों में पांच बसों में तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। बस संचालकों ने आरोप लगाया है कि पूरा विवाद बसों का एजेंट बनने को लेकर है। मामले में दो थानों में नामजद शिकायत दर्ज होने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने पर शनिवार को बस संचालक पुलिस कमिश्नर से शिकायत करने पहुंचे।

पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह से देवास बस यूनियन और चौहान ट्रेवल्स के संचालक धर्मेंद्र चौहान ने मुलाकात की। उन्होंने बताया कि उनकी बसें देवास-इंदौर और इंदौर-इच्छापुर रूट पर संचालित होती हैं। धर्मेंद्र चौहान ने शिकायत में बताया कि 25 जून को राहुल सोनकर और उसके साथियों ने बस के ड्राइवर और स्टाफ के साथ मारपीट की थी। इसके बाद बस के अंदर तोड़फोड़ भी की गई। घटना की सूचना स्टाफ ने 112 नंबर पर दी थी। बस संचालकों का आरोप है कि इसके बाद दो दिनों के भीतर करीब चार अन्य बसों में भी तोड़फोड़ की गई। घटना के समय कई यात्री बसों में मौजूद थे, जिससे बड़ी घटना हो सकती थी।

अवैध वसूली का भी लगाया आरोप

- बस यूनियन के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि राहुल सोनकर के साथ कपिल नाम का व्यक्ति भी बस संचालकों पर दबाव बनाता है और एजेंटी के नाम पर अवैध वसूली की कोशिश करता है। इस संबंध में भंवरकुआं और तिलकनगर थानों में शिकायत भी की गई थी, लेकिन आरोपियों पर कार्रवाई नहीं हुई।
- बस संचालकों ने पुलिस कमिश्नर से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने मामले में उचित जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

आवश्यकता
आवश्यकता आवश्यकता आवश्यकता
केयर इंटरप्राइजेस
(इलेक्ट्रानिक्स एंड फर्नीचर हाउस)
उज्जैन, में प्रोडक्ट बेस्ड माइक्रो फाइनेंस (No Cost EMI) मे कार्य करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है
फील्ड स्टाफ :- लडके / लडकी
पद - 6 योग्यता कम से कम 10वीं पास
सैलरी : 13000 + इंसेंटिव + पेट्रोल खर्च + मोबाइल खर्च
नोट : केवल फील्ड करने के इच्छुक व्यक्ति ही आमंत्रित है।
स्थान
अवंतिका डिस्ट्रीब्यूटर्स एंड होलसेलर्स
दो तालाब के पास, रिलायंस मार्ट के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
इंटरव्यू दिनांक - 28/06/2026
दिन - रविवार
समय - 1 से 3 बजे तक
इंटरव्यू में अपना रिज्यूम मय फोटो लाना अनिवार्य है।
मो.नं. :- 6265895202,8224800652,9753977098

अतिशीघ्र आवश्यकता है
जेके सीमेन्ट उज्जैन में
कम पढ़े लिखे व्यक्ति 12 हजार रुपये महीना,
पीएफ/ई.एस.आई.सी./ चार छुट्टियां, 8 घंटे ड्यूटी
महिला कम्प्यूटर ऑपरेटर : जिसे कम्प्यूटर का ज्ञान हो
(ऑफिस के लिए) सेलरी योग्यतानुसार।
महाकाल इंजीनियरिंग सर्विसेस
22, सिद्धी विनायक, कॉम्प्लेक्स, शहीद पार्क, फ्रीगंज, उज्जैन
मो. 9425091176
समय : 11:30 से 3 बजे तक

बिना ऑपरेशन कान के मवाद से मुक्ति
कटे कान जुड़वाएं
किडनी की पथरी का अंत तुरंत
निःशुल्क दवा प्राप्त करें
डॉ. पी.पी. ओझा
कर्ण रोग विशेषज्ञ
9425360006,9425107617
प्रति शनिवार को मिले
निकास चौराहा बुधवारिया, उज्जैन

जय श्री महाकाल
ऑल कंस्ट्रक्शन वर्क के लिए एजेक्स फ्लोरी 2300 के.जी. किराये से 24 घंटे उपलब्ध है।
ए.के. सिंह मो. 7748813792
सिविल इंजीनियर की आवश्यकता है।
देवास रोड, आरके क्लब कॉलोनी, अभिलाषा के पीछे, उज्जैन

सीमेन्ट आर्टिकल के थोक एवं खेरची विक्रेता
ए.के. ट्रेडर्स
फ्रन्ट एलीवेशन, फैन फ्लावर, फ्लावर बार्डर, कालम कुम्भी, कवेलु ब्लाक, बिल्सी, राजधानी पैटर्न मेहराब खम्बे डिजाईन वाले, लालटेन, तोड़ी पे. आर.सी.सी. चेम्बर, ड्रेनेज लाईन एवं समस्त
ऑफिस : 220/5, नामदार, रवीदास धर्मशाला के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
अखलाक हुसैन, मुस्तकिम हुसैन
मोबाइल 9827253852, 83192 9962, 7869555897

हस्तरेखाएं बोलती है कब? क्यों? कैसे?
जीवन की कठिन परेशानियों व्यापार नहीं चलना, विवाह या प्रेम विवाह में बाधा, कर्ज का बोझ, गृह कलेश, मानसिक अशांति व आर्थिक समस्याओं का सटीक हल प्राप्त करें। शुद्ध जन्म पत्रिका बनवाने व पत्रिका मिलान हेतु सम्पर्क करें।
पं. रुपेश रमेशचंद्र नाहर
(M.A. Astrologer)
प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य, भारतीय ज्योतिष विज्ञान संस्थान
नानाखेड़ा बस स्टेण्ड के पीछे, ए-5/8, महाकाल वाणिज्य केन्द्र, सांई पैलेस होटल के सामने, उज्जैन
नोट- फोन पर समय लेकर मिले। समय दोपहर 1 से 5 बजे तक
मोबाइल- 9827007312, 98277-33384
(web.www.jyotishdham.in)

मुद्रक/प्रकाशक सुरेन्द्र मेहता द्वारा अवन्तिका प्रकाशन के लिए अवन्तिका ऑफसेट, 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग, उज्जैन से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : सुरेन्द्र मेहता। फोन - उज्जैन : 0734-4041777, 9827771777, इन्दौर : 0731-4085777, 9827772777 e-mail : awantikapress@yahoo.com